@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
रविवार, 15 मार्च 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 129 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

प्रधानमंत्री मोदी ने कई रेल परियोजनाओं को राष्ट्र को किया समर्पित

एजेंसी

मेदिनीपुर। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कोलकाता से वर्चुअल माध्यम के जरिए कई महत्वपूर्ण रेल परियोजनाओं को राष्ट्र को समर्पित किया। इन परियोजनाओं के शुरू होने से रेल अवसंरचना, यात्री सुविधाओं और क्षेत्रीय संपर्क को मजबूती मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

रेलवे ने शनिवार को बताया अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत पुनर्विकसित तमलुक रेलवे स्टेशन और हल्दिया रेलवे स्टेशन का उद्घाटन प्रधानमंत्री ने किया। इन स्टेशनों पर आधुनिक प्रतीक्षालय, बेहतर यात्री सुविधाएं, सुगम आवागमन की व्यवस्था और उन्नत बाहरी संरचना विकसित की गई है, जिससे यात्रियों को बेहतर यात्रा अनुभव मिल सकेगा।

इसके अलावा रेल संपर्क और परिचालन क्षमता को बढ़ाने के उद्देश्य से बेलदा और दांतन के बीच तीसरी रेल लाइन को भी राष्ट्र को समर्पित किया गया। अधिकारियों के अनुसार, इस अतिरिक्त लाइन के शुरू होने से ट्रेनों के संचालन में सुगमता आएगी तथा यात्री और मालगाड़ियों की आवाजाही अधिक तेज और व्यवस्थित हो सकेगी। रेल सुरक्षा और समयबद्ध संचालन को ध्यान में रखते हुए कलाईकुंडा और कनीमहुली के बीच स्वचालित ब्लॉक सिग्नलिंग प्रणाली भी शुरू की गई। इस आधुनिक सिग्नलिंग प्रणाली से ट्रेनों के बीच की दूरी कम होगी और रेल परिचालन की क्षमता में वृद्धि के साथ सुरक्षा मानकों में भी सुधार होगा।

इस अवसर पर तमलुक, हल्दिया, बेलदा और कलाईकुंडा रेलवे स्टेशनों पर समारोह आयोजित किए गए, जिनमें जनप्रतिनिधियों, रेलवे अधिकारियों और स्थानीय नागरिकों ने भाग लिया। कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में लोगों की उपस्थिति देखी गई। रेल अधिकारियों का कहना है कि इन परियोजनाओं के शुरू होने से क्षेत्र में रेल संपर्क मजबूत होगा, यात्रियों की सुविधाएं बढ़ेंगी और क्षेत्रीय आर्थिक गतिविधियों को भी गति मिलेगी।

यह बंगाल की आत्मा बचाने का चुनाव, राज्य की निर्मम सरकार का अंत तय: मोदी

कोलकाता। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को यहां के ब्रिगेड परेड ग्राउंड में आयोजित भाजपा की रैली में पश्चिम बंगाल की सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सरकार पर तीखा हमला करते हुए कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव केवल सरकार बदलने का चुनाव नहीं है, बल्कि 'बंगाल की आत्मा को बचाने का चुनाव' है। उन्होंने आरोप लगाया कि टीएमसी सरकार ने राज्य को अराजकता, तुष्टीकरण, भ्रष्टाचार और भय के माहौल में धकेल दिया है और अब बंगाल की जनता बदलाव के लिए तैयार है। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन की शुरुआत बंगाली भाषा में करते हुए राज्य के लोगों को शुभकामनाएं दीं और कहा कि ब्रिगेड मैदान में उमड़ी विशाल भीड़ इस बात का प्रमाण है कि बंगाल में परिवर्तन की इच्छा मजबूत हो चुकी है। यह मैदान इतिहास में कई बार बंगाल की आवाज बना है और आज एक बार फिर यहीं से 'नए बंगाल की क्रांति' का बिगुल बज चुका है। मोदी ने कहा कि राज्य के लोगों के दिलों में यह बात दर्ज हो चुकी है कि बंगाल की 'निर्मम सरकार' का अंत होकर रहेगा।

पंजाब में भाजपा अकेले बनाएगी अगली सरकार: अमित शाह

नशा-कर्ज-धर्म परिवर्तन पर बीजेपी ही समाधान : अमित शाह

एजेंसी

चंडीगढ़। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पंजाब में भाजपा का चुनावी शंखनाद करते हुए साफ कहा कि वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी अकेले मैदान में उतरेगी और सरकार बनाएगी। शनिवार को मोगा के गांव किल्ली चाहलां में भाजपा की पहली चुनावी रैली को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि अब तक भाजपा पंजाब में छोटे भाई की भूमिका में रही है, लेकिन अब समय आ गया है कि पार्टी खुद सरकार बनाए। उन्होंने दावा किया कि पंजाब की जनता आज भाजपा के साथ है।

पंजाब के ज्वलंत नशों के मुद्दे पर गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि कांग्रेस व अकाली दल ने पंजाब में नशों को बढ़ावा दिया है। चार महीने में पंजाब को नशा मुक्त करने का दावा करने वाला आम आदमी पार्टी भी इस दिशा में कुछ नहीं कर पाई। पंजाब को केवल भाजपा ही नशा मुक्त राज्य बना सकती है। भाजपा

ने वादे के अनुसार, कश्मीर से धारा 370 को समाप्त किया। नक्सलवाद खत्म होने के कगार पर है। पंजाब की सबसे बड़ी समस्या कर्ज, ड्रग्स, धर्म परिवर्तन, भ्रष्टाचार, गैंगस्टरवाद है। आज पंजाब से उद्योग पलायन कर रहे हैं। किसानों की सुध लेने वाला कोई नहीं है। युवाओं के पास अपने भविष्य को लेकर कोई विजन नहीं है।

अमित शाह ने कहा कि वर्ष 2024 के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को पंजाब में 19 प्रतिशत वोट मिले थे। भाजपा को असम, मणिपुर, त्रिपुरा, उत्तराखंड में जब 19 प्रतिशत वोट मिले तो अगली सरकार भाजपा ने बनाई। इस बार पंजाब में सरकार बनाने का समय आ गया है। पंजाब सरकार को कानून व्यवस्था के मुद्दे पर आड़े हाथों लेते हुए अमित शाह ने कहा कि पंजाब में आज सरकार नाम की कोई चीज नहीं है। सरकार होती तो कानून व्यवस्था ऐसी न होती, सरकार होती तो नशे का कारोबार न होता। सरकार होती तो किसानों की हालत ऐसी नहीं होती।

सिख दंगों के मुद्दे पर कांग्रेस को घेरते हुए अमित शाह ने कहा कि भाजपा ने दंगा पीड़ित परिवारों को न केवल मुआवजा दिया बल्कि नौकरियां भी दी, वहीं राहुल के पिता ने दंगों को लेकर सिखों का अपमान किया। कांग्रेस ने अकाल तख्त साहिब पर टैंक चलवाए।

असम के कार्बी आंगलोंग में बस पेड़ से टकराई, चालक समेत चार लोगों की मौत, 10 घायल

- पुलिस के अनुसार, दुर्घटना लक्खीजान इलाके में हुई

एजेंसी

कार्बी आंगलोंग (असम)। असम के कार्बी आंगलोंग जिले में शनिवार सुबह हुए एक सड़क हादसे में चालक सहित चार लोगों की मौत हो गई, जबकि 10 अन्य यात्री घायल हो गए। हादसा तब हुआ जब एक यात्री बस अचानक असंतुलित होकर सड़क किनारे खड़े पेड़ से जा टकराई। पुलिस के अनुसार, दुर्घटना लक्खीजान इलाके में हुई, जो बोकाजान थाना क्षेत्र के अंतर्गत आता है। बस मोइराबाड़ी (जिला मोरीगांव जिला) से डिमापुर की ओर जा रही थी। सभी एक मोड़ पर मुड़ते समय चालक बस पर नियंत्रण खो बैठा, जिससे बस सड़क किनारे खड़े एक पेड़ से जोरदार तरीके से टकरा गई।

टक्कर इतनी भीषण थी कि बस चालक सहित चार यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान अब्दुल बारेक, खलील रहमान, शबीना सुल्ताना और अलाउद्दीन के रूप में हुई है।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

हादसे में घायल हुए 10 यात्रियों को उपचार के लिए डिमापुर के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायलों में एक बच्चा भी शामिल है। कुछ घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस ने बताया कि दुर्घटना के सटीक कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है। प्रारंभिक आशंका है कि मोड़ पर बस की रफ्तार अधिक होने के कारण चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका, जिससे यह दुर्घटना हुई।

प्रगतिशील पंजाब निवेशक सम्मेलन को भारी समर्थन मिला: मुख्यमंत्री मान

कौमी पत्रिका

एस.ए.एस. नगर, 14 मार्च। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के पंजाब दौरे के दौरान राज्य के मुख्य मुद्दों का कोई हल न करने के लिए कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि लोगों को एमएसपी, किसान कर्ज माफी और खास पैकेज की उम्मीद थी, लेकिन लोगों के हाथ सिर्फ निराशा ही लगी। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पंजाब के साथ लगातार पक्षपात कर रही है, राज्य के हकदार फंड रोक रही है, किसानों की मांगों को नजरअंदाज कर रही है और राज्य के बाहर जब्त की गई नशे की बड़ी खेपों पर कोई कार्रवाई नहीं कर रही, बल्कि पंजाब को बदनाम कर रही है। उन्होंने कहा कि इन चुनौतियों के बावजूद पंजाब सरकार नशे पर काबू पाने, अर्थव्यवस्था मजबूत करने और निवेश आकर्षित करने के लिए उचित कदम उठा रही है। उन्होंने बताया कि प्रोग्रेसिव पंजाब निवेशक सम्मेलन को उद्योग जगत से बड़ा समर्थन मिल रहा है और निवेशक राज्य में नए कारोबारी अवसरों की तलाश कर रहे हैं। प्रगतिशील पंजाब निवेशक सम्मेलन के अवसर पर आज मीडिया से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि पंजाब के किसानों और नागरिकों को उम्मीद थी कि उनकी चिंताओं को दूर करने के लिए ठोस फैसले लिए जाएंगे। उन्होंने कहा, हमें उम्मीद थी कि अमित शाह पंजाब के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य, कर्ज माफी या विशेष पैकेज के बारे में बात करेंगे, लेकिन वह सिर्फ पंजाबियों को भला-बुरा कहकर चले गए। उन्होंने आगे कहा कि पंजाब के लोग फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी, कृषि ऋणों की माफी और किसानों के लिए अन्य उपायों जैसे बड़े एलानों की उम्मीद कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने केंद्र द्वारा पंजाब के वैध फंडों को रोके जाने की भी आलोचना की। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, मोदी सरकार ने पंजाब के आरडीएफ और जीएसटी फंड रोक दिए हैं और अभी तक 1,600 करोड़ रुपये की बाढ़ राहत राशि भी जारी नहीं की है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 1,600 करोड़ रुपये बाढ़ राहत के बारे में किए गए बड़े-बड़े दावों के बावजूद, पंजाब को उनके एलान से 16 रुपये भी नहीं मिले। उन्होंने आगे कहा कि विनाशकारी बाढ़ के दौरान केंद्र के नेता पंजाब सिर्फ पर्यटन के लिए आए और तस्वीरें खिंचवाकर चले गए। गैंगस्टरवाद का मुद्दा उठाते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार राष्ट्रीय स्तर पर इस समस्या को हल करने में विफल रही है। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, पंजाब के गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई को भाजपा सरकार ने गुजरात जेल में शरण दे रखी है और उसे पंजाब लाने की इजाजत भी नहीं दी जा रही है।

शेष पृष्ठ 3 पर

कांग्रेस की नीतियों के कारण बसपा का गठन करना पड़ा : मायावती

एजेंसी

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कहा कि यदि कांग्रेस बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर और कांशीराम के मिशन के प्रति समर्पित होकर संविधान के पवित्र समतामूलक और कल्याणकारी उद्देश्य को जमीन पर उतारने का कार्य अगर सही नीयत व नीति से करती तो कांशीराम जी को कभी बसपा की स्थापना की जरूरत नहीं पड़ती। बसपा प्रमुख ने शनिवार को एक बयान में कहा कि केंद्र की सत्ता में काफी समय रहते हुए कांग्रेस ने डॉ. भीमराव आंबेडकर को भारत रत्न से सम्मानित नहीं किया गया। कांशीराम के निधन पर तत्कालीन केंद्र की कांग्रेस सरकार ने राष्ट्रीय शोक व सपा सरकार ने एक दिन का भी राजकीय शोक घोषित नहीं किया। इसके अलावा इन महापुरुषों के नाम

बनाए गए शिक्षण, मेडिकल संस्थानों व जिलों के नाम भी बदले गए। पदोन्नति में आरक्षण की व्यवस्था को जारी रखने के संबंधी के बिल को संसद में क्यो फाड़ा गया।

बसपा प्रमुख ने कहा कि इसी प्रकार दूसरी पार्टियों के हाथों में खेल कर दलित समाज के बने अनेकों संगठन व पार्टियां आदि भी इनके नाम को भुनाने की कोशिश में हमेशा लगी रहती हैं। अब ये सभी पार्टियां आए दिन किस्म- किस्म के हथकण्डे इस्तेमाल करके बसपा को कमजोर करने में लगी हैं। बसपा प्रमुख ने बहुजन समाज के लोगों से अपील की है कि सुन सबकी लो, लेकिन अपनी एकता व अपने वोटों की शक्ति को किसी भी हाल में वोट के इन सौदागरों के हाथों में मत जाने दो, यही डॉ. भीमराव आंबेडकर और कांशीराम के जीवन संघर्ष के पति सच्ची श्रद्धांजलि है। मायावती ने आगामी 15 मार्च को कांशीराम की जयंती पर पूरे देश में आयोजित कार्यक्रमों को सफल बनाने की अपील बसपा कार्यकर्ताओं से की है।

गैरसैंण में पांच दिन तक चला बजट सत्र, मुख्यमंत्री धामी ने कांग्रेस पर किए तीखे हमले

एजेंसी

गैरसैंण। उत्तराखंड विधानसभा का बजट सत्र इस बार कई मायनों में ऐतिहासिक साबित हुआ। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में आयोजित यह सत्र राज्य सरकार की उपलब्धियों और नीतियों का साफ प्रतिबिंब बना। धामी सरकार के दूसरे कार्यकाल के चार साल पूरे होने के दौरान चले सत्र में मुख्यमंत्री ने काफी मुखर और आक्रामक अंदाज में सदन को संबोधित किया। 9 मार्च से शुरू हुए इस पांच दिवसीय बजट सत्र की कार्यवाही कुल 41 घंटे 10 मिनट तक चली, जो गैरसैंण में अब तक का सबसे लंबा विधानसभा सत्र माना जा रहा है। इस दौरान वित्त वर्ष 2026-27 का बजट पारित किया गया। सदन ने कुल 12 विधेयकों को मंजूरी दी और चार अध्यादेशों को भी स्वीकृति प्रदान की। विधानसभा को 50 अल्प सूचित प्रश्न और 545 तारांकित प्रश्न मिले, जिनमें से 291 के जवाब सदन में दिए गए। सत्र सिर्फ विधायी काम तक सीमित नहीं रहा बल्कि राज्य के विकास, सरकार की कार्यशैली और नीतियों पर विस्तृत चर्चा का मंच बना। कई विधायकों ने धामी सरकार के प्रयासों की सराहना की। राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का तेवर काफी अलग दिखा। आमतौर पर शांत और संयमित रहने वाले धामी इस बार पूरी तरह आक्रामक हो गए। उन्होंने मुख्य रूप से कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा और उसके पुराने कार्यकाल की नीतियों को कठघरे में खड़ा किया। धामी ने कहा कि उनकी सरकार सिर्फ घोषणाएं करने वाली नहीं बल्कि उन्हें जमीन पर उतारने वाली है। मुख्य सेवक के रूप में की गई 3885 घोषणाओं में से 2408 पूरी हो चुकी हैं और बाकी पर तेज काम चल रहा है।

सीबीआई ने 228 करोड़ के बैंक धोखाधड़ी मामले में अनिल अंबानी के बेटे जय अनमोल अंबानी से दूसरे दिन भी की पूछताछ

- सूत्रों के अनुसार, इस मामले में उनसे सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक, यानी करीब छह घंटे तक पूछताछ की गई।

एजेंसी

नई दिल्ली। देश की प्रमुख जांच एजेंसी केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने 228 करोड़ रुपए के बैंक धोखाधड़ी मामले में उद्योगपति अनिल अंबानी के बेटे जय अनमोल अंबानी से शनिवार को दूसरे दिन फिर से पूछताछ की। सूत्रों के अनुसार, इस मामले में उनसे सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक, यानी करीब छह घंटे तक पूछताछ की गई। यह पूछताछ रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड (आरएचएफएल) से जुड़े 228 करोड़ रुपए के कथित बैंक धोखाधड़ी मामले में की गई है। इस मामले में कंपनी के पूर्व सीईओ और पूर्व पूर्णकालिक निदेशक रवींद्र सुधालकर सहित कई अन्य लोगों के नाम भी शामिल हैं। मामले में जय अनमोल अंबानी भी आरोपियों में

शामिल हैं। हालांकि इस संबंध में कंपनी की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। सीबीआई ने बीते दिन शुक्रवार को भी अनिल अंबानी के बेटे से पूछताछ की थी। जांच एजेंसी के अनुसार, जय अनमोल अंबानी से दिल्ली स्थित सीबीआई मुख्यालय में पूछताछ की गई। अधिकारियों ने बताया कि उनसे मामले से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से सवाल-जवाब किए गए और आगे की जांच के लिए उन्हें शनिवार को भी उपस्थित रहने को कहा गया था। सीबीआई ने इससे पहले 9 दिसंबर 2025 को इस मामले में प्राथमिकी दर्ज करने के बाद मुंबई में जय अनमोल अंबानी के आवास पर भी तलाशी अभियान चलाया था। यह कार्रवाई यूनियन बैंक ऑफ इंडिया (पूर्व में आंध्रा बैंक) की शिकायत के आधार पर की गई थी। बैंक ने आरोप लगाया था कि कंपनी ने बैंक से लिया गया कर्ज वापस नहीं चुकाया, जिसके कारण वर्ष 2019 में यह खाता गैर-निष्पादित संपत्ति (एनपीए) में बदल गया।

प्रधानमंत्री मोदी ने पश्चिम बंगाल के कोलकाता में 18,700 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखी

- 'आज कोलकाता की धरती से पश्चिम बंगाल और पूर्वी भारत के विकास का एक नया अध्याय लिखा जा रहा है।'

एजेंसी

कोलकाता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को पश्चिम बंगाल के कोलकाता में 18,000 करोड़ रुपए से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखी और उनका उद्घाटन किया। उन्होंने सभा को संबोधित करते हुए कहा, 'आज कोलकाता की धरती से पश्चिम बंगाल और पूर्वी भारत के विकास का एक नया अध्याय लिखा जा रहा है।' पीएम मोदी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि इस कार्यक्रम में सड़क, रेलवे और बंदरगाह अवसंरचना से संबंधित 18,000 करोड़ रुपए से अधिक की परियोजनाओं की आधारशिला रखी गई और उनका लोकार्पण किया गया। उन्होंने जोर दिया कि ये परियोजनाएं पश्चिम

बंगाल और पूर्वी भारत को नई गति प्रदान करेंगी, व्यापार और उद्योग को बढ़ावा देंगी और लाखों लोगों को नए अवसर प्रदान करके उनके जीवन को सुगम बनाएंगी। प्रधानमंत्री ने कुछ प्रमुख परियोजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि खड़गपुर-मोरग्राम एक्सप्रेसवे के पूरा होने से पश्चिम बंगाल के कई हिस्सों में आर्थिक गतिविधियों में तेजी आएगी। उन्होंने दुबराजपुर बाईपास और कांगसाबती और शिलाबती नदियों पर बन रहे प्रमुख पुलों का भी उल्लेख किया, जिनसे संपर्क और बेहतर होगा। उन्होंने कहा, 'मैं पश्चिम बंगाल और पूरे पूर्वी भारत के लोगों को इन परिवर्तनकारी परियोजनाओं के लिए बधाई देता हूं। उन्होंने कहा कि भारतीय रेलवे के आधुनिकीकरण के लिए देशभर में एक जोरदार अभियान चल रहा है और सरकार का दृढ़ संकल्प है कि पश्चिम बंगाल इस मिशन में पीछे न रहे। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार पश्चिम बंगाल में रेलवे के बुनियादी ढांचे का तेजी से विस्तार कर रही है। इस अवसर पर, कलाइकुंडा-कनिमाहुली खंड पर स्वचालित ब्लॉक सिग्नलिंग सिस्टम राष्ट्र को समर्पित किया गया है।

एआई समिट प्रदर्शन मामले में दिल्ली पुलिस ने मनीष शर्मा को बताया मुख्य साजिशकर्ता

- प्रदर्शन के दौरान हाई सिक्योरिटी एरिया में 12 लोग मौजूद थे, जिनमें से नौ ने शर्ट उतारकर प्रदर्शन किया।

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के पटियाला हाउस कोर्ट में एआई इम्पैक्ट समिट के दौरान हुए शर्टलेस प्रदर्शन के मामले में दिल्ली पुलिस ने युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रभारी मनीष शर्मा की अग्रिम जमानत याचिका पर अपनी दलीलें पेश कीं। पुलिस ने अदालत को बताया कि यह प्रदर्शन पूरी तरह राजनीतिक था और इसका एआई या सरकार की नीति से कोई लेनादेना नहीं था। दिल्ली पुलिस के अनुसार भारत में आयोजित एआई समिट में दुनिया के लगभग 100 से ज्यादा देश शामिल हुए थे, जिनमें 92 देश और यूरोपीय संघ के सदस्य देश भी थे। यह अपने तरह की पहली बड़ी एआई समिट थी। पुलिस ने आरोप लगाया कि प्रदर्शन का मकसद भारत में हो रहे इस महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय आयोजन की छवि खराब करना था। उन्होंने कहा कि आंतरिक राजनीतिक असहमति के लिए अंतरराष्ट्रीय मंच का इस्तेमाल किया गया और अदालत पर भी दबाव बनाने की कोशिश हुई। दिल्ली पुलिस ने मनीष शर्मा को इस मामले का मुख्य साजिशकर्ता और फ्रंट मैन

बताया। पुलिस ने कहा कि मनीष शर्मा यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रभारी हैं और प्रदर्शन की योजना उनके निर्देश में बनी। पुलिस ने बताया कि प्रदर्शन से पहले चायोज रेस्तरां में बैठक हुई, जिसकी सीसीटीवी फुटेज उनके पास है। मनीष शर्मा ने सिद्धार्थ अवधूत को फोन कर बुलाया था और यूथ कांग्रेस के अंदर भी कई बैठकें हुईं।

भारत के लिए राहत भरी खबर, एलपीजी से लदे दो भारतीय जहाज होर्मुज स्ट्रेट से सुरक्षित रवाना

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने शनिवार को बताया कि 'शिवालिक' और 'नंदा देवी' नामक दो एलपीजी टैंकर जहाज सुरक्षित रूप से होर्मुज स्ट्रेट पार कर भारत की ओर बढ़ रहे हैं। इन जहाजों में करीब 92,700 मीट्रिक टन एलपीजी लदी हुई है। पोर्ट्स, शिपिंग और जलमार्ग मंत्रालय में विशेष सचिव राजेश कुमार सिन्हा ने एक ब्रीफिंग के दौरान बताया कि इन टैंकरों के भारत पहुंचने के लिए क्रमशः मुंद्रा और कांडला बंदरगाह निर्धारित किए गए हैं। उनके मुताबिक, शिवालिक के 16 मार्च और नंदा देवी के 17 मार्च तक पहुंचने की उम्मीद है।

एयर इंडिया और इंडिगो के नक्शेकदम पर अकासा... 15 मार्च से अतिरिक्त फ्यूल सरचार्ज वसूलेगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अगर आप भी गर्मियों की छुट्टियों में बाहर घूमने का प्लान कर रहे हैं, तब आपकों अपनी जेब थोड़ी ज्यादा ढीली करनी होगी। एयर इंडिया और इंडिगो के नक्शेकदम पर चलते हुए अब अकासा एयर ने भी ईंधन की बढ़ती कीमतों का बोझ यात्रियों पर डालने का फैसला किया है। मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के कारण एयरलाइन 15 मार्च से टिकट बुकिंग पर 1300 रुपये तक का अतिरिक्त फ्यूल सरचार्ज वसूलेगी। अकासा एयर के प्रवक्ता द्वारा जारी बयान के अनुसार, ईंधन की कीमतों में भारी वृद्धि के कारण यह कदम उठाना अनिवार्य हुआ है। नए चार्ज 15 मार्च 2026 की रात 00:01 बजे से होने वाली सभी बुकिंग पर लागू होगा। अगर आपने 15 मार्च से पहले टिकट बुक कर ली है, तब आपको यह अतिरिक्त शुल्क नहीं देना होगा। नया सरचार्ज फ्लाइट की दूरी और समय के आधार पर तय किया गया है। यह सरचार्ज घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों मार्गों पर लागू होगा। न्यूनतम शुल्क 199 और अधिकतम शुल्क 1300 रुपये होगा। एयरलाइन का कहना है कि मिडिल ईस्ट में उपजे हालातों की वजह से एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) की कीमतों में इजाफा हुआ है। इसकारण हमें 199 से लेकर 1300 रुपये तक का फ्यूल सरचार्ज लगाने पर मजबूर होना पड़ा है। सरचार्ज प्रत्येक सेक्टर के हिसाब से अलग-अलग होगा। इसका मतलब है कि फ्लाइट जितनी लंबी होगी, यात्री को उतना अधिक सरचार्ज देना होगा।

सिंहस्थ को लेकर इंटरनेशनल किन्नर अखाड़ा की बैठक, 11 किन्नर संतों का किया पट्टाभिषेक

उज्जैन (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के उज्जैन में साधु संत सिंहस्थ 2028 को लेकर तैयारियों में जुट गए। इसी कड़ी में इंटरनेशनल किन्नर अखाड़ा की बैठक हुई, इसमें देशभर से आए किन्नर संत और पदाधिकारी शामिल हुए। आयोजन में 11 किन्नर संतों का पट्टाभिषेक कर महामंडलेश्वर और श्रीमहंत की उपाधि दी गई। सिंहस्थ में अखाड़े की व्यवस्थाओं और भविष्य की योजनाओं पर चर्चा हुई। इस मौके पर चार किन्नर संतों को महामंडलेश्वर ओर सात को श्री महंत की उपाधि दी गई। सभी का चांदी के शंख से दुग्धाभिषेक के बाद किन्नर अखाड़ा की आचार्य महामंडलेश्वर डॉ.लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पट्टाभिषेक की रस्म पूरी की। इसके बाद केसरिया शॉल ओढ़ाकर फूलों की वर्षा की गई। बैठक में किन्नर समाज को सनातन धर्म से जोड़ने और समाज में फैली भ्रांतियों को दूर करने पर जोर दिया गया। बैठक में अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष रविंद्र जी भी शामिल हुए। आयोजन में सूरत के दिलीपनंद गिरी, तेलंगाना के महाकालीनंद गिरी, राजस्थान के कामाख्यानंद गिरी सीतारमण और उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ गढ़ी मानिकपुर की रेखानंद गिरी को महामंडलेश्वर बनाया गया। वहीं गुजरात की नंदिनीनंद गिरी, महाराष्ट्र के अकोला से गणेशानंद गिरी, इंदौर की सुनहरी नंद गिरी, आकांक्षा नंद गिरी, गुंजन नंद गिरी, अलोपी नंद गिरी और खुशीनंद गिरी को श्रीमहंत बनाया गया।

सारण में जहरीली शराब पीने से 5 लोगों की मौत... मजदूर मिंटू की आंखों की रोशनी गई

-परेशान पत्नी का आरोप, जिले में खुलेआम बिक रही अवैध शराब

सारण (एजेंसी)। बिहार के सारण जिले के मसरख और पानापुर में जहरीली शराब कांड ने गंभीर रूप ले लिया है। घटना में अब तक पांच लोगों की मौत हो चुकी है और सात अन्य लोग अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती हैं। छपरा सदर अस्पताल में पांच मरीज भर्ती हैं, जिनकी हालत गंभीर है। इसमें मिंटू नामक मजदूर भी शामिल हैं, जिन्होंने शराब पीने के बाद अपनी आंखों की रोशनी खो दी। मिंटू घर लौटते समय शराब का सेवन कर बैठे थे और थोड़ी देर में उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई। मिंटू की पत्नी, नीतू देवी, घटना से बहुत परेशान हैं। उन्होंने बिहार में लागू शराबबंदी पर सवाल उठाकर कहा कि गांव-गांव में लोग खुलेआम थैली में भरकर शराब बेच रहे हैं। उनका कहना है कि अवैध शराब की बिक्री आम लोगों की जान के लिए खतरा बन गई है। नीतू देवी प्रशासन से इस अवैध कारोबार पर सख्त कार्रवाई की मांग कर रही हैं। इस गंभीर मामले को देखकर सारण के एसपी ने अस्पताल में जाकर पीड़ितों और उनके परिजनों से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि घटना की गहन जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया है। पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है और छपरा में शराब माफिया के खिलाफ कार्रवाई तेज़ कर रही है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि दोषियों की पहचान कर उन्हें जल्द गिरफ्तार किया जाएगा। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है और लोग प्रशासन से अपेक्षा कर रहे हैं कि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। पुलिस अवैध शराब के स्रोत तक पहुँचने और दोषियों को सजा दिलाने में जुटी हुई है, ताकि आम जनता सुरक्षित रह सके और शराब माफिया पर प्रभावी नियंत्रण हो। इस प्रकार, जहरीली शराब कांड ने स्थानीय प्रशासन और समुदाय दोनों के लिए चेतावनी के रूप में काम किया है, और इससे अवैध शराब के खिलाफ सख्त कदम उठाने की जरूरत स्पष्ट हो गई है।

संभल के क्षेत्राधिकारी की भाषा को विरोधी दलों ने अपराधी या सड़क छाप गुंडे जैसी बताया

संभल (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के संभल जिला प्रशासन ने अलविदा जुमे की नमाज के दौरान सुरक्षा कड़े इंतेजाम किए थे। पुलिस ने सार्वजनिक सड़कों पर नमाज पढ़ने पर पूरी पाबंदी लगाई। क्षेत्राधिकारी कुलदीप कुमार ने पीस कमेटी की बैठक में चेतावनी दी कि अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर विरोध प्रदर्शन बर्दाश्त नहीं होगा। उन्होंने कहा कि यदि ईरान-इजरायल संघर्ष का असर भारत में कानून व्यवस्था पर पड़ा, तब पुलिस कड़ा कार्रवाई करेगी। नमाज केवल मस्जिद में होगी, सड़क पर आने वालों को जेल भेजा जाएगा। लेकिन सीओ कुमार के इस कड़े बयान पर सियासी प्रतिक्रियाएं भी आई हैं। कांग्रेस सांसद इमरान प्रतापगढ़ी ने सवाल उठाया कि क्या लोकतांत्रिक देश में वर्दीधारी की इस तरह की भाषा मान्य है। उन्होंने इस बयान को मौलिक अधिकारों का हनन बताया और यूपी पुलिस से अधिकारी को संविधान की प्रस्तावना याद दिलाने की मांग की। वहीं, एआईएमआईएम के प्रदेश अध्यक्ष शौकत अली ने कहा कि अधिकारी की भाषा अपराधी या सड़क छाप गुंडे जैसी लग रही है और इस बयान को मुसलमानों को डराने वाला और असंवैधानिक करार दिया।

एआई वकीलों के दिमाग और जजों की नैतिक जिम्मेदारी की जगह नहीं ले सकता: जस्टिस विक्रम नाथ

-एआई दुरुपयोग पर जताई चिंता

हैदराबाद (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस विक्रम नाथ ने कहा है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) वकीलों के प्रशिक्षित दिमाग और न्यायाधीशों की नैतिक जिम्मेदारी की जगह नहीं ले सकता। उन्होंने स्पष्ट किया कि तकनीक कानूनी कार्यों में सहायक हो सकती है, लेकिन न्यायिक निर्णय लेने की क्षमता अभी भी मानव विवेक और अनुभव पर ही निर्भर करती है।

तेलंगाना में आयोजित एक विधिक सम्मेलन को संबोधित करते हुए जस्टिस नाथ ने शनिवार को कहा कि यदि समझदारी से उपयोग किया जाए तो एआई समय बचाने और कानूनी कामकाज के कुछ पहलुओं को आसान बनाने में मददगार साबित हो सकता है। उन्होंने कहा कि तकनीक किसी नोट या दस्तावेज का प्रारूप तैयार करने में सहायक हो सकती है, लेकिन उसे कानून बनाने या अंतिम निर्णय लेने का अधिकार नहीं दिया जा सकता। जस्टिस नाथ ने कहा कि एआई के गलत इस्तेमाल की आशंका के कारण न्यायिक व्यवस्था को इससे पूरी तरह दूरी भी नहीं बनानी चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि एआई एक उपकरण है और इसे उपकरण की तरह ही इस्तेमाल किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि नई तकनीकों को संतुलित दृष्टिकोण के साथ अपनाने की आवश्यकता है।

उन्होंने यह भी बताया कि सुप्रीम कोर्ट में एआई से तैयार गलत सामग्री और नकली कानूनी संदर्भों (साइटेशन) के इस्तेमाल को लेकर चिंता व्यक्त की गई है। उनके अनुसार, गलत कानूनी संदर्भ केवल तकनीकी त्रुटि नहीं होते, बल्कि इससे न्यायिक प्रक्रिया की विश्वसनीयता पर भी प्रभाव पड़ता है। जस्टिस नाथ ने कहा कि एआई के दुरुपयोग के कारण इसे पूरी तरह त्याग देना भी उचित नहीं है। इसका सही समाधान है, जानकारी के साथ इसका उपयोग, नैतिक अनुशासन और पेशेवर मानकों का पालन। उन्होंने लोगों से अपील की कि एआई का इस्तेमाल सावधानीपूर्वक किया जाए और इसकी सीमाओं को समझा जाए।

सम्मेलन में सुप्रीम कोर्ट के जज जस्टिस सतीष चंद्र शर्मा और जस्टिस ए कुमार सिंह ने भी अपने विचार व्यक्त किए। जस्टिस नाथ ने कहा कि नई तकनीकें जहां कानूनी कार्यों को आसान बना सकती हैं, वहीं वे लापरवाही के नए रूप भी पैदा कर सकती हैं। एआई अपराध से निपटने में सहायक हो सकती है, लेकिन इसके साथ ही नए प्रकार के अपराधों की संभावना भी बढ़ सकती है। उन्होंने कहा कि तकनीक को केवल इसलिए अस्वीकार नहीं किया जाना चाहिए क्योंकि वह नई है, और केवल इसलिए स्वीकार भी नहीं किया जाना चाहिए क्योंकि वह तेज और कुशल है। तकनीक का उपयोग सिद्धांतों, जिम्मेदारी और कानूनी मूल्यों के अनुरूप होना चाहिए। जस्टिस नाथ ने अंत में कहा कि न्याय व्यवस्था का भविष्य केवल प्रक्रियाओं के डिजिटलीकरण से सुरक्षित नहीं होगा। इसके लिए जरूरी है कि तकनीक कानून के मूल सिद्धांतों से जुड़ी रहे। कानून का शासन तकनीक पर नहीं, बल्कि मजबूत संस्थाओं और ईमानदार लोगों पर निर्भर करता है।

170 दिन बाद जेल से बाहर आकर पत्नी के साथ रवाना हुए सोनम वांगचुक

जोधपुर (एजेंसी) लद्दाख के सामाजिक कार्यकर्ता और इंजीनियर सोनम वांगचुक पर शनिवार को नेशनल सिक्योरिटी एक्ट हटाने के बाद उन्हें जोधपुर सेंट्रल जेल से रिहा किया गया। केंद्र सरकार ने शनिवार को ही वांगचुक पर से नेशनल सिक्योरिटी एक्ट (एनएसए) हटाया था। इसके बाद उन्हें जेल से रिहा किया गया। जेल से वांगचुक को लेने उनकी पत्नी गीतांजलि आई थी। जोधपुर जेल में कागजी कार्रवाई पूरी होने के बाद दोनों साथ में बाहर निकले। जानकारी के अनुसार नेशनल सिक्योरिटी एक्ट हटाने के बाद शनिवार सुबह करीब 10 बजे वांगचुक की पत्नी गीतांजलि जोधपुर जेल पहुंची। इसके बाद कागजी कार्रवाई पूरी की। करीब एक-सवा बजे वांगचुक और उनकी पत्नी गीतांजलि एक निजी गाड़ी से जेल से निकले। सोनम के जोधपुर से फ्लाइट या ट्रेन या बाय रोड जाने के बारे में जेल प्रशासन ने चुप्पी साध रखी है। दरअसल, सोनम के अनशन के दौरान 24 सितंबर 2025 को लेह हिंसा हुई थी। दो दिन बाद 26 सितंबर को राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) के तहत वांगचुक को हिरासत में लिया था। इसके बाद उन्हें फौरन जोधपुर शिफ्ट किया था। 170 दिन से वे जोधपुर जेल में रहने के बाद शनिवार को बाहर निकले।

जाति देखकर इंटरव्यू में फेल करने के राहुल गांधी के बयान को डीयू ने किया खारिज

-कहा- राहुल पहले फैक्ट्स की जांच करें, एंट्रेंस एक्जाम से दिया जाता है प्रवेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कांशीराम जयंती पर हुए संविधान सम्मेलन में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने दिल्ली यूनिवर्सिटी में जाति देखकर इंटरव्यू में फेल करने का आरोप लगाया। राहुल ने कहा कि मैं दिल्ली यूनिवर्सिटी गया था। इंटरव्यू में बच्चों को निकालने का तरीका है। आपकी जाति क्या है भैया, आप इंटरव्यू में फेल। दिल्ली यूनिवर्सिटी ने राहुल के इस बयान को खारिज कर दिया है। यूनिवर्सिटी ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा- यूनिवर्सिटी क्यूट स्कोर के आधार पर एडमिशन देती है। कई ग्रेजुएशन-पोस्ट ग्रेजुएशन कोर्सेस के लिए इंटरव्यू जरूरी नहीं हैं। राहुल को बयान देने से पहले फैक्ट्स की जांच करना चाहिए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दिल्ली यूनिवर्सिटी ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि यदि राहुल गांधी का संकेत फैकल्टी रिक्रूटमेंट पर था, तो हाल के समय में सभी कैटेगरी में हजारों शिक्षकों की नियुक्तियां की गई हैं। डीयू ने राहुल गांधी के बयान पर आपत्ति जताते हुए कहा कि हम ऐसी टिप्पणियों का कड़ा विरोध करते हैं, क्योंकि वे विश्वविद्यालय में एक ऐसा माहौल बनाती हैं जो पढ़ाई-लिखाई के लिए अनुकूल नहीं होता।

बता दें राहुल गांधी ने शनिवार को कहा कि नरेंद्र मोदी साइकोलॉजिकली खत्म हो गए हैं। मोदी अब भारत के पीएम नहीं रहे, वे अमेरिका के लिए काम कर रहे हैं और नरेंदर ने सरेंडर कर दिया है। जब मैं यह बात संसद में बोलने जा रहा था तो नरेंद्र मोदी भाग कर निकल गए। उन्होंने कहा- नरेंद्र मोदी ने देश की एनर्जी सिक्योरिटी से समझौता कर लिया है। क्योंकि अब अमेरिका तय कर रहा है कि हम तेल कहां से लेंगे? एनर्जी सेक्टर के हालात अभी और खराब होंगे। रिपोर्ट के मुताबिक राहुल गांधी ने कहा कि कांशीराम समाज में बराबरी की बात करते थे। अगर जवाहर लाल नेहरू जिंदा होते तो कांशीराम कांग्रेस के सीएम होते, लेकिन आज बीजेपी ने समाज को 15 और 85 बांट दिया है। फायदा सिर्फ 15फीसदी वालों को मिल रहा है। 50फीसदी को अलग-अलग कर दिया गया। कार्यक्रम में राहुल गांधी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर भी निशाना साधते हुए कहा कि संगठन के ढांचे में पिछड़े वर्गों का प्रतिनिधित्व कम है।

तमिलनाडु विधानसभा चुनाव पूर्व दो नई पार्टियों का उदय, शशिकला ने गठबंधन के संकेत दिए

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। राज्य विधानसभा का कार्यकाल 10 मई 2026 को समाप्त हो रहा है। आमतौर पर चुनाव आयोग कार्यकाल खत्म होने से 4 से 6 सप्ताह पहले मतदान कराता है, ऐसे में संभावना जताई जा रही है कि चुनाव अप्रैल के दूसरे सप्ताह में कराए जा सकते हैं। इस बीच राज्य की राजनीति में दो नई पार्टियों के उतरने से चुनावी मुकाबला और दिलचस्प हो गया है।

पहली नई पार्टी अभिनेता थलपति विजय की तमिझगा वेत्रि कषगम (टीवीके) है, जिसने राज्य की सभी 234 विधानसभा सीटों पर उम्मीदवार उतारने का ऐलान किया है। वहीं दूसरी नई पार्टी पूर्व मुख्यमंत्री जे जयललिता की करीबी और एआईएडीएमके से निष्कासित नेता वीके शशिकला ने बनाई है। उनकी पार्टी का नाम ऑल इंडिया पुरच्चि थलैवर मक्कल मुनेत्र कषगम (एआईपीटीएमएमके) रखा गया है।

शशिकला अकेले नहीं लड़ेंगी चुनाव

शशिकला ने 13 मार्च को अपनी नई पार्टी के गठन की घोषणा की। पार्टी का चुनाव चिन्ह नारियल का पेड़ रखा गया है। पार्टी के झंडे पर तमिलनाडु के प्रमुख नेताओं अन्नादुरै, एम.जी. रामचंद्रन और जयललिता की तस्वीरें लगाई गई हैं। शशिकला ने कहा कि उनकी पार्टी 40 सीटों पर चुनाव लड़ेगी और समान विचारधारा वाली पार्टियों के साथ गठबंधन करेगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि पार्टी अकेले चुनाव नहीं लड़ेगी।

विजय का एनडीए गठबंधन में शामिल होने से इंकार

उधर विजय की पार्टी टीवीके ने शनिवार को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के साथ किसी भी संभावित गठबंधन से इनकार कर दिया। पार्टी के संयुक्त महासचिव निर्मल कुमार ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी उनकी पार्टी की वैचारिक प्रतिद्वंद्वी है और एनडीए के साथ चुनावी समझौते की खबरें केवल मीडिया की अटकलें हैं।

कांग्रेस ने भी कसी कमर

इधर भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने भी तमिलनाडु चुनाव की तैयारियां तेज कर दी हैं। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने राज्य में कई समितियों के गठन के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इनमें के. सेल्वपेरुंथगई की अध्यक्षता में प्रदेश चुनाव समिति के अलावा अभियान समिति, चुनाव घोषणापत्र समिति तथा चुनाव प्रबंधन और समन्वय समिति शामिल हैं। कांग्रेस इस चुनाव में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (डीएमके) के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ रही है। सीट बंटवारे के तहत डीएमके ने कांग्रेस को 28 सीटें, मरुमलार्चि द्रविड़ मुनेत्र कषगम (एमडीएमके) को चार सीटें तथा इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग और मानिथनेया मक्कल काची को दो-दो सीटें दी हैं। बहरहाल नई पार्टियों की एंट्री और गठबंधन की संभावनाओं के बीच तमिलनाडु की राजनीति में चुनाव से पहले समीकरण तेजी से बदलते नजर आ रहे हैं।

इस्लाम में शादी एक कॉन्ट्रैक्ट है, धार्मिक संस्कार नहीं है

ओवैसी बोले- यूसीसी के नाम पर हिंदू कानून मुसलमानों पर लागू नहीं कर सकते

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने हाल में मुस्लिम महिलाओं के हक पर सुनवाई करते हुए कहा कि अब यूसीसी लागू करने का समय आ गया है। कोर्ट की इस टिप्पणी पर सियासी घमासान छिड़ गया है। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि यूनिफॉर्म सिविल कोड के नाम पर हिंदू कानून, मुसलमानों पर लागू नहीं कर सकते हैं। ओवैसी का एक वीडियो वायरल हुआ जिसमें उन्होंने कहा कि आप यूसीसी के नाम पर हिंदू कानून मुसलमानों पर लागू नहीं कर सकते हैं। निकाह हमारे के लिए धार्मिक संस्कार नहीं है, यह धर्म का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि जेंडर जस्टिस करने वाले जकिया जाफरी से मुलाकात नहीं करते हैं।

ओवैसी ने एक कार्यक्रम में कहा कि समान नागरिक संहिता (यूसीसी) की चर्चा एक बार फिर से शुरू हो गई है। उन्होंने कहा कि यूसीसी की बात करने वालों याद रखो कि इस्लाम में शादी एक कॉन्ट्रैक्ट है। जन्म-जन्म की बात नहीं है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट का जजमेंट है कि हिंदू धर्म में अगर पत्नी ने सास-ससुर की खातिरदारी नहीं की तो यह क्रूरता है, जबकि इस्लाम में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है। मां-बाप की जिम्मेदारी बेटे की है। ओवैसी ने सवाल उठाया कि क्या हिंदू मैरिज एक्ट आदिवासियों पर लागू होगा? ओवैसी ने कहा कि अगर हिंदू धर्म में किसी शख्स को अपनी बीवी को तलाक देना है तो उसे पहले बताना होता है कि क्रूरता हुई है। 5-10 साल लगातार मुकदमा चलता है।

ओवैसी ने कहा कि भारत के एक राज्य में सीएम हैं, जिनका अपनी पत्नी के साथ 10 सालों से तलाक का मुकदमा चल रहा है। पत्नी तलाक नहीं दे रही है। उन्होंने कहा कि आप यूसीसी के तहत हिंदू कानून, मुसलमानों पर लागू नहीं कर सकते। मुझे अपनी धर्म के मुताबिक चलना चाहिए। उन्होंने कहा कि जेंडर जस्टिस की बात करने वाले मुसलमान महिलाओं को आप पहले शिक्षा दीजिए, नौकरी दीजिए फिर जेंडर समानता पर बात कीजिए। जफिया जाफरी का नाम लेते हुए ओवैसी ने कहा कि जेंडर समानता की बात करने वाले जफिया जाफरी से मुलाकात नहीं करते हैं। उन बच्चों से मुलाकात नहीं करते जिन्हें दिल्ली में पुलिस ने मार दिया और अब यूसीसी की बात करते हैं, लव जिहाद की बात करते हैं।

बता दें सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा था कि यूसीसी लागू करने का समय आ गया है। अदालत ने 1937 के शरीयत कानून के कुछ प्रावधानों को रद्द करने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए यह टिप्पणी की थी। याचिका में शरीयत कानून के कुछ प्रावधानों के बारे में कहा गया है कि वह मुस्लिम महिलाओं के प्रति भेदभावपूर्ण है। कोर्ट ने कहा कि बेहतर होगा कि विधायिका बानी संसद ही इसका फैसला ले क्योंकि राज्य के नीति-निर्देशक सिद्धांतों के मुताबिक समान नागरिक संहिता लागू करने का अधिकार विधायिका के पास है।

अपनी मांगों को लेकर 27 मार्च को जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन करेंगे लोको पायलटों

नई दिल्ली (एजेंसी)। रेलवे के लोको पायलटों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर 27 मार्च को जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन करने का ऐलान किया है। लोको पायलटों का कहना है कि लंबे समय से उनकी समस्याओं का समाधान नहीं हो रहा है, इसकारण उनमें नाराजगी बढ़ती जा रही है। वे असुरक्षित इंफ्रास्ट्रक्चर, अत्यधिक प्रशासनिक दबाव, तनावपूर्ण कार्य वातावरण, लंबी ड्यूटी और किलोमीटर भत्ते में बढ़ोतरी न होने जैसी समस्याओं को लेकर आंदोलन करने वाले है। ऑल इंडिया लोको रनिंग स्टाफ एसोसिएशन (एआईएलआरएसए) के केंद्रीय उपाध्यक्ष राम शरण के अनुसार लोको पायलटों की कामकाजी परिस्थितियां लगातार कठिन होती जा रही हैं। उन्होंने बताया कि नियम के अनुसार लोको पायलटों की ड्यूटी नौ घंटे और एक घंटे की सीमा में होनी चाहिए, लेकिन अक्सर उन्हें इससे कहीं अधिक समय तक काम करना पड़ता है। जब ट्रेनें कई घंटे देरी से चलती हैं, तब ड्राइवरों की ड्यूटी और लंबी हो जाती है, जिससे उन पर मानसिक और शारीरिक दबाव बढ़ता है।

एक लोको पायलट ने बताया कि कई बार उन्हें लगातार छह से सात रातों तक नाइट ड्यूटी करनी पड़ती है, जबकि नियम के अनुसार केवल चार रातों की लगातार ड्यूटी की अनुमति है। लगातार रात की ड्यूटी से स्वास्थ्य पर गंभीर असर पड़ता है और मानसिक तनाव भी बढ़ता है। लोको पायलटों ने इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी पर भी चिंता जताई है। कई लोकोमोटिव इंजनों में अब भी वॉशरूम की सुविधा नहीं है, जिससे लंबी यात्राओं के दौरान ड्राइवरों को गंभीर परेशानी का सामना करना पड़ता है। विशेष रूप से महिला लोको पायलटों के लिए यह स्थिति और अधिक कठिन हो जाती है।

एआईएलआरएसए के अध्यक्ष राम राज भगत के अनुसार रेलवे में लोको रनिंग स्टाफ के लगभग 31 हजार पद खाली हैं, जिससे मौजूदा कर्मचारियों पर काम का बोझ बढ़ गया है। कर्मचारियों को कई बार केवल 14 घंटे के आराम के बाद ही ड्यूटी पर बुला लिया जाता है, जबकि नियम के अनुसार उन्हें 16 घंटे का आराम मिलना चाहिए। लोको पायलटों ने किलोमीटर भत्ते में 25 प्रतिशत वृद्धि की भी मांग की है। समस्याओं के समाधान न होने से परेशान होकर हाल ही में 70 से अधिक लोको पायलटों ने स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति की मांग भी की है। उनका कहना है कि खराब भोजन, रनिंग रूम की खराब स्थिति, असुरक्षित इंफ्रास्ट्रक्चर और अत्यधिक काम के कारण उनका स्वास्थ्य और पारिवारिक जीवन प्रभावित हो रहा है।

एलपीजी संकट: मंदिरों में प्रसाद बनाना बंद, शैक्षणिक संस्थानों में रोटियों की संख्या कर दी कम

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान, अमेरिका और इजरायल के बीच बढ़ते सैन्य तनाव ने भारत की रसोई और अर्थव्यवस्था पर गहरा आघात किया है। हालात इतने ज्यादा खराब है कि देश के प्रमुख शहरों के मेन्यू से खास व्यंजन गायब हो गए हैं। कोलकाता के रेस्तरां ने हांडी बिरयानी और मटन रेजाला जैसे ज्यादा गैस खपत वाले व्यंजन हटा दिए हैं। शैक्षणिक संस्थानों जैसे एनएलआईयू और आईआईएसईआर भोपाल के मेस में स्नैक्स बंद कर दिए गए हैं और खाना पकाने के लिए कोयले का सहारा लिया जा रहा है। गुजरात में कुछ होटलों ने रोटियों की संख्या आधी कर दी है, जबकि कोलकाता के देसून अस्पताल ने ईंधन बचाने के लिए केवल शाकाहारी भोजन परोसने का निर्णय लिया है।

वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला बाधित होने से देश भर में तरल पेट्रोलियम गैस की भारी कमी हो गई है। यह संकट अब केवल कीमतों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इसने आम आदमी के भोजन, रोजगार और दैनिक दिनचर्या को पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया है। गैस की किल्लत के चलते कालाबाजारी चरम पर है और देश के कई हिस्सों में व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद होने की कगार पर हैं। दक्षिण भारतीय राज्यों में स्थिति भयावह होती जा रही है। तमिलनाडु में घरेलू गैस सिलेंडर की भारी कालाबाजारी हो रही है, जहाँ 1,400 रुपये का सिलेंडर 2,800 रुपये तक में बिक रहा है। ईंधन की इस कमी के कारण केरल के 40 प्रतिशत और कर्नाटक के 30 प्रतिशत भोजनालय अस्थायी रूप से बंद हो गए हैं। औद्योगिक क्षेत्रों में भी हाहाकार है; नागपुर के हिंगना औद्योगिक एस्टेट के 70 प्रतिशत सूक्ष्म और लघु उद्योगों ने परिचालन में गंभीर बाधाओं की रिपोर्ट दी है। कई जगहों पर होटलों ने गैस की कमी का बहाना बनाकर मनमाने दाम वसूलना शुरू कर दिया है।

गैस संकट का असर अब श्रद्धा और परंपराओं पर भी दिख रहा है। सिकंदराबाद के ऐतिहासिक श्री गणेश मंदिर ने गैस की कमी के कारण अन्नदान और प्रसादम का वितरण रोक दिया है। चोरी की घटनाएं भी बढ़ रही हैं, जहाँ तिरुवनंतपुरम जैसे शहरों में होटलों से कमर्शियल सिलेंडर चुराए जा रहे हैं। पंजाब के बरनाला में गैस की कतार में लगे एक 60 वर्षीय बुजुर्ग की मौत ने इस संकट की गंभीरता को रेखांकित किया है। चेन्नई जैसे शहरों में चाय-कॉफी की कीमतों में भारी उछाल आया है क्योंकि कमर्शियल गैस की कीमतें 5,000 रुपये तक पहुंच गई हैं। शहरी इलाकों में अग्नि सुरक्षा नियमों के कारण लकड़ी का उपयोग संभव नहीं है, जिससे होटल व्यवसाय पूरी तरह ठप हो रहा है। इस बीच, कानपुर जैसे व्यापारिक केंद्रों में बिजली से चलने वाले इंडक्शन कुकटॉप की मांग में अभूतपूर्व तेजी देखी जा रही है।

प्रगतिशील पंजाब निवेशक सम्मेलन को भारी समर्थन मिला: मुख्यमंत्री मान

हनी ट्रैप की साजिश रचने वालों पर मुकदमा

मसूरी। थानाक्षेत्र के एक गांव में रहने वाली महिला ने अपने बेटे के खिलाफ फर्जी तरीके से दुष्कर्म का केस दर्ज कराने का आरोप लगाते हुए तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। पीड़िता का आरोप है कि उनके बेटे के खिलाफ साजिश करने वाले आरोपी हनी ट्रैप गिरोह चलाते हैं। एसीपी मसूरी लिपी नगायच ने बताया कि 65 वर्षीय महिला ने अपने ही गांव के नजीर, करीम व नौशाद के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। बताया कि उनका बेटा बी-फार्मा की पढ़ाई कर रहा है। आरोप है कि आरोपी हनी ट्रैप में लोगों को फंसाने का कार्य करते हैं। आरोपियों ने उनके बेटे को भी इसी तरह फंसाकर दुष्कर्म का झूठा मुकदमा दर्ज करा दिया। जबकि जिस मकान में दुष्कर्म किए जाने की बात बताई गई है, उस मकान में निर्माण कार्य चल रहा है। वहां निर्माण कार्य करने वाले लोगों ने इस प्रकार की किसी भी घटना के होने से इन्कार किया है। इतना ही नहीं जिस समय की घटना बताई गई है, उस दौरान उनका बेटा एक सीसीटीवी फुटेज में महज तीन मिनट के लिए दिखाई दिया है और उनके पीछे आरोपी एक लड़की के साथ जाते दिखाई दे रहे हैं। एसीपी ने बताया कि साक्ष्यों के आधार पर तीनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है, जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

पिता ने दो बेटों के साथ मिलकर तीसरे को पीटकर मार डाला

फरीदाबाद। आदर्श नगर थाना क्षेत्र के हरी विहार में धनीराम हलवाई ने अपने दो बेटों सुदामा और सूरज के साथ मिलकर तीसरे बेटे कृष्ण की पीट-पीटकर हत्या कर दी। इसके बाद शव को फंदे से लटकाकर पुलिस को आत्महत्या की सूचना दी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के बाद बीके अस्पताल में रखवा दिया। वहीं, जांच के दौरान पड़ोसियों ने बताया कि पिता और दोनों भाइयों ने ही युवक की हत्या की है। पुलिस ने तीनों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर लिया। जांच अधिकारी तुषाकांत शर्मा ने बताया कि धनीराम के तीनों बेटे मेहनत मजदूरी करते हैं। इनमें से कृष्ण शराब का आदी था। 15 सितंबर को कृष्ण ने शराब पी रखी थी। इसी बात का लेकर पिता धनीराम और दोनों बेटे सुदामा और सूरज ने उसके साथ मारपीट की। इसी दौरान कृष्ण की मौत हो गई। पुलिस ने बचने के लिए तीनों ने मिलकर उसे फंदे पर लटका दिया। फिर पुलिस को गुमराह करने का प्रयास किया। पुलिस ने आत्महत्या का मामला समझकर 17 सितंबर को शव का पोस्टमार्टम करवाया।

प्रथम पृष्ठ का शेष

उन्होंने 'गैंगस्टरवाद' को एक राष्ट्रीय मुद्दा बताया, जो देश की एकता, अखंडता और संप्रभुता के लिए गंभीर खतरा है और इसे रोकने में विफल रहने के लिए केंद्र सरकार की आलोचना की। नशों के मुद्दे पर मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय सीमा पार से तस्करी को रोकना मुख्य रूप से केंद्र की जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, सीमा पार से नशों की तस्करी रोकना केंद्र की जिम्मेदारी है, फिर भी हमारी सरकार इसे रोकने के लिए अपने फंडों से एंटी-ड्रोन सिस्टम स्थापित कर रही है। उन्होंने आगे कहा कि पंजाब सरकार ने केंद्र सरकार से कोई समर्थन न मिलने के बावजूद सीमा पार से तस्करी रोकने के लिए सीमा पर 550 किलोमीटर लंबी एंटी-ड्रोन तकनीक स्थापित की है। उन्होंने पंजाब के बाहर नशीले पदार्थों की बड़ी जब्ती के खिलाफ कार्रवाई न होने पर भी सवाल उठाया। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, गुजरात में लाखों टन नशीले पदार्थ जब्त किए जा रहे हैं, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की जाती, जबकि पंजाब ने नशों के खिलाफ देश का सबसे बड़ा अभियान शुरू किया है। उन्होंने कहा कि पूरा देश जानता है कि गुजरात के मुंद्रा बंदरगाह पर लगभग 3,000 किलो नशीला पदार्थ जब्त किया गया था, लेकिन दोषियों के खिलाफ कोई सार्थक कार्रवाई नहीं की गई है। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि पंजाब में फूट डालने वाली राजनीति कभी भी सफल नहीं होगी। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, पंजाब की मिट्टी उपजाऊ है, लेकिन भाजपा के धर्म और नफरत की राजनीति के बीज यहां कभी नहीं उगेंगे। राज्य में भाजपा की राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं पर व्यंग्य करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने टिप्पणी की, पंजाब में भाजपा %स्कूटर पार्टी% तक सीमित है, जो 2027 में कांग्रेस की मदद से सत्ता पर काबिज होने का सपना देख रही है। उन्होंने यह भी कहा कि अमित शाह का पंजाब दौरा लोगों के सामने आ रहे वास्तविक मुद्दों को हल करने में विफल रहा है। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, अमित शाह सिर्फ हमारे बारे में बुरा-भला कहने के लिए पंजाब आए थे और बिना कुछ किए चले गए। आगामी विधानसभा चुनावों के संबंध में भाजपा के दावों पर सवाल उठाते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि पार्टी के पास अकेले चुनाव लड़ने के लिए संगठनात्मक ताकत की कमी है। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, भाजपा पंजाब में अकेले चुनाव लड़ने के लिए 117 उम्मीदवार कहां से लाएगी? उन्होंने आगे कहा कि चूंकि भाजपा के पास राज्य में नेता नहीं हैं, इसलिए संभावना है कि वह चुनाव लड़ने के लिए दूसरी पार्टियों के नेताओं को शामिल करने की कोशिश करेगी। नशों का मुद्दा उठाते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने पूछा, गुजरात के एक बंदरगाह पर 3,000 किलो नशीला पदार्थ जब्त किया गया था, वहां कोई कार्रवाई क्यों नहीं की जा रही? उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार इतनी बड़ी जब्ती के बावजूद नशा तस्करों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने में विफल रही है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि पंजाब के लोग भाजपा की राजनीति फितरत से अच्छी तरह वाकिफ हैं। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, पंजाब, भाजपा को अच्छी तरह जानता है; पंजाब में नफरत की राजनीति के लिए कोई जगह नहीं है। उन्होंने याद दिलाया कि कैसे कृषि कानूनों के खिलाफ आंदोलन के दौरान पंजाब के किसानों को अपमानित किया गया था और उस संघर्ष के दौरान 700 से अधिक किसान शहीद हुए थे। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने पंजाब सरकार की उपलब्धियों पर भी प्रकाश डाला और कहा कि उसने पहले ही राज्य के युवाओं को 65,000 से अधिक सरकारी नौकरियां प्रदान की हैं, जबकि भाजपा का दो करोड़ नौकरियां देने का वादा अभी भी अधूरा है। उन्होंने यह भी टिप्पणी की कि वादे के मुताबिक 15 लाख रुपये कभी भी आम नागरिकों के बैंक खातों में नहीं आए। केंद्र सरकार की आलोचना करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि केंद्र सरकार ने आरडीएफ, जीएसटी, एनएचएम और अन्य फंडों में पंजाब के वैध हिस्से को रोक लिया है, जिससे राज्य के विकास पर असर पड़ रहा है। उन्होंने इसे पंजाब की प्रगति, शांति और खुशहाली को पटरी से उतारने की कोशिश बताया। उन्होंने यह भी कहा कि पंजाब सरकार ने किसानों के हित के लिए स्वामीनाथन आयोग की रिपोर्ट लागू करने की बार-बार सिफारिश की है, लेकिन केंद्र ने उस पर कोई कार्रवाई नहीं की है। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आगे चेतावनी दी कि प्रस्तावित भारत-अमेरिका समझौता किसानों पर बुरा प्रभाव डाल सकता है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि पंजाब भी उन्हीं स्रोतों से फंड उधार लेता है, जिनसे भाजपा शासित राज्य लेते हैं और इस उत्पादक ऋण का उपयोग लोगों को सेवाएं और सुविधाएं देने के लिए किया जाता है। उन्होंने टिप्पणी की कि पंजाब सरकार की लोक-कल्याणकारी नीतियों को भाजपा हजम नहीं कर पा रही है। केंद्र सरकार के बारे में मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि देश ऐसी स्थिति का सामना कर रहा है, जहां केंद्र सरकार के पास राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए स्पष्ट विदेश नीति का अभाव दिखता है। इस बीच प्रोग्रेसिव पंजाब निवेशक सम्मेलन के बारे में मुख्यमंत्री ने कहा कि इस आयोजन को उद्योगपतियों और निवेशकों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, प्रोग्रेसिव पंजाब निवेशक सम्मेलन को भारी समर्थन मिला है। उन्होंने आगे कहा कि इस सम्मेलन ने सहयोग और निवेश के लिए एक मजबूत मंच तैयार किया है।

ठगी करने वाले गिरोह का मास्टरमाइंड प्रेमिका सहित गिरफ्तार

नई दिल्ली। उत्तरी जिले की साइबर थाना पुलिस ने विदेश में नौकरी दिलाने के बहाने ठगी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ कर मास्टरमाइंड व उसकी प्रेमिका को गिरफ्तार किया है। यह गिरोह व्हाट्सएप के जरिए संपर्क कर लोगों को ऑस्ट्रेलिया और कनाडा सहित अन्य देशों में नौकरी दिलाने का झांसा देकर लाखों रुपये की ठगी करता था। जालसाज ठगी के लिए मलयेशिया और वियतनाम के मोबाइल नंबरों का इस्तेमाल कर रहे थे। पुलिस उपायुक्त राजा बांठिया ने बताया कि आरोपियों की पहचान उत्तर प्रदेश के एटा स्थित गांव नंगला गालू निवासी सहदेव सिंह और एटा के गांव पिलुआ उसकी प्रेमिका के रूप में हुई है। पुलिस ने इनसे 2 मोबाइल, 3 पासबुक, 3 चेकबुक, 2 डेबिट कार्ड, 5 भारतीय और 3 वियतनाम के सिम कार्ड्स बरामद किए हैं। पुलिस ने इनके बैंक खाते फ्रीज करा दिए और पीड़ित के 78,920 रुपये भी होल्ड करा दिए हैं। बुराड़ी निवासी धर्मेंद्र ने 6 सितंबर को पुलिस को शिकायत दी थी कि उन्होंने सिंगापुर से टूरिज्म मैनेजमेंट का कोर्स किया था। इसके बाद धर्मेंद्र ने एक व्हाट्सएप ग्रुप वर्क इंफॉर्मेशन के जरिए नौकरी की तलाश शुरू की। इसी ग्रुप में मयंक पांडे नाम के व्यक्ति ने उन्हें वियतनाम के रास्ते ऑस्ट्रेलिया में नौकरी दिलाने के लिए कहा। आरोपी ने पीड़ित से वियतनाम के वीजा के लिए 10 हजार रुपये ले लिए। पीड़ित वीजा मिलने पर वियतनाम पहुंचा। इसके बाद आरोपियों ने ऑस्ट्रेलियाई वीजा के लिए बैंक बैलेंस दिखाने का बहाना बनाकर पीड़ित से 3 हजार डालर यानि (करीब 3.12 लाख रुपये) की मांग की। पैसे ट्रांसफर होते ही आरोपियों ने धर्मेंद्र को ब्लॉक कर दिया। पुलिस ने केस दर्ज कर व्हाट्सएप चैट, जीपीएस लोकेशन और बैंक खातों की जांच की। पुलिस को जांच में आरोपियों की लोकेशन एटा की मिली। इसके बाद सहदेव सिंह व उसकी प्रेमिका को गिरफ्तार किया।

कभी मुंह में डाली नाल तो कभी कनपटी पर सटाया तमंचा

कन्नौज। उत्तर प्रदेश के कन्नौज जिले से हैरान करने वाली खबर सामने आई है। छिबरामऊ इलाके में सिरफिरे युवक ने शुक्रवार को अपनी पत्नी को बुलवाने के लिए उसके दो बच्चों को तमंचे के बल पर बंधक बना लिया। कभी खुद को तो कभी बच्चों को गोली मारने की धमकी देते हुए आठ घंटे तक पुलिस को छकाया। पुलिस ने किसी तरह बच्चों को मुक्त कराया। इसके बाद मुठभेड़ में युवक को गिरफ्तार कर लिया गया। सिरफिरे के फायर झोंकने से हाथ में गोली लगने से एसओजी प्रभारी भी घायल हो गए। तालग्राम क्षेत्र के ग्राम सलेमपुर निवासी दीपू चक ने छिबरामऊ निवासी महिला से चार माह पहले कोर्ट मैरिज की थी। महिला के पहले पति की मौत हो चुकी है। उसकी 13 साल की बेटी और आठ साल का बेटा नानी के घर में रहते हैं। कुछ दिन पहले महिला दीपू को छोड़कर कहीं चली गई। एएसपी अजय कुमार के अनुसार, शुक्रवार सुबह करीब 11¬30 बजे दीपू पत्नी की तलाश में उसके मायके पहुंचा। दीपू ने उसके दोनों बच्चों को कमरे में तमंचा सटाकर बंधक बना लिया। लोगों की सूचना पर 12¬30 बजे पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को समझाने लगी। मौका देखकर बेटी बाहर आ गई। एएसपी अजय कुमार दरवाजा खुलवाने के लिए घंटों दीपू से बात करते रहे लेकिन वह पत्नी को बुलवाने की जिद पर ही अड़ा रहा। एसओजी प्रभारी देवेश पाल टीम के साथ मौके पर पहुंचे। शाम करीब 7¬13 बजे एसओजी ने पत्नी को बुलवाने का आश्वासन दिया। इसके बाद बेटे को कमरे से बाहर निकलवाया। एसओजी प्रभारी दीपू को पकड़ने लगे तो उसने तमंचे से

फायर कर दिया। गोली एसओजी प्रभारी के हाथ को छूते हुए निकल गई। पुलिस की जवाबी फायरिंग में गोली दीपू के पैर में लगी। शाम करीब 7¬15 बजे पुलिस उसे गिरफ्तार कर सौ शैय्या अस्पताल में भर्ती कराया गया। एसपी विनोद कुमार ने बताया कि वीडियो कॉल से दीपू की पत्नी से बात कराई गई। इसके बाद युवक और आक्रोशित हो गया और उसने बच्चे के सिर पर तमंचा लगा दिया। पुलिस ने बच्चे को सुरक्षित बाहर निकाल लिया है। दीपू के पास से सात कारतूस बरामद हुए हैं। खुद की कनपटी पर तमंचा रखे दीपू और पास में ही मौत के खौफ की दहशत में बैठा मासूम सिसक रहा था। एएसपी व सीओ युवक के समझाने में जुटे थे। युवक ने बताया कि उसने चार माह पहले बच्चे की मां के साथ कन्नौज में कोर्ट मैरिज की थी। इसके बाद दोनों दिल्ली चले गए। वहां से महिला बिना बताए कहीं लापता हो गई। फोन भी बंद कर लिया। युवक बार-बार अफसरों को धमका रहा था कि महिला को मौके पर बुलाओ। उसके आने में चाहे कितना भी समय लग जाए। न तो खुद की कनपटी से तमंचा हटाएगा और न ही बच्चे को छो?गा। किशोरी और उसके को तमंचे की दम पर बंधक बनाने के बाद काफी देर तक दीपू कभी बच्चे की मुंह में तमंचे की नाल डालता तो कभी कनपटी पर लगाकर उनकी मां को बुलाने के लिए धमकाता। इस बीच किशोरी सूझबूझ दिखाते हुए फोन लाकर मां से बात कराने की बात कहकर कमरे से बाहर निकल गई। दूसरी तरफ भाई के मौत के मुंह में होने पर वह आसपास के लोगों से चीख-चीख कर उसे बचाने के लिए हाथ-पैर जो ?ती रही। करीब 7¬13 बजे सिरफिरे दीपू के चंगुल से छूटा आठ वर्षीय बच्चा इस कदर दहशत में था कि उसके मुंह से बोल नहीं निकल रहे थे। करीब आठ घंटे तक भूखे और प्यासे रहे बच्चे के लिए लोगों ने आनन-फानन भोजन और पानी की व्यवस्था की। उसकी आंखों के सामने मौत का मंजर घूम रहा था। किसी भी चीज को हाथ लगाने की हिम्मत नहीं जुटा पाया। पुलिस कर्मियों के साथ लोगों ने उसे ढांढ़स बंधाया।

विकास यादव पर शादी की झूठी तारीख बताने का आरोप

नई दिल्ली। हाईकोर्ट ने शुक्रवार को नीतीश कटारा हत्याकांड के दोषी विकास यादव के खिलाफ कथित तौर पर अपनी शादी की तारीख के बारे में झूठ बोलने के लिए झूठी गवाही (पर्जरी) की कार्यवाही शुरू करने की मांग पर सुनवाई की। कटारा की मां नीलम कटारा ने आरोप लगाया कि विकास ने अपनी शादी 5 सितंबर को होने का दावा किया, जबकि शादी जुलाई में हुई थी और उसने जमानत का लाभ लेने के लिए अदालत में झूठे सबूत पेश किए। न्यायमूर्ति रविंदर डुडेजा ने विकास यादव, जो हत्या के लिए 25 साल की सजा काट रहा है, से जवाब मांगा। अदालत ने दिल्ली पुलिस को नीलम के आवेदन और उनके द्वारा पेश की गई तस्वीरों की सामग्री की जांच कर स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया। मामले की अगली सुनवाई 9 दिसंबर को होगी। नीलम की ओर से वकील ने दलील दी कि विकास ने झूठी और मनगढ़ंत जानकारी दी और दो तस्वीरें पेश कीं, जो दर्शाती है कि उनकी शादी जुलाई में नोएडा के सेक्टर 74 में हुई थी। विकास के वकील ने दावा किया कि जुलाई की तस्वीरें उनकी सगाई समारोह की थीं और इसकी जानकारी सुप्रीम कोर्ट को भी दी गई थी। 9 सितंबर को हाईकोर्ट ने विकास की अंतरिम जमानत बढ़ाने की याचिका खारिज कर दी थी। विकास को अपनी बीमार मां की देखभाल के लिए सुप्रीम कोर्ट से अंतरिम जमानत मिली थी। उन्होंने हाल ही में शादी होने के आधार पर अंतरिम जमानत बढ़ाने की मांग की थी।

दिन में सिहरन महसूस कराएंगी ठंडी हवाएं, पारा होगा 8 डिग्री तक दर्ज

नई दिल्ली। पहाड़ों पर हो रही बर्फबारी से राजधानी में ठंडी हवाएं चल रही है। ऐसे में सोमवार को आसमान अधिकतर साफ रहेगा। सुबह के समय कुछ जगहों पर हल्का कोहरा रहेगा। इस दौरान अधिकतम और न्यूनतम तापमान 24 और 09 डिग्री सेल्सियस के आस-पास रहेगा। ऐसे में लोगों को सुबह-शाम ठंडक का अहसास होगा। साथ ही, दिन में ठंडी हवाएं लोगों को परेशान करेगी। इधर, रविवार को सुबह से ही मौसम में ठंडक बनी हुई थी। जैसे-जैसे दिन चढ़ता गया, वैसे-वैसे दिन में सूरज की गर्मी का हल्का अहसास हुआ। इसी बीच अधिकतम तापमान 24.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 1.2 डिग्री कम रहा। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, न्यूनतम तापमान 8.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया, जो मौसम के औसत से 2 डिग्री कम है। दिल्ली में अधिकतम आर्द्रता 100 प्रतिशत और न्यूनतम आर्द्रता 41 प्रतिशत रही। वहीं, रिज सबसे ठंडा इलाका रहा। यहां न्यूनतम पारा 8.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसके अलावा, लोधी रोड में 10, पालम में 8.6 और आया नगर में 9.7 न्यूनतम पारा दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार, 2 दिसंबर से लेकर 6 दिसंबर तक का मौसम पूर्वानुमान यह है कि 2 दिसंबर को दिन का तापमान 24-26 और रात का तापमान 10-12 डिग्री सेल्सियस रहेगा और हवाएं उत्तर-पश्चिम दिशा से 00-05 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से चलेंगी। इस दिन आसमान साफ रहेगा, हालांकि सुबह हल्का कोहरा हो सकता है। 3 दिसंबर को भी आसमान साफ रहेगा, तापमान 23-25 और 09-11 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। हल्का से मध्यम कोहरा सुबह हो सकता है। 4 दिसंबर को हल्के बादल छाए रहेंगे और तापमान 22-24 और 07-09 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा, जबकि सुबह हल्का से मध्यम कोहरा रहेगा। 5 दिसंबर को भी ज्यादातर साफ आसमान रहेगा, तापमान 22-24 और 07-09 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा और सुबह हल्का से मध्यम कोहरा हो सकता है। 6 दिसंबर को भी साफ आसमान और हल्के से मध्यम कोहरे की संभावना है, तापमान 23-25 और 08-10 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। इस दौरान हवाएं उत्तर-पश्चिम दिशा से 05-10 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से चलेंगी।

NAME CHANGE
I, ABDUL TAWWAB S/O Shri Abdul Rehman Resident of House No. C-16, Abhimanyu Gali, Near Babu Ram Chowk, Arjun Mohalla, Moujpur, Delhi-110053 have changed my name ABDUL TAUWAB to ABDUL TAWWAB for all future purposes.

NAME CHANGE
I, SIDDHARATH RANA S/O BHAGWAN RANA residing at H NO-1074, SIRASPUR, DELHI-110042 have changed my name to SIDDHARTH RANA for all future purpose.

NAME CHANGE
I Kapil Kumar Yadav S/o Dinesh Yadav R/o House No-523 P, Sector-14,Gurgaon,Haryana-122001, Have Changed My Name To Kapil Yadav For All Purpose

NAME CHANGE
I, Pradeep Kumar S/o Prem Chand R/o D-754/A, Gali No.1, Ashok Nagar, Shahdara, Delhi-110093 have changed the name of my minor son from Arjun to Arjun Vaidwan.

NAME CHANGE
I, Anupama D/o Pradeep Kumar R/o D-754/A, Gali No.1, Ashok Nagar, Shahdara, Delhi-110093 have changed my name to Anupama Chaudhary.

NAME CHANGE
I, VINOD KUMAR S/O UDAY SINGH residing at FLAT NO-G-3/8, NEAR DDA WATER TANK, SECTOR-4, ROHINI, DELHI-110085 have changed my name to VINOD KUMAR KUSHWAHA for all future purpose.

NAME CHANGE
I Manoj Ram S/o Ram Bilash Ram R/o Flat No-6, Tower-8,Hamelia Street,IRIS,Vatika City, Sector-49, Gurgaon, Haryana-122018, Have Changed My Name To Manoj Kumar For All Purpose

NAME CHANGE
I Taran Preet Singh Kochhar S/o Manpreet Singh Kochhar R/o 10C/80 SFS Flats Green View Appartment Mayapuri Road Hari Nagar West Delhi-110064 Have Change My Given Name Taranpreet Singh and Surname Kochhar for all purpose.

NAME CHANGE
I, DEEPAK KUMAR VERMA S/O PARTAP SINGH resident of H.No.16, Tara Nagar Main Kakrola Road, Kakrola, South West Delhi, Delhi-110078 have changed the name of my minor daughter SHREYA ALIAS SHREYA VERMA aged 13 years, and she shall hereafter be known as SHREYA VERMA.

NAME CHANGE
I hitherto known as SAMEERA SINGH D/O SUDHIR KUMAR SINGH residing at Flat No.E-1058, River Heights, Raj Nagar, Extension, Tower-15, Ghaziabad, U.P.-201001, have changed my name and shall hereafter be known as SAMEERA SINGH AMETHIA.

NAME CHANGE
I, Sushma D/O Shambu Prasad Dharmana W/O Vinod Kumar R/O B-6 Police Colony Mandir Marg New Delhi 110001 Have changed my name to Sushma Badola for all future purposes.

NAME CHANGE
I Swaran Kaur Sawhney W/o Prith Pal Singh R/o 10C/80 SFS Flats Green View Appartment Mayapuri Road Hari Nagar West Delhi-110064 Have Changed My Name to Swaran Kaur for all purpose.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, Rahul Vishwakarma S/o H.P. Vishvakarma R/o J-4, Ground Floor Gandhi Market, Mir Dard Road, Minto Road, Indraprastha, Central Delhi, Delhi-110002 declare that name of mine has been wrongly written as Rahul Kumar Vishvakarma in my minor daughter namely Anika Vishvakarma aged 5 years in his School Records. The actual name of mine is Rahul Vishwakarma.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that 1 INDU CHAUHAN W/O NARENDER SINGH CHAUHAN R/O N-129/1, T-HUTS, KHILONA BAGH DIST NORTH WEST DELHI-110009 declare that name of mine has been wrongly written as INDU KANWAR in my minor son namely HARSH VARDHAN SINGH CHAUHAN aged 13 years in his school record and birth certificate No. MCDOLIR - 2211-005020356. The actual name of mine is INDU CHAUHAN which may be amended accordingly

PUBLIC NOTICE
It is for general information that CHANDER VEER S/O RAM JI LAL R/O Q-157 Vikas Vihar Uttam Nagar West Delhi Delhi-110059 declare that name of mine has been wrongly written as CHANDER PAL in my minor daughter namely KIRTI aged 15 years in her birth certificate No.MCDOLIR-0110-004425168. The actual name of mine is CHANDER VEER which may be amended accordingly

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, BALJEET SINGH S/o GURCHARAN SINGH R/o 12/32, Geeta Colony, East Delhi-110031 declare that name of mine, my wife and my minor daughter has been wrongly written as BALJEET SINGH CHUGH, GURPREET KAUR CHUGH, JASLEEN KAUR CHUGH in my minor daughter JASLEEN KAUR aged 16 years in her 10th class Educational Documents. The actual name of mine, my wife and my minor daughter are BALJEET SINGH, GURPREET KAUR and JASLEEN KAUR respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, MOGHAL FATHIMA BAIG Wife of JC-335017L Rank-NB/SUB Name-MOGHAL MOHAMMAD BAIG Presently residing at 9-5-5, ANDHRA RATNA NAGAR, PERALA HIGH SCHOOL, PERALA, CHIRALA PRAKASAM DISTRICT, ANDHRA PRADESH-523157, have changed my name from MOGHAL FATHIMA BAIG to FATHIMA SHAIK for all future purposes vide Affidavit dated 16/07/2025 before First Class Magistrate, Shillong, Meghalaya.

NAME CHANGE
I Jugal Kishor S/o Lila Dhar R/o H.No-196 S/F, Kh.No-619/21, Chattar Pur, South Delhi, Delhi-110074 have changed the name of my minor daughter namely Krishna Devi aged 16 years and she shall hereafter be known as Priya.

NAME CHANGE
I hitherto known as Farman S/o Akeel Ahmed R/o B 272/27, Gali No 4, Subhash Mohalla North Ghonda, Garhi Mendu, Bhajan Pura, North East, Delhi-110053 have changed my name and shall hereafter be known as Farman Ahmed.

NAME CHANGE
I hitherto known as Atif S/o Manzoor Khan R/o 1/99-C, 4F/F, Gali No-5, Guru Harkrishan School Wali Gali, Kabir Nagar, Gokal Pur, North East Delhi, Delhi-110094 have changed my name and shall hereafter be known as Atif Khan.

NAME CHANGE
I hitherto known as Aakash S/o Makan Singh Rawat R/o 2087/5, Gali No.20, Prem Nagar Patel Nagar, Patel Nagar S.O, Central Delhi, Delhi-110008 have changed my name and shall hereafter be known as Akash Rawat.

NAME CHANGE
I hitherto known as Sanam Kumari W/o Samarjeet Gupta R/o E-400-D, Block-E, Ashok Nagar, Vasundhra Enclave, East Delhi, Delhi, Delhi-110096 have changed my name and shall hereafter be known as Sonam Sav.

NAME CHANGE
I hitherto known as Laxman Yadav alias Bhavikshan Yadav S/O Bechan Yadav R/O Gram Debra, Post Bela, Thana Babubarhi, Ward No-02, Bela, PO Bela, Dist Madhubani, Bihar-847224 have changed my name and shall hereafter be known as Bhavikshna Yadav.

NAME CHANGE
I Tajinder Kaur W/o Jaspreet Singh Baweja R/o 52/43 Ramjas Road Karol Bagh Delhi -110005 Have Changed My Name To Tajinder Kaur Baweja For All Purpose.

NAME CHANGE
I, NO-17007475L Rank-NK Name-JITENDRA GANGWAR S/O LATE NIRANJAN LAL GANGWAR R/O WARD NO-11, MOHALLA GYASPUR, NEAR BANGALI BABA MANDIR, BILASPUR, PILIBHIT, UTTAR PRADESH-262201 have changed my minor son's name from DAKSH GANGWAR to YASH GANGWAR for all future purposes vide Affidavit Dated 05/09/2023 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, NO-17007475L Rank-NK Name-JITENDRA GANGWAR S/O LATE NIRANJAN LAL GANGWAR R/O WARD NO-11, MOHALLA GYASPUR, NEAR BANGALI BABA MANDIR, BILASPUR, PILIBHIT, UTTAR PRADESH-262201 have changed my minor son's name from DAKSH GANGWAR to YASH GANGWAR for all future purposes vide Affidavit Dated 05/09/2023 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, ANITA BANSAL W/O PAWAN BANSAL residing at B-504, MAYURDHWAJ APARTMENT, I.P EXTN. EAST DELHI-110092 have Change my name to ANITA RANI BANSAL for all future purpose.

NAME CHANGE
I, SANJAY KUMAR CHOUDHARY S/o LATE SH. LAXMAN CHAUDHARY Permanent R/o Parsauni Khirodhar, Sitamarhi, Bihar-843325 and Presently Residing at Plot No. B-20, Second Floor, Dass Garden, Baprola Vihar, Najafgarh, New Delhi-110043. declare that name of mine has been wrongly written as SANJAY CHOUDHARY in my minor daughter namely SHIWANGI CHOUDHARY aged 17 years in her 10th class Marksheet. The actual name of mine is SANJAY KUMAR CHOUDHARY, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, VINOD KUMAR S/O UDAY SINGH residing at FLAT NO-G-3/8, NEAR DDA WATER TANK, SECTOR-4, ROHINI, DELHI-110085 have changed my name to VINOD KUMAR KUSHWAHA for all future purpose.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, NIDHI AGGARWAL YADAV D/o VIRENDER KUMAR AGGARWAL, and Ex. Wife of AMIT YADAV, R/o H.No E-12, Hauz Khas, South West Delhi-110016, declare that I got divorce from my Ex. Husband AMIT YADAV vide Court Decree HMA No. 603/2019 dated 30 - 04-2019, further I have changed my name and shall hereafter be known as NIDHI AGGARWAL. I also have changed the name of my minor Son namely AAYAN YADAV, aged 16 years and my minor daughter namely ARSHIYA YADAV, aged 13 years and they shall hereafter be known as AAYAN AGGARWAL and ARSHIYA AGGARWAL respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, Sansare Amrut Narayan father of No.4580889H Rank-Hav Name Sansare Ravindra Amrut residing at Vill. Deolali Pravara, Tehsil - Rahuri, District.Ahilyanagar, Maharashtra - 413716 have changed my name from Sansare Amrut Narayan to Amrut Narayan Sansare vide affidavit dated 15.07.2025 executed before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, hitherto known as ASHISH KUMAR RATHOR S/O PURAN LAL R/O Q-48, RAJEEV NAGAR BEGUM PUR, NORTH WEST DELHI, DELHI-110086, have changed my name and shall hereafter be known as RAZA AHMED.

NAME CHANGE
I, S VANITHA W/o No. 14838283N Rank-HAV/MT Name-RAMESH P R/o VILL-SEDRAMPUTTU, PO-SEDRAMPUTTU, TEH-POLUR, DIST-THRUVANNAMALAI, TAMIL NADU-632315, have changed my name from S VANITHA to VANITHA R for all future purposes vide Affidavit dated 15/07/2025 before Notary Public, Kupwara.

NAME CHANGE
I, SH AUTAR SINGH Father of JC-413677X Rank-SUB MAJ Name-BHAGAT SINGH presently residing at VILL-BILTIYA SUKOLI TALLI, PO-DHAUNTIYAL, DIST-PAURI GARHWAL, UTTARAKHAND-246155 have changed my name from SH AUTAR SINGH to AVTAR SINGH for all future purposes vide affidavit dated 12/03/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, NO-17007475L Rank-NK Name-JITENDRA GANGWAR S/O LATE NIRANJAN LAL GANGWAR R/O WARD NO-11, MOHALLA GYASPUR, NEAR BANGALI BABA MANDIR, BILASPUR, PILIBHIT, UTTAR PRADESH-262201 have changed my minor son's name from DAKSH GANGWAR to YASH GANGWAR for all future purposes vide Affidavit Dated 05/09/2023 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, BALJEET SINGH S/o GURCHARAN SINGH R/o 12/32, Geeta Colony, East Delhi-110031 declare that name of mine, my wife and my minor daughter has been wrongly written as BALJEET SINGH CHUGH, GURPREET KAUR CHUGH, JASLEEN KAUR CHUGH in my minor daughter JASLEEN KAUR aged 16 years in her 10th class Educational Documents. The actual name of mine, my wife and my minor daughter are BALJEET SINGH, GURPREET KAUR and JASLEEN KAUR respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, Kulsum w/o Rozuddin R/o B-17, Gali No.3A, Near Mohalla Dilshad Masjid, Old Mustafabad, Delhi-110094, have changed my name to Kulsoom for all future purposes.

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **अमित उर्फ पिस्तौल, पुत्र** राजेश, **निवासीः** मकान नं0-382, गली नं0-2, महल कॉलोनी, बंथला लोनी, गाजियाबाद, यूपी ने **FIR No. 1517/2018, U/S 411 IPC, पुलिस स्टेशन नंद नगरी, उत्तरी-पूर्व जिला, नई दिल्ली,** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किया गया गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **अमित उर्फ पिस्तौल** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **अमित उर्फ पिस्तौल** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 1517/2018, U/S 411 IPC, पुलिस स्टेशन नंद नगरी, उत्तरी-पूर्व जिला, नई दिल्ली,** के उक्त अभियुक्त **अमित उर्फ पिस्तौल** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **15.04.2026** को या इससे पहले हाज़िर हो।

आदेशानुसार
सुश्री दिपाक्षी राणा
जेएमएफसी प्रथम श्रेणी-03, प्रथम तल, शाहदरा जिला, कमरा संख्या 19, कड़कड़डूमा कोर्ट, नई दिल्ली

DP/3273/NE/2026 (Court Matter)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82 (2) (ii) Cr.P.C./84 BNSS देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **विकास जैन पुत्र स्व. सुशील कुमार जैन निवासी 9/2/4, जेएजे कॉलोनी, वैशाली, सेक्टर-9, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश** ने केस **एफआईआर नं. 109/2016, अन्तर्गत धारा 506/509 आईपीसी अधिनियम, थाना बाराखंबा रोड, नई दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **विकास जैन** मिल नहीं रहा/रही है, और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **विकास जैन** फरार हो गया/गयी है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा/रही है) इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि केस **एफआईआर नं. 109/2016, अन्तर्गत धारा 506/509 आईपीसी अधिनियम, थाना बाराखंबा रोड, नई दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **विकास जैन** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **14.04.2026** को या उससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
विजयश्री राठौर
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-05
कमरा नं. 13
पटियाला हाउस न्यायालय, नई दिल्ली

DP/3180/NDD/2026 (Court Matter)

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office: 5, Bahadurshah Zafar Marg ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

मेडिकल स्टोरों पर चेकिंग करने व जर्जर भवनों को गिराने की प्रक्रिया तेज करने के निर्देश

एजेंसी

कैथल। जिले में नशे की समस्या पर प्रभावी नियंत्रण के लिए प्रशासन ने सख्ती बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। लघु सचिवालय में एडीसी डॉ. सुशील कुमार की अध्यक्षता में नार्को को-ऑर्डिनेशन सेंटर (एनकॉर्ड) की समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें पुलिस, स्वास्थ्य, खेल व अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में नशा मुक्ति, प्रवर्तन और जन-जागरूकता से जुड़े विभिन्न पहलुओं की समीक्षा करते हुए 'स्टेट एक्शन प्लान' के तहत सख्त कदम उठाने के निर्देश दिए गए। बैठक में एडीसी डॉ. सुशील कुमार ने कहा कि सुरक्षा की दृष्टि से जर्जर और कंडम घोषित सरकारी भवनों को जल्द से जल्द ध्वस्त किया जाए। उन्होंने खेल विभाग और पंचायत विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि ऐसे खाली और जर्जर ढांचे अक्सर नशेड़ियों के ठिकाने बन जाते हैं, इसलिए इन असुरक्षित भवनों को गिराने की प्रक्रिया में तेजी लाई जाए। उन्होंने खेल विभाग को निर्देश दिए कि खिलाड़ियों पर विशेष निगरानी रखी जाए ताकि वे इंजेक्शन या स्टेरॉयड जैसे प्रतिबंधित पदार्थों का उपयोग न करें। इसके साथ ही अप्रैल महीने में ब्लॉक स्तर पर 16 से 20 वर्ष आयु वर्ग के खिलाड़ियों के लिए विशेष जागरूकता सेमिनार आयोजित करने के निर्देश भी दिए गए। बैठक के दौरान नशा मुक्ति केंद्रों के संचालन और रिकॉर्ड प्रबंधन की भी समीक्षा की गई। एडीसी ने निर्देश दिए कि नशा मुक्ति केंद्रों और मनोवैज्ञानिक ओपीडी में आने वाले सभी मरीजों का पूरा रिकॉर्ड रखा जाए।

योग और प्राकृतिक चिकित्सा स्वस्थ जीवनशैली के लिए अत्यंत प्रासंगिक : राज्य मंत्री वीरेंद्र

सोनीपत। हरियाणा खेल विश्वविद्यालय, राई और नवयोगा इंस्टीट्यूट ऑफ योगा एंड नेचुरोपैथी (सूर्योदय सेवा समिति) के संयुक्त तत्वावधान में स्वास्थ्य, ज्ञान और विश्व शांति के लिए योग तथा प्राकृतिक चिकित्सा विषय पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा सम्मेलन 2026 का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के बंसीलाल ऑडिटोरियम में किया गया। इसकी शुरुआत पारंपरिक दीप प्रज्वलन के साथ हुई। सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि उत्तराखंड हथकरघा बोर्ड के राज्य मंत्री वीरेंद्र सेमवाल ने कहा कि योग और प्राकृतिक चिकित्सा भारत की प्राचीन तथा समृद्ध परंपरा का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। आज के समय में स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए इनकी प्रासंगिकता और अधिक बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि यदि योग और प्राकृतिक चिकित्सा को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाया जाए तो इससे न केवल शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य बेहतर होता है, बल्कि समाज में सकारात्मकता और संतुलन भी स्थापित किया जा सकता है। मुख्य अतिथि ने कहा कि वर्तमान समय में जीवनशैली से जुड़ी बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं। ऐसे में योग और प्राकृतिक चिकित्सा लोगों को प्राकृतिक, सरल और प्रभावी स्वास्थ्य समाधान प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन ज्ञान के आदान-प्रदान का महत्वपूर्ण मंच बनते हैं, जिससे विश्व स्तर पर स्वास्थ्य, जागरूकता और शांति को बढ़ावा मिलता है।

रेडियो जगत में करियर और स्टार्टअप सोच पर विशेषज्ञों ने छात्राओं को किया प्रेरित

यमुनानगर। यमुनानगर के डीएवी गर्ल्स कॉलेज में इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल, पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग और सांझा रेडियो के संयुक्त तत्वावधान में रेडियो जॉकी के क्षेत्र में उद्यमी दृष्टिकोण और स्टार्टअप मानसिकता के विकास विषय पर एक विशेष विस्तार व्याख्यान आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सांझा रेडियो के चेयरमैन डॉ. मनमोहन सिंह, रेडियो जॉकी रंजीत कौर और गुरप्रीत कौर द्वारा मुख्य वक्ता के रूप में छात्राओं से संवाद किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कॉलेज की कार्यवाहक प्राचार्य डॉ. सुरिंद्र कौर ने की, जबकि आईआईसी संयोजक विवेक और पत्रकारिता एवं जनसंचार विभागाध्यक्ष परमेश कुमार भी मंच पर उपस्थित रहे। इस अवसर पर समाजसेवी मीनू चसवाल ने छात्राओं को संबोधित करते हुए उन्हें रचनात्मक क्षेत्रों में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। मुख्य वक्ता डॉ. मनमोहन सिंह ने कहा कि रेडियो केवल प्रस्तोता तक सीमित माध्यम नहीं है, बल्कि इसके साथ कई पेशेवर संभावनाएं जुड़ी हुई हैं। प्रोग्राम निर्माण, लेखन, ध्वनि संपादन और डिजिटल सामग्री निर्माण जैसे क्षेत्रों में युवाओं के लिए व्यापक अवसर उपलब्ध हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से अपनी रचनात्मक क्षमता और संचार कौशल को विकसित कर इस क्षेत्र में पहचान बनाने का आह्वान किया। रेडियो जॉकी रंजीत कौर ने प्रसारण के तकनीकी पहलुओं पर विस्तार से जानकारी दी।

जिले के सभी होटल-गेस्ट हाउस को मेहमानों का विवरण पोर्टल पर दर्ज करना अनिवार्य

यमुनानगर। जिले में कानून-व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने और संदिग्ध गतिविधियों पर प्रभावी निगरानी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से प्रशासन ने होटल, गेस्ट हाउस और अन्य आवासीय प्रतिष्ठानों के लिए नए निर्देश जारी किए हैं। जिलाधीश प्रीति ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 के तहत आदेश जारी करते हुए कहा है कि जिले में संचालित सभी होटल, लॉज, धर्मशाला, होमस्टे और अन्य ठहराव सुविधाओं को अपने यहां आने वाले प्रत्येक आगंतुक का पूरा विवरण ऑनलाइन पोर्टल पर अनिवार्य रूप से दर्ज करना होगा। प्रशासन के अनुसार यह पाया गया है कि कई प्रतिष्ठान पूर्व में दिए गए मौखिक और लिखित निर्देशों के बावजूद पोर्टल पर अपना पंजीकरण नहीं करा रहे हैं।

पंचकूला में 38वें वसंत उत्सव का भव्य आगाज

सीएम सैनी ने सूरजकुंड की तर्ज पर किया शुभारंभ

- 37 वर्षों में पहली बार सूरजकुंड मेले की तर्ज पर आयोजित हो रहा वसंत उत्सव।
- जनता के लिए खोला गया एशिया का सबसे बड़ा कैक्टस गार्डन।

एजेंसी

पंचकूला। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पंचकूला के सेक्टर-5 स्थित टाउन पार्क में तीन दिवसीय 38वें वसंत उत्सव का विधिवत शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री का स्वागत पारंपरिक पगड़ी बांधकर और ढोल-नगाड़ों की थाप के साथ किया गया। इस वर्ष का उत्सव बेहद खास है क्योंकि 37 वर्षों के इतिहास में पहली बार इसे अंतरराष्ट्रीय सूरजकुंड मेले की भव्यता और स्वरूप में आयोजित

किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने फूलों की प्रदर्शनी का बारीकी से अवलोकन किया और कट फ्लावर, ड्राई फ्लावर व फ्रेश फ्लावर सेक्शन में गहरी रुचि दिखाई। उन्होंने स्वयं सहायता समूहों के स्टॉलों पर जाकर उनके उत्पादों की सराहना की। जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वसंत उत्सव हमारी संस्कृति, प्रकृति प्रेम और सामाजिक समरसता का प्रतीक है। पंचकूला की प्राकृतिक सुंदरता ने इस आयोजन से आधुनिकता और परंपरा का एक नूठा संगम पेश किया है। इस अवसर पर एक और बड़ी सौगात देते हुए मुख्यमंत्री ने एशिया के सबसे बड़े कैक्टस गार्डन को जनता के लिए फिर से खोल दिया, जो रखरखाव के कारण पिछले एक साल से बंद था। उन्होंने कहा कि ऐसे

आयोजनों से न केवल पर्यटन को बढ़ावा मिलता है, बल्कि बच्चों और युवाओं में फेस पेंटिंग, रंगोली और क्विज जैसी प्रतियोगिताओं के माध्यम से रचनात्मकता भी विकसित होती है।ग्लोबल वार्मिंग पर चिंता व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने हरियाणा सरकार की हरित नीतियों का उल्लेख किया।इस अवसर पर एक और बड़ी सौगात देते हुए मुख्यमंत्री ने एशिया के सबसे बड़े कैक्टस गार्डन को जनता के लिए फिर से खोल दिया, जो रखरखाव के कारण पिछले एक साल से बंद था। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से न केवल पर्यटन को बढ़ावा मिलता है, उन्होंने बताया कि प्राणवायु देवता पेंशन योजना के तहत 75 वर्ष से अधिक पुराने पेड़ों के रखरखाव के लिए तीन हजार सालाना पेंशन दी जा रही है। अब तक 3,819 पेड़ों के लिए 2.05 करोड़ की राशि जारी की जा चुकी है। साथ ही प्रदेश में 20 ऑक्सीजन स्थापित किए गए हैं और गुरुग्राम में दुनिया की सबसे बड़ी जंगल सफारी विकसित की जा रही है। मुख्यमंत्री ने बताया कि बजट 2026-27 में पर्यावरण के लिए अनेक प्रावधान किए गए हैं। करनाल के हसनपुर में 50 करोड़ की लागत से डियर पार्क बनाया जाएगा। साथ ही, 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत बड़े पैमाने पर पौधारोपण किया जाएगा। कार्यक्रम में पीएमडीए के सीईओ के. मकरंद पांडुरंग ने स्वागत भाषण दिया। प्रसिद्ध शहनाई वादक पंडित लोकेश आनंद और 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' थीम पर विभिन्न राज्यों के कलाकारों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। इस अवसर पर पूर्व विधानसभा अध्यक्ष ज्ञानचंद गुप्ता, बंतो कटारिया और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

सफीदों फैक्टरी मामले में तीन आरोपित गिरफ्तार, मृतकों की संख्या हुई 10 : एसपी

एजेंसी

जींद। एसपी कुलदीप सिंह ने कहा कि सफीदों की गीता कालोनी में रंग फैक्टरी में हुई आगजनी के तीन आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस की रडार पर जिले के 50 ठिकाने हैं। मामले की जांच लगातार जारी है और पारदर्शिता बनाई रखी जा रही है। घटना के दिन ही मुकद्मा दर्ज कर लिया गया था। जिस स्थान पर यह हादसा हुआ था, उसके मालिक को गिरफ्तार किया गया है। इसके अलावा एफआईआर में नामजद दो अन्य आरोपितों को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक कुलदीप सिंह अपने कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कुछ अन्य संदिग्ध लोगों को हिरासत में लेकर उनसे पूछताछ की जा रही है। पुलिस को उम्मीद है कि अगले एक-दो दिनों में मामले में अन्य संभावित आरोपितों को भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा। मामले की निष्पक्ष और गहन जांच के लिए एसआईटी का गठन किया गया है। इस टीम का नेतृत्व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सोनाक्षी कर रही हैं। टीम में सफीदो के डीएसपी, संबंधित थाना प्रभारी तथा सीआईए इंचार्ज को भी शामिल किया गया है। उन्होंने बताया कि यह मामला आग लगने के साथ-साथ दम घुटने (सफोकेशन) से जुड़ा हुआ है। हादसे में अब तक 10 लोगों की मृत्यु हो चुकी है। पीड़ितों के न्यायिक बयान दर्ज कराने के लिए उन्हें पीजीआईएमएस में न्यायिक मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश करने का प्रयास किया गया लेकिन उस समय उनकी हालत बयान देने के लिए उपयुक्त नही थी। वहीं जो प्रत्यक्षदर्शी और अन्य घायल अब स्वस्थ होकर घर लौट चुके हैं, उनसे लगातार पूछताछ की जा रही है।

समन पर नहीं आए बॉलीवुड सिंगर-रैपर बादशाह तो भड़कीं रेनू भाटिया, एसपी को दिए गिरफ्तारी और पासपोर्ट जब्ती के आदेश

एजेंसी

चंडीगढ़। बॉलीवुड के मशहूर सिंगर और रैपर बादशाह की मुश्किलें एक बार फिर बढ़ती नजर आ रही हैं। हरियाणा महिला आयोग ने समन के बावजूद पेश न होने पर कड़ा रुख अपनाते हुए बादशाह की गिरफ्तारी और पासपोर्ट जब्त करने के आदेश जारी कर दिए हैं। आयोग ने स्पष्ट किया है कि आरोपी कलाकार को किसी भी सूरत में देश छोड़कर बाहर नहीं जाने दिया जाएगा।

वकीलों की दलील खारिज, तीन बजे तक का दिया था अल्टीमेटम

जानकारी के अनुसार, बादशाह को आयोग के समक्ष व्यक्तिगत रूप से पेश होना था। लेकिन उनकी जगह पेश हुए वकीलों ने 'प्रोफेशनल कमिटमेंट' और सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए आगे का समय मांगा। इस पर महिला आयोग की अध्यक्ष रेनू भाटिया मीटिंग में ही भड़क गईं। उन्होंने साफ चेतावनी दी कि यदि बादशाह दोपहर तीन बजे तक पेश नहीं होते हैं, तो उनके खिलाफ कड़ा एक्शन लिया जाएगा।

एसपी को दिए सख्त निर्देश: 'बेटियों के लिए अब लठ मारेगा आयोग'

समय सीमा समाप्त होने के बाद अध्यक्ष रेनू भाटिया ने पंचकूला और पानीपत के एसपी को

निर्देश दिए कि बादशाह को तुरंत गिरफ्तार किया जाए। साथ ही, जानकारी के अनुसार, बादशाह को आयोग के समक्ष व्यक्तिगत रूप से पेश होना था। लेकिन उनकी जगह पेश हुए वकीलों ने 'प्रोफेशनल कमिटमेंट' और सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए आगे का समय मांगा।उनका पासपोर्ट भी जब्त करने के आदेश दिए ताकि वे विदेश न भाग सकें। अध्यक्ष ने कड़े लहजे में कहा कि महिलाओं और बेटियों के सम्मान की रक्षा के लिए अब आयोग लठ मारने से भी पीछे नहीं हटेगा।

क्या है पूरा विवाद?

यह पूरा मामला 1 मार्च 2026 को रिलीज हुए बादशाह के 'टटीरी' गाने से जुड़ा है। आरोप है कि इस गाने के बोल और वीडियो शॉट्स महिलाओं के प्रति बेहद आपत्तिजनक हैं। भारी विरोध और महिला आयोग के दखल के बाद पंचकूला पुलिस ने इस गाने को यूट्यूब से पहले ही हटवा दिया था। हालांकि, बादशाह ने एक वीडियो जारी कर खुद को 'हरियाणा का बेटा' बताते हुए माफी भी मांगी थी, लेकिन आयोग ने इसे नाकाफी मानते हुए कानूनी शिकंजा कस दिया है।

प्रदेश में 3,819 पेड़ों के अभिरक्षकों को दी दो करोड़ पांच लाख पेंशन :नायब सैनी

-पंचकूला में तीन दिवसीय 38वें वसंत उत्सव का किया शुभारंभ

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पंचकूला में तीन दिवसीय 38वें वसंत उत्सव का शुभारंभ किया। इसके साथ ही, रखरखाव के लिए साल भर से बंद एशिया का सबसे बड़ा कैक्टस गार्डन भी जनता के लिए खोला गया है। मुख्यमंत्री ने वसंत उत्सव में फूलों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया और कट फ्लावर, ड्राई फ्लावर और फ्रेस फ्लावर सैक्शन में फूलों की विभिन्न किस्मों में गहरी रूचि दिखाई। उन्होंने स्वयं सहायता समूह द्वारा निर्मित विभिन्न उत्पादों के स्टॉलों का भी अवलोकन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि वसंत उत्सव हमारी संस्कृति, प्रकृति प्रेम व सामाजिक समरसता का जीवंत उत्सव है। यह उत्सव पूरे प्रदेश के लोगों के लिए आकर्षण का

केंद्र बना हुआ है। पंचकूला हरियाणा का एक आधुनिक और व्यवस्थित शहर है। यह नगर प्राकृतिक सुंदरता, स्वच्छ वातावरण और सुव्यवस्थित विकास का अद्भुत उदाहरण है। उन्होंने कहा कि इस उत्सव को आकर्षक बनाने के लिए पुष्प सज्जा, कट फ्लावर, रंगोली प्रतियोगिता, चित्रकला, पॉट पेंटिंग, फेस पेंटिंग और टैटू प्रतियोगिता, पर्यावरण क्विज, मेहंदी प्रतियोगिता एवं फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत विश्व का ऐसा देश है, जहां प्रकृति ने हमें अनेक ऋतुओं का वरदान दिया है। हर ऋतु अपने साथ एक नई अनुभूति और नई ऊर्जा लेकर आती है। हमारे देश की संस्कृति भी ऋतुओं के साथ गहराई से जुड़ी हुई है। इसलिए हर ऋतु के आगमन पर कोई न कोई पर्व या उत्सव मनाया जाता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पेड़ों के के लिए प्राणवायु देवता पेंशन योजना के तहत 75 साल से ऊपर के पेड़ों के रखरखाव के लिए 3 हजार रुपये सालाना पेंशन देने का प्रावधान किया हुआ है। अब तक 3,819 पेड़ों की पहचान करके उनके अभिरक्षकों को 2 करोड़ 5 लाख रुपये की राशि पेंशन के रूप में दी गई है। इनके अलावा 1,541 अतिरिक्त पेड़ों की पहचान की गई है।

हरियाणा में एलपीजी और ईंधन की आपूर्ति सामान्य फैलाने वालों पर होगी सख्ती: मुख्यमंत्री

एजेंसी

पंचकूला। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रदेशवासियों को आश्वस्त किया है कि राज्य में घरेलू एलपीजी गैस, पेट्रोल और डीजल की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य है। मिडिल ईस्ट के हालातों के कारण आपूर्ति बाधित होने की खबरों को उन्होंने निराधार और अफवाह बताया है। मुख्यमंत्री ने खाद्य एवं आपूर्ति विभाग और तेल कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर समीक्षा की। तेल कंपनियों ने स्पष्ट किया कि राज्य में ईंधन का पर्याप्त स्टॉक मौजूद है। मुख्यमंत्री ने सभी उपायुक्तों और पुलिस अधीक्षकों को निर्देश दिए हैं मुख्यमंत्री ने कहा कि कमर्शियल गैस की आपूर्ति में अस्पतालों और शिक्षण संस्थानों जैसी आवश्यक सेवाओं को प्राथमिकता दी जा रही है, जबकि घरेलू गैस की सप्लाई निर्बाध रूप से जारी है। मुख्यमंत्री ने सभी उपायुक्तों और पुलिस अधीक्षकों को निर्देश दिए हैं कि ईंधन की कालाबाजारी या जमाखोरी करने वालों के खिलाफ

तुरंत सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। उन्होंने जनता से अपील की कि वे किसी भी अफवाह पर ध्यान न दें और अनावश्यक भंडारण से बचें। सरकार हर घर तक गैस की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

सड़कों से दूर लगेंगे बिजली के पोल, जर्जर खंभों को तुरंत हटाने के मुख्यमंत्री ने दिए निर्देश

एजेंसी

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रदेश के विकास और जन-सुविधाओं को लेकर अधिकारियों को कड़े निर्देश जारी किए हैं। सिविल सचिवालय में आयोजित उच्च स्तरीय बैठक में मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि सरकार की प्राथमिकता आमजन के जीवन को सरल बनाना और संसाधनों का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित करना है। सड़कों के किनारे बिजली के खंभों के कारण होने वाली असुविधा और दुर्घटनाओं पर कड़ा रुख अपनाते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि बिजली निगम पक्की सड़कों से कम से कम तीन फीट की दूरी पर ही पोल लगाए। उन्होंने कहा कि पोलों की उचित दूरी सुनिश्चित की जाए ताकि वाहनों की आवाजाही सुचारू रहे और सड़क पर पर्याप्त जगह मिल सके।मुख्यमंत्री ने पीडब्ल्यूडी और बिजली निगम को आपसी तालमेल के साथ काम करने की सलाह दी। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सड़कों के किनारे लगे खराब, जर्जर या अनुपयोगी बिजली के खंभों को तुरंत हटाया जाए।सड़कों के किनारे बिजली के खंभों के कारण होने वाली असुविधा और दुर्घटनाओं पर कड़ा रुख अपनाते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि बिजली निगम पक्की सड़कों से कम से कम तीन फीट की दूरी पर ही पोल लगाए। उन्होंने कहा कि पोलों की उचित दूरी सुनिश्चित की जाए ताकि वाहनों की आवाजाही सुचारू रह उन्होंने सभी अनुपयोगी पोलों का

'स्टॉक रिकॉर्ड' तैयार करने के भी निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने पीडब्ल्यूडी और बिजली निगम को आपसी तालमेल के साथ काम करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि किसी भी योजना का वास्तविक लाभ जनता को तभी मिलता है जब वह समयबद्ध तरीके से जमीन पर उतरे। बैठक में पीडब्ल्यूडी मंत्री रणबीर सिंह गंगवा, मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी और मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव अरुण गुप्ता सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

शिक्षा बोर्ड चेयरमैन डॉ. पवन शर्मा का भव्य स्वागत सप्लीमेंट्री छात्रों के लिए की बड़ी घोषणा

एजेंसी

रेवाड़ी। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड, भिवानी के नवनियुक्त चेयरमैन डॉ. पवन शर्मा के दूसरी बार पदभार ग्रहण करने पर शिक्षा जगत में खुशी की लहर है। इस उपलक्ष्य में 'हरियाणा सेल्फ फाइनेंस प्राइवेट कॉलेज एसोसिएशन' के प्रदेश अध्यक्ष सतीश खोला ने उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया और उनके सफल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं। स्वागत समारोह के दौरान डॉ. पवन शर्मा ने एक महत्वपूर्ण छात्र-हितैषी घोषणा की। उन्होंने बताया कि बोर्ड अब ऐसी व्यवस्था कर रहा है कि यदि किसी विद्यार्थी की परीक्षा में सप्लीमेंट्री आती है, तो उसे एक माह के भीतर ही दोबारा परीक्षा देने का अवसर मिलेगा। पहले छात्रों को अगले साल या लंबे समय तक इंतजार करना पड़ता था, जिससे उनका पूरा शैक्षणिक वर्ष खराब हो जाता था। चेयरमैन ने कहा कि बोर्ड का मुख्य लक्ष्य शिक्षा की गुणवत्ता सुधारना और विद्यार्थियों को अधिक से अधिक अवसर प्रदान करना है। उन्होंने एसोसिएशन के पदाधिकारियों का आभार व्यक्त किया और भरोसा दिलाया कि भविष्य में शिक्षा से जुड़े हर महत्वपूर्ण विषय पर सकारात्मक कदम उठाए जाएंगे।

हिसार में हर घर से कचरा उठाने की सुविधा के बावजूद कुछ घर नहीं दे रहे कचरा

एजेंसी

हिसार। नगर निगम आयुक्त नीरज ने कहा है कि स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए नियमों का सख्ती से पालन कराया जाएगा। यदि शहर का कोई घर कचरे का सेग्रीगेशन नहीं करता पाया जाता है तो पहली बार 200 रुपये और दोबारा ऐसा करने पर 500 रुपये का चालान किया जाएगा। नगर निगम आयुक्त नीरज नगर निगम के मुख्य सभागार में डोर-टू-डोर के कार्यों बारे बैठक ले रहे थे। उन्होंने कहा कि लगभग तीन महीने पहले शहर के सभी वार्डों में डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण का कार्य शुरू किया गया था। तब से एचएसआई की टीम द्वारा शहर के प्रत्येक घर में कम से कम तीन बार जाकर लोगों को कचरे के सही तरीके से सेग्रीगेशन यानी गीले और सूखे कचरे को अलग-अलग रखने के बारे में जागरूक किया गया है। उन्होंने बताया कि कई घरों में लोग कचरे को अलग-अलग डस्टबिन में एकत्रित कर नगर निगम के वाहनों में भी अलग-अलग डाल रहे हैं, जो सराहनीय पहल है। निगमायुक्त के अनुसार कुछ घरों में अभी भी कचरे का सेग्रीगेशन नहीं किया जा रहा है और कई घर ऐसे भी हैं जो कचरा देने से बच रहे हैं। ऐसे घरों पर सख्ती बरती जाएगी। ऐसे में यदि कोई घर कचरे का सेग्रीगेशन नहीं

करता पाया जाता है तो पहली बार 200 रुपये और दोबारा ऐसा करने पर 500 रुपये का चालान किया जाएगा।

निगमायुक्त ने बैठक में स्पष्ट कहा कि यदि कोई व्यक्ति कचरा सड़क पर फेंकता पाया जाता है तो उसका 5000 रुपये का चालान किया जाएगा। चालान की राशि जमा न करने की स्थिति में इसे संबंधित घर के प्रॉपर्टी टैक्स में जोड़ दिया जाएगा। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि खुले में पशुओं को गीला कचरा डालने वालों के भी चालान किए जाएंगे। निगमायुक्त ने डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण का कार्य कर रही वी. वायस और करिणी कॉरपेशन एजेंसियों को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने क्षेत्रों की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करें। रिपोर्ट में यह भी बताया जाए कि कितने घरों से नियमित रूप से कचरा एकत्रित हो रहा है और कितने घर अभी इस व्यवस्था से नहीं जुड़े हैं। इसके साथ ही कचरा सेग्रीगेशन की स्थिति से संबंधित रिपोर्ट भी प्रस्तुत करने के निर्देशदिए गए। उन्होंने कहा कि एजेंसियों द्वारा प्रस्तुत की गई रिपोर्ट का सत्यापन एएसआई द्वारा किया जाएगा। इसके बाद सीएसआई और एएसआई की टीम नियम अनुसार चालान किए जाएंगे, ताकि शहर में स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाया जा सके।

हरियाणा में हर महीने 10 तारीख को जारी होंगी सब्सिडी और पेंशन

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के तहत दी जाने वाली सब्सिडी, पेंशन तथा अन्य वित्तीय सहायता के वितरण को सुचारू बनाने के मकसद से बड़ा निर्णय लिया है। अब ये सभी लाभ हर महीने की 10 तारीख को डायरेक्ट बैंक ट्रांसफर (डीबीटी) प्रणाली के माध्यम से सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में जारी किए जाएंगे। इसके लिए हर महीने हरियाणा निवास, चंडीगढ़ में एक औपचारिक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम के दौरान सक्षम प्राधिकारी द्वारा एक ही कमांड या बटन दबाकर लाभार्थियों के खातों में राशि जारी की जाएगी।इस संबंध में मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी द्वारा जारी एक पत्र के अनुसार, सभी प्रशासनिक सचिवों, विभागाध्यक्षों, बोर्ड एवं निगमों के प्रबंध निदेशकों व मुख्य प्रशासकों, मंडलायुक्तों तथा उपायुक्तों को इन निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है। पत्र में कहा गया है कि विभिन्न सरकारी योजनाओं के तहत दी जाने वाली सभी सब्सिडी, पेंशन और वित्तीय सहायता, जिनमें बोर्ड और निगमों द्वारा संचालित योजनाएं भी शामिल हैं, अब हर महीने एक निर्धारित तिथि को सीधे पात्र लाभार्थियों के बैंक खातों में स्थानांतरित की जाएंगी।

इस कदम का उद्देश्य कल्याणकारी लाभों का समयबद्ध और पारदर्शी वितरण सुनिश्चित करना है। संबंधित विभागों को निर्देश दिए गए हैं कि वे आवश्यक डेटा समय पर उपलब्ध कराएं और सभी औपचारिकताएं निर्धारित समय में पूरी करें, ताकि धनराशि के हस्तांतरण में किसी प्रकार की देरी न हो। साथ ही सरकार ने सभी कार्यान्वयन एजेंसियों और अधिकारियों से इन निर्देशों को संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाकर इनका सख्त अनुपालन सुनिश्चित करने को कहा है।

राधाकिशन दमानी ने टाटा मोटर्स पैसेंजर के 16 लाख शेयर बेचे

- बिक्री से दमानी को कुल 52 करोड़ रुपये की राशि प्राप्त हुई

नई दिल्ली । देश के मशहूर निवेशक राधाकिशन दमानी ने टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड के 16 लाख शेयर ब्लॉक डील के जरिए बेचे। इस बिक्री से दमानी को कुल 52 करोड़ रुपये की राशि प्राप्त हुई। प्रत्येक शेयर की कीमत 325 रुपये रही। निवेशकों और बाजार विशेषज्ञों के अनुसार यह बिक्री ऐसे समय में हुई है जब कंपनी के शेयर लगातार संघर्ष कर रहे हैं। शुक्रवार को बीएसई में टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स के शेयर 3.13 प्रतिशत गिरकर 314.30 रुपये पर बंद हुए। दिन के दौरान शेयर का न्यूनतम भाव 308.65 रुपये तक पहुंचा। पिछले महीने में शेयरों में 17 प्रतिशत की गिरावट आई है, जबकि एक साल में कुल 22 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। दो साल की अवधि में यह शेयर लगभग 47 प्रतिशत गिर चुका है। कंपनी का 52-सप्ताह हाई 459.67 रुपये और लो 308.65 रुपये है। वर्तमान में कंपनी का मार्केट कैप 1.15 लाख करोड़ रुपये के करीब है। टाटा मोटर्स ने हाल ही में डिमर्जर किया है। इसके तहत पैसेंजर व्हीकल्स का काम अब टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड संभाल रही है, जबकि कॉमर्शियल व्हीकल्स का काम टाटा मोटर्स लिमिटेड के नाम से अलग सूचीबद्ध कंपनी संभाल रही है। यह विभाजन शेयर बाजार में अलग-अलग व्यापारिक गतिविधियों और वित्तीय प्रदर्शन

को दर्शाने में मदद करता है। विश्लेषकों के अनुसार, दमानी की यह बिक्री बाजार में दबाव और शेयर के हालिया संघर्ष के बीच हुई है। निवेशकों को सलाह दी जा रही है कि वे कंपनी के दीर्घकालीन प्रदर्शन और डिमर्जर के प्रभाव को ध्यान में रखते हुए निवेश निर्णय लें।

पश्चिम एशिया संघर्ष का भारत की अर्थव्यवस्था पर सीमित असरः अर्थशास्त्री

कच्चे तेल की कीमतें लंबे समय तक ऊंचे स्तर पर रहने पर अर्थव्यवस्था के लिए बढ़ सकता है जोखिम

नई दिल्ली । पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच अर्थशास्त्रियों का मानना है कि यदि यह संघर्ष कम समय तक चलता है तो भारत की व्यापक आर्थिक स्थिति पर इसका असर सीमित रहेगा। ऐसे हालात में भारतीय` रिजर्व बैंक (आरबीआई) अपनी मौद्रिक नीति में बदलाव किए बिना नीतिगत दरों को लंबे समय तक स्थिर रख सकता है। हालांकि कच्चे तेल की कीमतें लंबे समय तक ऊंचे स्तर पर रहने पर अर्थव्यवस्था के लिए जोखिम बढ़ सकता है। पिछले महीने जब इजरायल और यूनाइटेड स्टेट के साथ इरान का संघर्ष बढ़ा, तो कच्चे तेल की कीमतें अचानक 120 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गईं। हालांकि बाद में इसमें गिरावट आई और कीमतें करीब 100 डॉलर प्रति बैरल पर आ गईं। युद्ध से पहले यह स्तर 75 डॉलर प्रति बैरल से भी नीचे था। ईरान ने महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग स्ट्रेट आफ होर्मुज को बंद करने की धमकी दी है। भारत के लिए यह मार्ग बेहद अहम है क्योंकि देश के कुल तेल आयात का लगभग 46 प्रतिशत और एलएनजी आयात का करीब 54 प्रतिशत इसी रास्ते से आता है। अर्थशास्त्रियों के अनुसार यदि कच्चे तेल की कीमतें 90 से 110 डॉलर प्रति बैरल के दायरे में लंबे समय तक बनी रहती हैं, तो भारत का चालू खाता घाटा बढ़कर सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 2.5 प्रतिशत तक पहुंच सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि तेल की कीमतों में वृद्धि अस्थायी रहती है और सरकार पेट्रोल-डीजल की कीमतों को नियंत्रित रखती है, तो महंगाई पर सीमित असर पड़ेगा। ऐसे परिदृश्य में वित्त वर्ष 2027 में खुदरा महंगाई का औसत लगभग 4.1 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

पश्चिम एशिया में संघर्ष के बाद एटीएफ कीमतों में तेज उछाल

एयरलाइंस अपने किराये में कर सकता है बढ़ोतरी

नई दिल्ली ।

पश्चिम एशिया में 28 फरवरी को संघर्ष शुरू होने के बाद भारत में विमानन ईंधन (एटीएफ) की कीमतों में तेज बढ़ोतरी दर्ज की गई है। विमानन उद्योग का कहना है कि जेट ईंधन की कीमतें कच्चे तेल की तुलना में कहीं अधिक तेजी से बढ़ी हैं, जिससे एयरलाइनों की लागत पर बड़ा दबाव पड़ा है। उद्योग अधिकारियों के अनुसार भारतीय रिफाइनरियों का जेट फ्यूल पर मार्जिन काफी बढ़ गया है, जबकि कच्चे तेल को एटीएफ में बदलने की वास्तविक लागत में कोई बड़ा बदलाव नहीं आया है। एयरलाइनों के परिचालन खर्च में एटीएफ का हिस्सा लगभग 40 प्रतिशत होता है। ऐसे में ईंधन की कीमतों में तेज वृद्धि का सीधा असर हवाई किरायों पर पड़ा है। कई एयरलाइनों को यात्रियों से अतिरिक्त फ्यूल सरचार्ज वसूलने के लिए मजबूर होना पड़ा है। एयरलाइन अधिकारियों का कहना है कि भारत में एटीएफ की कीमतें 'मीन ऑफ प्लैट्स अरब गल्फ' (मोपैग) बेंचमार्क के आधार पर तय होती हैं, जिसे एसएंडपी ग्लोबल प्लेट प्रतिदिन जारी करती है। यह बेंचमार्क खाड़ी क्षेत्र की प्रमुख रिफाइनरियों जुबैल, रास तनुरा, रुवैस, मीना अल-अहमदी और सिट्रा में जेट फ्यूल की स्पॉट कीमतों के औसत पर आधारित होता है। 28 फरवरी को इरान पर यूनाइटेड स्टेट और इजरायल के सैन्य हमलों के बाद क्षेत्र की कई रिफाइनरियां या तो बंद हो गईं या उन्होंने उत्पादन कम कर दिया। इससे अंतरराष्ट्रीय बाजार में जेट फ्यूल की कीमतों में तेजी आई। भारत में एयरलाइनों को एटीएफ मुख्य रूप से इं डियल आयल कारपोरशन, भारत पेट्रो लियम कारपोरशन लिमिटेड और हिंदुस्तान पेट्रो लियम कारपोरेशन लिमिटेड जैसी घरेलू रिफाइनरियों से मिलता है।

एयरलाइन उद्योग का कहना है कि भारत को एटीएफ मूल्य निर्धारण के लिए मोपैग से अलग होकर कच्चे तेल की कीमत और निश्चित रिफाइनिंग मार्जिन मॉडल अपनाना चाहिए, जिससे कीमतों में अनावश्यक उतार-चढ़ाव कम हो सके।

हुंडई आई 20 की बिक्री में 61 प्रतिशत की बढ़ोतरी

नई दिल्ली ।

फरवरी 2026 में बिक्री के मामले में हुंडई आई 20 ने शानदार प्रदर्शन किया है। फरवरी 2026 के बिक्री आंकड़ों के मुताबिक यह मॉडल वाइज सेल्स लिस्ट में चौथे स्थान पर रही। इस दौरान कंपनी को इस कार के लिए कुल 5,852 नए ग्राहक मिले। अगर पिछले साल फरवरी 2025 से तुलना करें तो उस समय इसकी केवल 3,627 यूनिट्स ही बिकी थीं। इस तरह एक साल के भीतर इसकी बिक्री में करीब 61 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। बढ़ती मांग से साफ है कि भारतीय ग्राहक इस कार के डिजाइन, फीचर्स और कीमत के संतुलन को काफी पसंद कर रहे हैं। फीचर्स की बात करें तो हयूदै आई20 अपने सेगमेंट में आधुनिक तकनीक और सुविधाओं के लिए जानी जाती है। कार में 10.25 इंच का टचस्क्रीन इन्फोटेनमेंट सिस्टम दिया गया है, जो स्मार्ट कनेक्टिविटी फीचर्स के साथ आता है। इसके अलावा डिजिटल ड्राइवर डिस्प्ले भी मिलता है, जिससे ड्राइविंग के दौरान जरूरी जानकारी आसानी से देखी जा सकती है। सुविधा के लिए इसमें वायरलेस फोन चार्जिंग की सुविधा भी दी गई है। सुरक्षा के लिहाज से भी कंपनी ने इस कार में कई अहम फीचर्स शामिल

किए हैं। इसमें 6 एयरबैग, रियर पार्किंग कैमरा और टायर प्रेशर मॉनिटरिंग सिस्टम दिए गए हैं, जो ड्राइविंग को अधिक सुरक्षित बनाते हैं। भारतीय बाजार में इसका मुकाबला मुख्य रूप से मारुति सुजुकी बलेनो और मारुति सुजुकी स्वीफट जैसी कारों से माना जाता है। पावरट्रेन की बात करें तो इसमें 1.2 लीटर का पेट्रोल इंजन दिया गया है, जो अधिकतम 83 बीएचपी की पावर और 115 एनएम का टॉर्क पैदा करता है। इसे 5-स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स और सीवीटी ऑटोमेटिक ट्रांसमिशन के विकल्प के साथ पेश किया गया है, जिससे ग्राहक अपनी जरूरत के अनुसार विकल्प चुन सकते हैं। बता दें कि भारतीय ऑटोमोबाइल बाजार में बीते कुछ समय से हैचबैक कारों की मांग एक बार फिर तेज होती नजर आ रही है। खासकर प्रीमियम हैचबैक सेगमेंट में ग्राहकों की दिलचस्पी लगातार बढ़ रही है। इस कार ने सालाना आधार पर उल्लेखनीय बढ़ोतरी दर्ज की है और डिमांड के मामले में कई लोकप्रिय मॉडलों को कड़ी टक्कर दी है।

सालाना टोल पास की कीमत 1 अप्रैल से बढ़ी, अब देना होगा 3,075 रुपए

- पास का लाभ लेने के लिए वाहन में एक्टिव फास्टेग होना अनिवार्य

मुंबई । नेशनल हाईवे पर नियमित यात्रा करने वाले निजी वाहनों के लिए सालाना टोल पास की कीमत में मामूली बढ़ोतरी की गई है। नेशनल हाइवे अथो रिटी आफ इं डिया (एनएचएआई) ने घोषणा की है कि 1 अप्रैल 2026 से यह पास 3,000 की बजाय 3,075 में उपलब्ध होगा। सालाना टोल पास एक साल या 200 बार टोल पार करने तक मान्य रहेगा, जो भी पहले हो। इसका मतलब है कि अगर कोई वाहन एक साल पूरा होने से पहले ही 200 बार टोल पार कर लेता है, तो पास की वैधता समाप्त हो जाएगी। इस पास का लाभ लेने के लिए वाहन में एक्टिव फास्टेग होना अनिवार्य है। बिना फास्टेग के यह सुविधा उपलब्ध नहीं होगी। सालाना टोल पास के लिए वाहन मालिक एनएचएआई या अपने फास्टेग जारी करने वाले बैंक या ऐप पोर्टल पर लॉग-इन कर सकते हैं। आवेदन करने के बाद 3,075 फीसदी ऑनलाइन भुगतान करना होगा। सफल भुगतान के बाद यह पास सीधे आपके फास्टेग से लिंक हो जाएगा और टोल प्लाजा पर अतिरिक्त भुगतान किए बिना इस्तेमाल किया जा सकेगा। सरकार के अनुसार टोल दरों की सालाना समीक्षा होती है। इस प्रक्रिया के तहत इस बार मामूली बढ़ोतरी की

गई है। हालांकि, जो लोग अक्सर नेशनल हाईवे पर सफर करते हैं, उनके लिए सालाना टोल पास अब भी सुविधाजनक और फायदेमंद विकल्प माना जाता है। इससे बार-बार टोल भुगतान की झंझट कम होती है और यात्रा तेज़ और आसान बनती है।

वोडाफोन आइडिया में निवेशकों की बढ़ती दिलचस्पी, सरकार खोज रही रणनीतिक पार्टनर

नई दिल्ली। सिंगापुर की एसटी टेलीमी डिया और भारत की जेएसडब्ल्यू ग्रुप वोडाफोन आइडिया में हिस्सेदारी खरीदने की योजना बना रही हैं। इसके अलावा, अमेरिकी कंपनी टिलमेन ग्लोबल हो ल्डिंग भी निवेश के लिए दौड़ में शामिल है। घरेलू स्तर पर कई अन्य कंपनियां भी कंपनी में निवेश करने की संभावना पर विचार कर रही हैं। वोडाफोन आइडिया में सरकार के पास सबसे बड़ी हिस्सेदारी है, जो कुल 49 फीसदी है। सरकार एक ऐसे रणनीतिक निवेशक की तलाश में है जो 11-13 फीसदी हिस्सेदारी के लिए 1 बिलियन डॉलर का निवेश करे और कंपनी के संचालन में सक्रिय योगदान दे। कंपनी के प्रमोटर्स आदित्य बिरला ग्रुप के पास 9.50 फीसदी और वोडाफोन ग्रुप यूके के पास 16.07 फीसदी हिस्सेदारी है। 16 और 17 मार्च को वोडाफोन आइडिया सिंगापुर और हॉन्ग-कॉन्ग में इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स से मिलने जा रही है। निवेशकों ने कंपनी में हिस्सेदारी खरीदने को लेकर गंभीरता दिखाई है, लेकिन अभी यह प्रक्रिया प्रारंभिक दौर में है। हाल ही में वोडाफोन आइडिया का शेयर 9.26 रुपये पर बंद हुआ, जो 3.34 फीसदी की गिरावट को दर्शाता है। पिछले 6 महीनों में इसके शेयरों का भाव 20 फीसदी बढ़ा जबकि पिछले एक साल में 33 फीसदी की वृद्धि हुई है।

क्रिप्टो मार्केट में तेजी, बिटकाइन 72,000 डॉलर की ओर

मुंबई । ग्लोबल क्रिप्टोकरेंसी मार्केट में तेज़ी का माहौल बना हुआ है। दुनिया की सबसे बड़ी डिजिटल करेंसी बिटकाइन 72,000 डॉलर के स्तर की ओर बढ़ रही है। स्काट बेसेंट के हालिया बयान और निवेशकों का भरोसा बढ़ने से खरीदारी तेज हुई है। अमेरिकी ट्रेजरी के बयान ने महंगाई को नियंत्रित रखने का संकेत दिया। कच्चे तेल की कीमतों में 2 डॉलर प्रति बैरल की गिरावट से निवेशकों का आत्मविश्वास बढ़ा, जिससे जोखिम भरे निवेश विकल्पों, विशेषकर बिटकाइन में तेजी देखी गई। इथी रियम 4.3 फीसदी, बीएनबी, एक्सआरपी और सोलोना 5 फीसदी से अधिक बढ़े। अमेरिकी स्पॉट बिटकाइन ईटीएफ में 11-13 मार्च भारी निवेश हुआ, जो संस्थागत निवेशकों की बढ़ती दिलचस्पी दर्शाता है। निवेशक फेडरल रिजर्व की बैठक और पीपीआई डेटा पर नजर बनाए हुए हैं।

भारत-यूके मुक्त व्यापार समझौता अप्रैल से लागू होने की संभावना

भारत के 99 प्रतिशत निर्यात पर ब्रिटिश बाजार में कोई शुल्क नहीं लगेगा

नई दिल्ली।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत और ब्रिटेन के बीच मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) इस साल मध्य अप्रैल 2026 से लागू होने की संभावना है। यह समझौता पिछले साल 24 जुलाई 2025 को दोनों देशों द्वारा हस्ताक्षरित व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौता (सीईटीए) पर आधारित है। इस समझौते के तहत भारत के 99 प्रतिशत निर्यात पर ब्रिटिश बाजार में कोई शुल्क नहीं लगेगा। वहीं, ब्रिटेन के कुछ उत्पादों जैसे कार और व्हिस्की पर भारत में लागू शुल्क कम कर दिए जाएंगे जिससे दोनों देशों के बीच व्यापार में वृद्धि की संभावना है। एफटीए को लागू करने के लिए ब्रिटिश संसद की मंजूरी अनिवार्य है। भारत में इसे लागू करने के लिए केंद्रीय मंत्रिमंडल मंजूरी ली जाती है। मंजूरी मिलने के बाद इसे आपसी सहमति वाली तारीख से लागू किया जाएगा। गोयल ने कहा कि यह समझौता ब्रिटेन की संसद में सबसे तेजी से मंजूरी पाने वाला एफटीए होगा। उन्होंने बताया कि सामान्यतः ऐसे समझौते लागू होने में लगभग डेढ़ साल का समय लगता है। लेकिन इस मामले में, समझौते पर ई 2025 हस्ताक्षर हुए थे और इसे ले एक महीने में किया जाने की संभावना है। शेषज्ञों का कहना है कि यह समझौता भारत और ब्रिटेन के बीच व्यापारिक संबंधों को और मजबूती देगा। भारतीय निर्यातकों के लिए यह अवसर होगा कि वे ब्रिटिश बाजार में स्पर्धात्मक लाभ के साथ अपने उत्पाद पहुंचा सकें। वहीं, ब्रिटेन को भी भारतीय बाजार में उत्पादों पर शुल्क में छूट मिलने से व्यापारिक अवसर बढ़ेंगे।

पश्चिम एशिया तनाव और एफआईआई की बिकवाली ने भारतीय शेयर बाजार में डाला दबाव

बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी दोनों में ही पांच फीसदी से अधिक की गिरावट रही

मुंबई ।

बीते सप्ताह भारतीय शेयर बाजार ने चार साल में अपनी सबसे बड़ी साप्ताहिक गिरावट दर्ज की। बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी दोनों ही पांच फीसदी से अधिक की गिरावट के साथ बंद हुए। इस सप्ताह के दौरान निवेशकों की जोखिम उठाने की क्षमता कमजोर रही, रुपये में कमजोरी जारी रही, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की बिकवाली लगातार देखी गई और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों ने बाजार पर दबाव डाला। केवल मंगलवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयान से थोड़ी राहत देखने को मिली, जब उन्होंने संकेत दिया कि अमेरिका और ईरान के बीच चल रहा संघर्ष जल्द समाप्त हो सकता है। सप्ताह की शुरुआत सोमवार को सेंसेक्स 77,566.16 अंक पर बंद हुआ, जिसमें 1,352.74 अंक की गिरावट देखी गई। निफ्टी 24,028.05 अंक पर बंद हुआ, जो 422.40 अंक कम था। पश्चिम एशिया में तनाव और कमजोर वैश्विक संकेतों के कारण निवेशक बेचने के मूड में थे। मंगलवार को बाजार में सुधार देखा गया। सेंसेक्स 78,205.98 अंक और निफ्टी 24,261.60 अंक पर बंद हुए। अमेरिकी बयान और डॉलर के मुकाबले रुपया 92.14 तक मजबूत होने से बाजार को थोड़ी राहत मिली। बुधवार को बाजार फिर लाल निशान में बंद हुआ। सेंसेक्स 76,863.71 अंक और निफ्टी 23,866.85 अंक पर आ गए। ब्लू-चिप बैंक शेयरों में बिकवाली और विदेशी निधियों की निरंतर निकासी मुख्य कारण रहे। गुरुवार को कच्चे तेल की कीमतों

में तेज उछाल और कमजोर वैश्विक रुझानों के चलते सेंसेक्स 76,034.42 अंक और निफ्टी 23,639.15 अंक पर गिर गया। सप्ताह का सबसे बड़ा नुकसान शुक्रवार को दर्ज हुआ। सेंसेक्स 74,563.92 अंक पर बंद हुआ, जिसमें 1,470.50 अंक की गिरावट रही, जबकि निफ्टी 23,151.10 अंक पर पहुंच गया। इस दिन बाजार में पश्चिम एशिया तनाव, लगातार बिकवाली और निवेशकों के डर ने प्रमुख भूमिका निभाई।

बीते सप्ताह स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया का मार्केट कैपिटल सबसे अधिक प्रभावित हुआ। इसके अलावा लार्सन एंड टूब्रो, एचडीएफसी बैंक और बजाज फाइनेंस भी दबाव में रहे।

ट्राई का प्रस्ताव, स्पैम कॉल करने वालों के फोन कनेक्शन होंगे कट

नई दिल्ली । भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने एक मसौदा प्रस्ताव जारी किया है, जिसके तहत परेशान करने या धोखाधड़ी करने वाले कॉल और संदेश करने वाली संस्थाओं के फोन कनेक्शन काटे जा सकेंगे। ट्राई के अनुसार यदि दूरसंचार सेवा प्रदाता की कृत्रिम मेधा (एआई) आधारित स्पैम चेतावनी सेवा किसी नंबर को संदिग्ध पाती है, तो ग्राहक की शिकायत के बिना भी उस नंबर पर कार्रवाई की जाएगी। यह प्रस्ताव दूरसंचार वाणिज्यिक संचार ग्राहक वरीयता (तीसरा संशोधन) विनियम, 2026 में शामिल है। उल्लंघनकर्ता से जुड़े सभी फोन कनेक्शन ब्लॉक किए जा सकते हैं, भले ही उनका उपयोग केवल स्पैम कॉल या संदेश के लिए न किया गया हो। ट्राई ने कहा है कि जिस ऑपरेटर के नेटवर्क पर संदिग्ध कॉल आती हैं, उसे दो घंटे के भीतर कॉलर का विवरण साझा करना होगा। इस प्रक्रिया में स्पैम मैपिंग के लिए ब्लॉकचेन तकनीक का उपयोग किया जाएगा।

यूपी और उत्तराखंड में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में गिरावट

देश के कई शहरों में पेट्रोल और डीजल के भाव में बदलाव हुआ

नई दिल्ली । अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव के चलते देश के कई शहरों में पेट्रोल और डीजल के रेट में बदलाव देखने को मिला। उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर जिले में पेट्रोल 26 पैसे सस्ता होकर 94.90 रुपए प्रति लीटर और डीजल 30 पैसे घटकर 88.01 रुपए प्रति लीटर पर बिक रहा है। वहीं उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में पेट्रोल 26 पैसे गिरकर 93.43 रुपए और डीजल 31 पैसे घटकर 88.33 रुपए प्रति लीटर पर आया। बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में वृद्धि दर्ज की गई। पेट्रोल 35 पैसे बढ़कर 105.58 रुपए प्रति लीटर और डीजल 33 पैसे चढ़कर 91.82 रुपए प्रति लीटर हो गया। देश के चार प्रमुख महानगरों में आज पेट्रोल-डीजल की कीमतें इस प्रकार हैं- दिल्ली में पेट्रोल 94.77 रुपए, डीजल 87.67 रुपए, मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपए, डीजल 89.97 रुपए, कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपए, डीजल 91.76 रुपए और चेन्नई में पेट्रोल 101.03 रुपए, डीजल 92.61 रुपए प्रे ति` लिटर` मिल रहा है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट 2026 में ऐलान किया कि अब बायोगैस मिक्स सीएनजी पर केंद्रीय उत्पाद शुल्क (सेंट्रल एक्साइज ड्यूटी) का कैलकुलेशन करते समय बायोगैस के पूरे प्राइस को बाहर रखा जाएगा। इससे बायोगैस वाली सीएनजी सस्ती होगी और टैक्स का बोझ कम होगा। यह बदलाव पर्यावरण के लिए भी लाभकारी माना जा रहा है क्योंकि बायोगैस खेतों के कचरे, फसल वेस्ट और कूड़े से तैयार किया जाता है और इसे रेगुलर सीएनजी में मिलाकर कम कार्बन वाला फ्यूल बनाया जाता है।

नकदी की तंगी ने बदल दिया निवेश का खेल, सोना भी नहीं बचा

- 12 दिनों में चांदी 43,000, सोने में 12,000 रुपये की गिरावट

नई दिल्ली ।

दुनियाभर में बढ़ते आर्थिक और राजनीतिक संकट के बावजूद सोने की कीमतें लगातार गिर रही हैं। आमतौर पर संकट के समय निवेशक सुरक्षित निवेश के लिए सोने की ओर भागते हैं, लेकिन इस बार कहानी उलटी है। शेयर बाजार में भारी गिरावट और निवेशकों के नुकसान ने उनके पास नकदी की कमी पैदा कर दी है। इस स्थिति में निवेशक अपने पास जमा सोना बेच रहे हैं, जिससे कीमतें नीचे आ रही हैं। मार्च की शुरुआत में सोना एमसीएक्स पर लगभग 1.70 लाख प्रति 10 ग्राम था। केवल 12 दिनों में यह गिरकर 1.57 लाख रुपए तक आ गया। चांदी की स्थिति और भी बुरी है। जो चांदी 2 मार्च को 2.97 लाख प्रति किलो थी, वह अब 2.54 लाख के करीब बिक रही है। निवेशकों के लिए यह 12 दिनों में प्रति किलो 43 हजार रुपए से ज्यादा का नुकसान है। भारतीय बाजार ही नहीं, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी कीमती धातुओं की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई। शुक्रवार को सोना और चांदी दोनों ही 1-4 फीसदी तक टूटकर बंद हुए। विशेषज्ञ मानते हैं कि जब तक शेयर बाजार में स्थिरता नहीं आती और निवेशकों का डर खत्म नहीं

होता, सोने और चांदी में उतार-चढ़ाव जारी रहेगा। वर्तमान में बाजार पैनिक सेलिंग के दौर से गुजर रहा है, जहां सुरक्षित निवेश से ज्यादा नकदी बचाना प्राथमिकता बन गई है।

टाटा मोटर्स को परिवहन निगमों से पांच हजार बसों के ऑर्डर मिले

मुंबई । टाटा मोटर्स ने घोषणा की कि उसे देश के कई राज्य परिवहन निगमों से 5000 से अधिक बसों और चेसिस की आपूर्ति के अनुबंध मिले हैं। इन ऑर्डरों में टाटा मोटर्स के प्रमुख यात्री परिवहन समाधान शामिल हैं, जैसे मगना, सिटीराइड, स्टारबस प्राइम और अन्य मॉडल, जो शहर और राज्य परिवहन दोनों के लिए उपयुक्त हैं। नए ऑर्डर महाराष्ट्र, गुजरात, बिहार, राजस्थान, केरल, हरियाणा और तेलंगाना के राज्य परिवहन निगमों से मिले हैं। इसके अलावा पश्चिमोत्तर कर्नाटक सड़क परिवहन निगम और चंडीगढ़ परिवहन अन्डरटेकिंग ने भी ऑर्डर दिए हैं। यह टाटा मोटर्स के लिए सार्वजनिक परिवहन क्षेत्र में अपनी उपस्थिति मजबूत करने का एक बड़ा कदम है और देशभर में यात्री सेवाओं के विस्तार में योगदान देगा।

जागरूक उपभोक्ता ही है सुरक्षित बाजार की नींव

योगेश कुमार गोयल

विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस उपभोक्ताओं को उनकी शक्तियों और अधिकारों के बारे में जागरूक करने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। उपभोक्ता आन्दोलन की नींव सबसे पहले 15 मार्च 1962 को अमेरिका में रखी गई थी और 15 मार्च 1983 से यह दिवस इसी दिन निरन्तर मनाया जा रहा है। भारत में उपभोक्ता आन्दोलन की शुरूआत मुम्बई में वर्ष 1966 में हुई थी। तत्पश्चात पुणे में वर्ष 1974 में ग्राहक पंचायत की स्थापना के बाद कई राज्यों में उपभोक्ता कल्याण के लिए संस्थाओं का गठन किया गया।

जमाखोरी, कालाबाजारी, मिलावट, नाप-तोल में गड़बड़ी, मनमाने दाम वसूलना, बगैर मानक वस्तुओं की बिक्री, ठगी, सामान की बिक्री के बाद गारंटी अथवा वारंटी के बावजूद सेवा प्रदान नहीं करना इत्यादि समस्याओं से ग्राहकों का सामना अक्सर होता रहता है। ऐसी ही समस्याओं से उन्हें निजात दिलाने और अपने अधिकारों के प्रति जागरूक करने के लिए प्रतिवर्ष 15 मार्च को विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष यह दिवस ह्यसुरक्षित उत्पाद, आश्वस्त उपभोक्ताह्न विषय के साथ मनाया जा रहा है। यह वैश्विक पहल उत्पाद सुरक्षा, उपभोक्ता जागरूकता और मजबूत नियमों की आवश्यकता पर जोर देती है।

विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस उपभोक्ताओं को उनकी शक्तियों और अधिकारों के बारे में जागरूक करने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। उपभोक्ता आन्दोलन की नींव सबसे पहले 15 मार्च 1962 को अमेरिका में रखी गई थी और 15 मार्च 1983 से यह दिवस इसी दिन निरन्तर मनाया जा रहा है। भारत में उपभोक्ता आन्दोलन की शुरूआत मुम्बई में वर्ष 1966 में हुई थी। तत्पश्चात पुणे में वर्ष 1974 में ग्राहक पंचायत की स्थापना के बाद कई राज्यों में उपभोक्ता कल्याण के लिए संस्थाओं का गठन किया गया। इस प्रकार उपभोक्ता हितों के संरक्षण की दिशा में यह आन्दोलन आगे बढ़ता गया। वैसे बाजार में उपभोक्ताओं का शोषण होना कोई नई बात नहीं है बल्कि उपभोक्ताओं के शोषण की जड़ें आज बहुत गहरी हो चुकी हैं। उपभोक्ताओं को इस शोषण से मुक्ति दिलाने के लिए कई कानून भी बनाए गए लेकिन जब से उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के अस्तित्व में आने के बाद से उपभोक्ताओं को शीघ्र, त्वरित एवं कम खर्च पर न्याय दिलाने का मार्ग प्रशस्त हुआ और उपभोक्ताओं को किसी भी प्रकार की सेवाएं प्रदान करने वाली कम्पनियां व प्रतिष्ठान अपनी सेवाओं अथवा उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार के प्रति सचेत हुए।

विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस मनाए जाने का मूल उद्देश्य यही है कि उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया जाए और अगर वे धोखाधड़ी, कालाबाजारी, घटतौली इत्यादि के शिकार होते हैं तो वे इसकी शिकायत

उपभोक्ता अदालत में कर सकें। ग्राहकों के साथ आए दिन होने वाली धोखाधड़ी को रोकने और उपभोक्ता अधिकारों को ज्यादा मजबूती प्रदान करने के लिए देश में 20 जुलाई 2020 को ह्यउपभोक्ता संरक्षण कानून-2019ह्न (कन्ज्यूमर प्रोटेक्शन एक्ट-2019) लागू किया गया, जिसमें उपभोक्ताओं को किसी भी प्रकार की ठगी और धोखाधड़ी से बचाने के लिए कई प्रावधान हैं। यह कानून अब साढ़े तीन दशक पुराने ह्यउपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 1986ह्न का स्थान ले चुका है। भारत में उपभोक्ता संरक्षण कानून में स्पष्ट किया गया है कि प्रत्येक वह व्यक्ति उपभोक्ता है, जिसने किसी वस्तु या सेवा के क्रय के बदले धन का भुगतान किया है या भुगतान करने का आश्वासन दिया है और ऐसे में किसी भी प्रकार के शोषण अथवा उत्पीड़न के खिलाफ वह अपनी आवाज उठा सकता है तथा क्षतिपूर्ति की मांग कर सकता है। खरीदी गई किसी वस्तु, उत्पाद अथवा सेवा में कमी या उसके कारण होने वाली किसी भी प्रकार की हानि के बदले उपभोक्ताओं को मिला कानूनी संरक्षण ही उपभोक्ता अधिकार है। यदि खरीदी गई किसी वस्तु या सेवा में कोई कमी है या उससे आपको कोई नुकसान हुआ है तो आप उपभोक्ता फोरम में अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

उपभोक्ताओं का शोषण होने और ऐसे मामलों में उनके द्वारा उपभोक्ता अदालत की शरण लिए जाने के बाद मिले न्याय के कुछ मामलों पर नजर डालें तो स्पष्ट हो जाता है कि उपभोक्ता अदालतें उपभोक्ताओं के हितों के संरक्षण के लिए कितना बड़ा काम कर रही हैं। एक उपभोक्ता ने एक दुकान से बिजली का एक पंखा खरीदा लेकिन एक वर्ष की गारंटी होने के बावजूद थोड़े ही समय बाद पंखा खराब होने पर भी जब दुकानदार उसे ठीक कराने या बदलने में आनाकानी करने लगा तो उपभोक्ता ने उपभोक्ता अदालत का दरवाजा खटखटाया। अदालत ने अपने आदेश में नया पंखा देने के साथ उपभोक्ता को हजार्ना देने का भी फरमान सुनाया। एक अन्य मामले में एक आवेदक ने सरकारी नौकरी के लिए अपना आवेदन अंतिम तिथि से पांच दिन पूर्व ही स्पीड पोस्ट द्वारा संबंधित विभाग को भेज दिया लेकिन आवेदन निर्धारित तिथि तक नहीं पहुंचने के कारण उसे परीक्षा में बैठने का अवसर नहीं दिया गया। आवेदक ने डाक विभाग की लापरवाही को लेकर उपभोक्ता अदालत का दरवाजा खटखटाया और उसे न्याय मिला। चूंकि स्पीड पोस्ट को डाक अधिनियम में एक आवश्यक सेवा माना गया है, इसलिए उपभोक्ता अदालत ने डाक विभाग को सेवा शर्तों में कमी का दोषी पाते हुए डाक विभाग को मुआवजे के तौर पर आवेदक को एक हजार रुपये की राशि देने का आदेश दिया।

ऐसी ही छोटी-बड़ी समस्याओं का सामना जीवन में कभी न कभी हम सभी को करना ही पड़ता है लेकिन अधिकांश लोग अपने अधिकारों की लड़ाई नहीं लड़ते। इसका एक प्रमुख कारण यही है कि देश की बहुत बड़ी आबादी अशिक्षित है, जो अपने अधिकारों और कर्त्तव्यों के प्रति अनभिज्ञ है लेकिन जब शिक्षित लोग भी अपने उपभोक्ता अधिकारों के प्रति उदासीन नजर आते हैं तो आश्चर्य होता है। यदि आप एक उपभोक्ता हैं और किसी भी प्रकार के शोषण के शिकार हुए हैं तो अपने अधिकारों की लड़ाई लड़कर न्याय पा सकते हैं। कोई वस्तु अथवा सेवा लेते समय हम धन का भुगतान तो करते हैं पर बदले में उसकी रसीद नहीं लेते। शोषण से मुक्ति पाने के लिए सबसे जरूरी है कि आप जो भी वस्तु, सेवा अथवा उत्पाद खरीदें, उसकी रसीद अवश्य लें। यदि आपके पास रसीद के तौर पर कोई सबूत ही नहीं है तो आप अपने मामले की पैरवी सही ढ़ंग से नहीं कर पाएंगे। पिछले कुछ वर्षों में ऐसे अनेक मामले सामने आ चुके हैं, जिनमें उपभोक्ता अदालतों से उपभोक्ताओं को पूरा न्याय मिला है लेकिन आपसे यह अपेक्षा तो होती ही है कि आप अपनी बात अथवा दावे के समर्थन में पर्याप्त सबूत तो पेश करें। उपभोक्ता अदालतों की सबसे बड़ी विशेषता यही है कि इनमें लंबी-चौड़ी अदालती कार्रवाई में पड़े बिना ही आसानी से शिकायत दर्ज कराई जा सकती है। यही नहीं, उपभोक्ता अदालतों से न्याय पाने के लिए न तो किसी प्रकार के अदालती शुल्क की आवश्यकता पड़ती है और मामलों का निपटारा भी शीघ्र होता है।

संपादकीय

संकट में ऊर्जा

ऊर्जा संकट का आर्थिक प्रभाव भी कम गंभीर नहीं होता। ऊर्जा की कीमतों में वृद्धि का सीधा असर महंगाई पर पड़ता है। परिवहन, उद्योग और उत्पादन की लागत बढ़ जाती है, जिससे वस्तुओं और सेवाओं की कीमतें बढ़ती हैं। इसका सबसे अधिक प्रभाव आम नागरिकों पर पड़ता है। इसलिए ऊर्जा आपूर्ति में किसी भी प्रकार की अनिश्चितता किसी भी देश की आर्थिक स्थिरता के लिए चुनौती बन सकती है। आज की दुनिया को अक्सर 'वैश्विक गांव' कहा जाता है। तकनीक, व्यापार और संचार के विस्तार ने देशों को इतना परस्पर जुड़ा हुआ बना दिया है कि विश्व के किसी भी हिस्से में घटित घटना का प्रभाव सीमाओं से परे जाकर अन्य देशों तक पहुंच जाता है। पश्चिम-एशिया में हाल ही में बढ़े सैन्य तनाव और युद्ध की स्थिति ने इस वास्तविकता को एक बार फिर स्पष्ट कर दिया है। अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई और उसके बाद उत्पन्न भू-राजनीतिक संकट ने केवल क्षेत्रीय सुरक्षा को ही नहीं, बल्कि वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति और आर्थिक स्थिरता को भी प्रभावित किया है। इसका असर भारत जैसे ऊर्जा-आयातक देशों पर विशेष रूप से दिखाई दे रहा है। पश्चिम एशिया विश्व की ऊर्जा राजनीति का केंद्र माना जाता है। तेल और गैस के विशाल भंडार के कारण यह क्षेत्र दशकों से वैश्विक अर्थव्यवस्था की ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ति करता रहा है, लेकिन जब भी इस क्षेत्र में संघर्ष या अस्थिरता पैदा होती है, तो उसका सीधा असर वैश्विक ऊर्जा बाजार पर पड़ता है। वर्तमान संकट के कारण अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला में बाधा उत्पन्न हुई है, जिसका प्रभाव कई देशों के साथ-साथ भारत पर भी दिखाई देने लगा है। भारत में 'एलपीजी' (लिक्वीफाइड पैट्रोलियम गैस) गैस-सिलेंडरों की आपूर्ति में देरी, बुकिंग की अवधि में वृद्धि और होटल-रेस्टोरेंट उद्योग में गैस की कमी जैसी समस्याएं इसी व्यापक संकट की ओर संकेत करती हैं। भारत की ऊर्जा संरचना को समझे बिना इस समस्या की गंभीरता को नहीं समझा जा सकता। भारत विश्व के सबसे बड़े ऊर्जा उपभोक्ताओं में से एक है, लेकिन उसकी घरेलू ऊर्जा उत्पादन क्षमता अभी भी सीमित है। 'एलपीजी' की मांग का बड़ा हिस्सा आयात से पूरा किया जाता है और इन आयातों का अधिकांश भाग पश्चिम एशियाई देशों से आता है। ऐसी स्थिति में यदि उस क्षेत्र में युद्ध या परिवहन मार्गों में बाधा उत्पन्न होती है, तो उसका सीधा प्रभाव भारत की ऊर्जा आपूर्ति पर पड़ना स्वाभाविक है। भारत में रसोई गैस केवल एक घरेलू ईंधन नहीं रह गई है, बल्कि यह सामाजिक परिवर्तन का भी एक महत्वपूर्ण माध्यम बन चुकी है। पिछले दशक में विभिन्न सरकारी योजनाओं के माध्यम से करोड़ों परिवारों को 'एलपीजी' कनेक्शन उपलब्ध कराया गया है। इससे ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में पारंपरिक ईंधनों पर निर्भरता कम हुई है, लेकिन इस बढ़ती सहूलियत के साथ-साथ आयात पर बढ़ती निर्भरता भी एक चुनौती बनकर सामने आई है। यदि वैश्विक संकट के कारण गैस की आपूर्ति प्रभावित होती है, तो इसका असर केवल घरों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि छोटे व्यापार, होटल-रेस्टोरेंट उद्योग और खाद्य क्षेत्र पर भी पड़ता है।

चिंतन-मनन

जीव है आध्यात्मिक स्फुलिंग

भगवद्गीता में भगवान ने बताया गया है कि जीव भौतिक शरीर नहीं है। वह आध्यात्मिक स्फुलिंग है और परम सत्य परम पूर्ण है। उन्होंने जीव को परम पूर्ण का अंश बताते हुए पूर्ण पर ही ध्यान लगाने की सलाह दी है। कहते हैं कि जो मनुष्य भौतिक शरीर का त्याग करते समय कृष्ण का ध्यान करता है, वह तुरंत कृष्ण के धाम को चला जाता है। भगवान स्पष्ट कहते हैं कि योगियों में से, जो भी अपने अन्तःकरण में निरंतर कृष्ण का चिन्तन करता है, वही परम सिद्ध माना जाता है। इसका यही निष्कर्ष है कि मनुष्य को कृष्ण के सगुण रूप के प्रति अनुरक्त होना चाहिए, क्योंकि वही चरम आत्म-साक्षात्कार है। इतने पर भी ऐसे लोग हैं जो कृष्ण के साकार रूप के प्रति अनुरक्त नहीं होते। वे परम सत्य के उस निराकार रूप का ही ध्यान करना श्रेष्ठ मानते हैं, जो इन्द्रियों की पहुंच के परे है तथा अप्रकट है।

इस तरह सचमुच में अध्यात्मवादियों की दो श्रेणियां हैं। अर्जुन यह निश्चित कर लेना चाहता है कि कौन सी विधि सुगम है और इन दोनों श्रेणियों में से कौन सर्वाधिक पूर्ण है। दूसरे शब्दों में, वह अपनी स्थिति स्पष्ट कर लेना चाहता है, क्योंकि वह कृष्ण के सगुण रूप के प्रति अनुरक्त है। वह निराकार ब्रह्म के प्रति आसक्त नहीं है। वह जान लेना चाहता है कि उसकी स्थिति सुरक्षित तो है! निराकार स्वरूप, चाहे इस लोक में हो, चाहे भगवान के परम लोक में, ध्यान के लिए समस्या बना रहता है।

वास्तव में कोई भी परम सत्य के निराकार रूप का ठीक से चिन्तन नहीं कर सकता। अतः अर्जुन कहना चाहता है कि इस तरह से समय गंवाने से क्या लाभ? अर्जुन को अनुभव हो चुका है कि कृष्ण के साकार रूप के प्रति आश्वसक्त होना श्रेष्ठ है, क्योंकि इस तरह वह एक ही समय अन्य सारे रूपों को समझ सकता है और कृष्ण के प्रति उसके प्रेम में किसी प्रकार का व्यवधान नहीं पड़ता। अतः अर्जुन द्वारा कृष्ण से इस महत्वपूर्ण प्रश्न के पूछे जाने से परम सत्य के निराकार तथा साकार स्वरूपों का अन्तर स्पष्ट हो जाएगा।

तेल-गैस संकट के समय आत्मनिर्भर क्यों नहीं बने?

सौरभ वार्ष्णेय

दुनिया में जब भी मध्य-पूर्व में तनाव या युद्ध की स्थिति बनती है, तब सबसे पहले तेल-गैस की कीमतों पर असर पड़ता है। भारत जैसे देश, जो अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात से पूरा करते हैं, ऐसे समय में सबसे ज्यादा प्रभावित होते हैं। सवाल यह उठता है कि आखिर इतने वर्षों बाद भी भारत तेल-गैस के मामले में पूरी तरह आत्मनिर्भर क्यों नहीं बन पाया?

सबसे बड़ा कारण यह है कि भारत के पास सीमित प्राकृतिक तेल-गैस भंडार हैं। देश में कुछ क्षेत्रों–जैसे समुद्री तटों और पूर्वोत्तर राज्यों–में तेल-गैस मिलती है, लेकिन यह हमारी बढ़ती जरूरतों के मुकाबले बहुत कम है। आज भी भारत अपनी लगभग 80-85 प्रतिशत कच्चे तेल की जरूरत विदेशों से आयात करता है। दूसरा कारण यह है कि ऊर्जा की मांग लगातार बढ़ रही है। औद्योगिक विकास, बढ़ती आबादी और वाहनों की संख्या में तेजी से वृद्धि के कारण तेल-गैस की खपत लगातार बढ़ती जा रही है। घरेलू उत्पादन इस गति से नहीं बढ़ पाया।तीसरा कारण नीतिगत और तकनीकी चुनौतियाँ भी रही हैं। कई बार तेल-गैस की खोज और उत्पादन के लिए पर्याप्त निवेश, आधुनिक तकनीक और निजी क्षेत्र की भागीदारी समय पर नहीं बढ़ पाई। इसके कारण संभावित भंडारों का पूरा उपयोग नहीं हो सका।

हालांकि, हाल के वर्षों में सरकार ने आत्मनिर्भर ऊर्जा की दिशा में कुछ महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। सौर और पवन ऊर्जा को बढ़ावा देना, जैव-ईंधन (एथेनॉल) का उपयोग बढ़ाना, इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रोत्साहन देना और नए तेल-गैस क्षेत्रों की खोज करना इसी दिशा के प्रयास हैं।स्पष्ट है कि तेल-गैस में पूर्ण आत्मनिर्भरता हासिल करना आसान नहीं है, लेकिन ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों और घरेलू उत्पादन को बढ़ाकर भारत अपनी निर्भरता जरूर कम कर सकता है। यही भविष्य की ऊर्जा सुरक्षा का रास्ता भी है।

ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों और घरेलू उत्पादन कैसे बढ़ाएँ

देश में बार-बार उभरने वाला तेल-गैस संकट यह संकेत देता है कि केवल आयातित ऊर्जा पर निर्भर रहना लंबे समय तक सुरक्षित रणनीति नहीं हो सकती। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा विदेशों से आयात करता है, जिससे अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत बढने या भू-राजनीतिक तनाव होने पर देश की अर्थव्यवस्था तुरंत प्रभावित हो जाती है। ऐसे में ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों को बढ़ावा देना और घरेलू उत्पादन को मजबूत करना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बन गया है।सबसे पहले, सौर और पवन ऊर्जा जैसे नवीकरणीय स्रोतों का तेजी से विस्तार करना होगा। भारत भौगोलिक रूप से सौर ऊर्जा के लिए बेहद अनुकूल देश है। अगर गांव-गांव में रूफटॉप सोलर प्लांट और बड़े सौर पार्क स्थापित किए जाएँ तो बिजली उत्पादन का बड़ा हिस्सा स्वदेशी और स्वच्छ स्रोतों से प्राप्त किया जा सकता है। इसी तरह तटीय क्षेत्रों और खुले मैदानों में पवन ऊर्जा की अपार संभावनाएँ हैं।दूसरा महत्वपूर्ण कदम घरेलू तेल और गैस उत्पादन को बढ़ाने का है। इसके लिए नई खोज, आधुनिक तकनीक और निजी निवेश को प्रोत्साहित करना होगा। समुद्री क्षेत्रों और कठिन भौगोलिक इलाकों में ऊर्जा संसाधनों की खोज के लिए सरकार को स्पष्ट नीतियाँ और आसान नियम बनाने होंगे, ताकि घरेलू उत्पादन में तेजी आ सके।इसके साथ-साथ जैव ईंधन, ग्रीन हाइड्रोजन और इलेक्ट्रिक वाहनों को भी ऊर्जा नीति का अहम हिस्सा बनाना होगा। एथेनॉल मिश्रण, बायोगैस प्लांट और कृषि अपशिष्ट से ऊर्जा उत्पादन जैसे प्रयास न केवल ऊर्जा संकट को कम करेंगे बल्कि किसानों की आय बढ़ाने में भी सहायक हो सकते हैं।अंततः ऊर्जा आत्मनिर्भरता केवल सरकारी नीतियों से ही नहीं, बल्कि जनभागीदारी से भी संभव है। ऊर्जा की बचत, सौर ऊर्जा अपनाने और स्वच्छ तकनीक के उपयोग में आम नागरिक की भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। यदि सरकार, उद्योग और समाज मिलकर प्रयास करें तो भारत न केवल ऊर्जा संकट से उबर सकता है, बल्कि आने वाले वर्षों में ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में मजबूत कदम भी बढ़ा सकता है।

घरेलू उत्पादन कैसे बढ़ाएँ

वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता, तेल-गैस संकट और आपूर्ति श्रृंखला में बार-बार आने वाली बाधाओं ने यह स्पष्ट कर दिया है कि किसी भी देश की आर्थिक मजबूती का आधार उसका मजबूत घरेलू उत्पादन होता है। यदि भारत को दीर्घकालीन आर्थिक स्थिरता और आत्मनिर्भरता हासिल करनी है, तो घरेलू उत्पादन बढ़ाने की दिशा में ठोस कदम उठाने होंगे। सबसे पहले लघु, कुटीर और मध्यम उद्योगों को मजबूत करना आवश्यक है। यही क्षेत्र सबसे अधिक रोजगार पैदा करता है और स्थानीय स्तर पर उत्पादन बढ़ाता है। सरकार को इन उद्योगों को सस्ती पूंजी, तकनीकी सहायता और आसान नियम उपलब्ध कराने चाहिए।दूसरा महत्वपूर्ण कदम कृषि और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग को बढ़ावा देना है। यदि कृषि उत्पादों का प्रसंस्करण देश में ही बड़े पैमाने पर होगा, तो किसानों की आय भी बढ़ेगी और आयात पर निर्भरता भी कम होगी।तीसरा, तकनीक और नवाचार को उत्पादन से जोड़?ा जरूरी है। आधुनिक मशीनों, डिजिटल तकनीक और अनुसंधान के माध्यम से उत्पादन की गुणवत्ता और मात्रा दोनों बढ़ाई जा सकती हैं।इसके अलावा सरकार को स्थानीय उत्पादों के उपयोग को बढ़ावा देना चाहिए। च्लोकल फॉर वोकलज्ज जैसी पहल तभी सफल होगी जब उपभोक्ता भी स्वदेशी उत्पादों को प्राथमिकता दें।घरेलू उत्पादन बढ़ाना केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि उद्योग, किसान और उपभोक्ता–सभी की साझा भागीदारी से ही यह संभव है। यदि सही नीतियों और जनसहयोग के साथ प्रयास किए जाएँ, तो भारत न केवल अपनी जरूरतें पूरी कर सकेगा बल्कि वैश्विक बाजार में भी मजबूत स्थान बना पाएगा।

युद्ध काल में ऊर्जा संकट भारत की संतुलित रणनीति

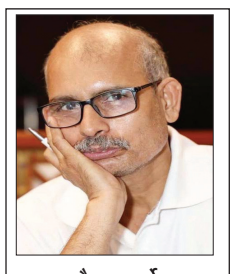

सौरभ वार्ष्णेय

वैश्विक परिपेक्ष में आज विश्व ऐसे दौर से गुजर रही है।जहाँ युद्ध,ऊर्जा संकट,आपूर्ति श्रृंखला की अस्थिरता और भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा ने वैश्विक अर्थव्यवस्था और कूटनीति को नए सिरे से परिभाषित करना शुरू कर दिया है। ऐसे समय में भारत सरकार द्वारा आयोजित अंतरझमंत्रालयी प्रेस कॉन्फ्रेंस केवल प्रशासनिक जानकारी साझा करने का मंच नहीं थी,बल्कि यह उस व्यापक राष्ट्रीय दृष्टि का संकेत भी थी।जिसके माध्यम से भारत बदलते अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य में अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करते हुए एक संतुलित और जिम्मेदार वैश्विक शक्ति के रूप में अपनी भूमिका को स्पष्ट कर रहा है।विदेश,पेट्रोलियम, वाणिज्य और ऊर्जा से जुड़े मंत्रालयों के प्रतिनिधियों ने वैश्विक युद्ध परिस्थितियों,ऊर्जा बाजार की अनिश्चितताओं, अंतरराष्ट्रीय साझेदारियों और भारत की दीर्घकालिक रणनीति पर विस्तार से जानकारी दी।यह स्पष्ट किया गया कि वर्तमान समय में वैश्विक राजनीति का केंद्र केवल सैन्य शक्ति नहीं रहा,बल्कि ऊर्जा सुरक्षा, आपूर्ति श्रृंखला, प्रौद्योगिकी और बहुपक्षीय कूटनीति भी उतने ही महत्वपूर्ण कारक बन चुके हैं।

आज दुनिया जिस सबसे बड़ी चुनौती का सामना कर रही है,युद्ध की बढ़ती विभीषिका।विशेष रूप से रूस - यूक्रेन युद्ध ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को गहरे स्तर पर प्रभावित किया है।फरवरी 2022 में शुरू हुआ यह संघर्ष अब केवल दो देशों के बीच सीमित युद्ध नहीं रह गया,बल्कि उसने ऊर्जा बाजार, खाद्यान्न आपूर्ति और वैश्विक व्यापार मार्गों को प्रभावित किया है। यूरोप में गैस संकट पैदा हुआ, अंतरराष्ट्रीय तेल कीमतों में भारी उतार-चढ़ाव आया और कई देशों की मुद्रास्फीति दरें तेजी से बढ़ीं। विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के अनुसार इस युद्ध के कारण वैश्विक आर्थिक वृद्धि दर में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई है।

भारत पर भी इन परिस्थितियों का अप्रत्यक्ष प्रभाव पड़ा।भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का लगभग 85 प्रतिशत कच्चा तेल आयात करता है और प्राकृतिक गैस की बड़ी मात्रा भी विदेशों से आती है।ऐसे में अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतों की अस्थिरता का सीधा असर देश की अर्थव्यवस्था,परिवहन लागत और औद्योगिक उत्पादन पर पड़ सकता है। यही कारण है कि भारत ने ऊर्जा सुरक्षा को अपनी राष्ट्रीय नीति के प्रमुख स्तंभ के रूप में स्थापित किया है।भारत की ऊर्जा रणनीति का एक महत्वपूर्ण पहलू विविध स्रोतों से आयात सुनिश्चित करना है।पिछले कुछ वर्षों में भारत ने तेल आयात के अपने स्रोतों का विस्तार किया है और विभिन्न देशों के साथ ऊर्जा सहयोग को मजबूत किया है।इस संदर्भ में रूस से रियायती दरों पर कच्चे तेल की खरीद ने भारत की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। 2021 में जहाँ भारत के कुल तेल आयात में रूस की हिस्सेदारी बहुत कम थी,वहीं 2024-25 तक यह बढ़कर लगभग 35 प्रतिशत के आसपास पहुँच गई। इससे भारत को अंतरराष्ट्रीय बाजार की ऊँची कीमतों से काफी राहत मिली।

इसी प्रकार पश्चिम एशिया के देशों के साथ भी भारत के ऊर्जा संबंध लगातार मजबूत हो रहे हैं।सऊदी अरब,संयुक्त अरब अमीरात और कतर जैसे देशों के साथ दीर्घकालिक तेल और गैस आपूर्ति समझौते भारत की ऊर्जा नीति की स्थिरता को सुनिश्चित करते हैं। कतर भारत को तरलीकृत प्राकृतिक गैस (छठऋ) का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता है और भारत की गैस आधारित ऊर्जा संरचना में उसकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।ऊर्जा सुरक्षा के साथ-साथ भारत स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में भी तेजी से आगे बढ़ रहा है।सौर ऊर्जा,पवन ऊर्जा और हरित हाइड्रोजन जैसे क्षेत्रों में भारत ने उल्लेखनीय प्रगति की है।भारत का लक्ष्य 2030 तक 500 गीगावाट गैर-जीवाश्म ऊर्जा क्षमता स्थापित करना है।इस दिशा में अंतरराष्ट्रीय सहयोग भी बढ़ रहा है और भारत नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व की भूमिका निभाने की दिशा में अग्रसर है।विदेश नीति के स्तर पर भारत ने जिस संतुलित दृष्टिकोण को अपनाया है, वह वर्तमान वैश्विक परिस्थिति में विशेष महत्व रखता है।रूस-यूक्रेन संघर्ष के दौरान भारत ने किसी एक पक्ष का खुला समर्थन करने के बजाय संवाद और कूटनीतिक समाधान पर जोर दिया। संयुक्त राष्ट्र के मंचों पर भारत ने बार-बार यह कहा कि युद्ध किसी समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सकता और सभी पक्षों को बातचीत के माध्यम से समाधान तलाशना चाहिए।यह संतुलित नीति भारत को पश्चिमी देशों और रूस दोनों के साथ मजबूत संबंध बनाए रखने की क्षमता देती है।एक ओर भारत के रणनीतिक संबंध अमेरिका और यूरोपीय देशों के साथ लगातार मजबूत हो रहे हैं,वहीं दूसरी ओर रूस के साथ रक्षा और ऊर्जा सहयोग भी जारी है।यही बहु-आयामी कूटनीति आज की बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था में भारत की सबसे बड़ी ताकत बनकर उभर रही है।वैश्विक मंचों पर भारत की भूमिका लगातार बढ़ रही है।विशेष रूप से इफ्क्रछर समूह में भारत की सक्रियता इस दिशा में महत्वपूर्ण है। ब्रिक्स - जिसमें ब्राजील, रूस, भारत,चीन और दक्षिण अफ्रीका शामिल हैं -आज वैश्विक दक्षिण की आवाज को मजबूत करने वाला प्रमुख मंच बन चुका है। इस समूह का उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय आर्थिक व्यवस्था को अधिक संतुलित और समावेशी बनाना है।ब्रिक्स देशों की कुल आबादी विश्व की लगभग 40 प्रतिशत जनसंख्या का प्रतिनिधित्व करती है और वैश्विक अर्थव्यवस्था में इनकी हिस्सेदारी लगातार बढ़ रही है।हाल के वर्षों में इस समूह ने नई विकास बैंक के माध्यम से विकासशील देशों में अवसंरचना परियोजनाओं को वित्तीय सहायता प्रदान करने की पहल भी की है।भारत इस मंच का उपयोग वैश्विक दक्षिण की विकास आवश्यकताओं को अंतरराष्ट्रीय नीति विमर्श के केंद्र में लाने के लिए कर रहा है।

अंतरझमंत्रालयी प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह भी स्पष्ट किया गया कि भारत की राष्ट्रीय नीति केवल तत्काल संकटों से निपटने तक सीमित नहीं है, बल्कि उसका उद्देश्य दीर्घकालिक आर्थिक और रणनीतिक स्थिरता सुनिश्चित करना है।ऊर्जा अवसंरचना के विस्तार,रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार की क्षमता बढ़ाने, गैस पाइपलाइन नेटवर्क के विस्तार और नवीकरणीय ऊर्जा में निवेश जैसे कदम इसी व्यापक रणनीति का हिस्सा हैं।भारत ने पिछले कुछ वर्षों में अपने रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार को भी मजबूत किया है।देश में विशाखा पत्तनम,मंगलुरु और पाडुर जैसे स्थानों पर भूमिगत तेल भंडारण सुविधाएँ विकसित की गई हैं,जो आपातकालीन परिस्थितियों में देश की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

आज जब दुनिया अनिश्चितताओं के दौर से गुजर रही है,तब भारत की नीति का मूल आधार संतुलन, व्यावहारिकता और दीर्घकालिक दृष्टि है।युद्ध की विभीषिका,ऊर्जा संकट और आर्थिक अस्थिरता के बीच भारत ने यह स्पष्ट किया है कि राष्ट्रीय हितों की रक्षा करते हुए भी वैश्विक सहयोग और शांति को प्राथमिकता दी जा सकती है।

अंतरझमंत्रालयी प्रेस कॉन्फ्रेंस का संदेश भी यही था कि बदलती विश्व व्यवस्था में भारत केवल एक दर्शक नहीं है, बल्कि वह सक्रिय भागीदार के रूप में अपनी भूमिका निभा रहा है। ऊर्जा सुरक्षा से लेकर वैश्विक कूटनीति तक,भारत एक ऐसी रणनीति पर आगे बढ़ रहा है जिसमें राष्ट्रीय विकास और अंतरराष्ट्रीय सहयोग दोनों के लिए समान स्थान है।यह वही दृष्टि है जो आने वाले वर्षों में भारत को केवल एक उभरती हुई अर्थव्यवस्था ही नहीं,बल्कि एक स्थिर,विश्वसनीय और जिम्मेदार वैश्विक शक्ति के रूप में स्थापित कर सकती है।

संक्षिप्त समाचार

गुटेरेस ने जताई पश्चिम एशिया संकट पर चिंता

वाशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने एक्स पर पोस्ट कर कहा, 'मध्य पूर्व में गहराता संकट अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए एक गंभीर खतरा है। इससे आम नागरिकों को भारी पीड़ा पहुंचाई है। तनाव कम करना और बातचीत ही एकमात्र रास्ता है। मैं सभी पक्षों से आग्रह करता हूं कि वे शत्रुता समाप्त करें, अंतरराष्ट्रीय कानून का पालन करें, नागरिकों की रक्षा करें और तुरंत बातचीत की मेज पर लौटें।' विदेश मंत्रालय के सचिव (पश्चिम) और राजदूत सिबी जॉर्ज ने जिनेवा में संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त वोल्कर तुर्क से मुलाकात की। उन्होंने मानवाधिकारों, भारत की डिजिटल यात्रा और हाल ही में नई दिल्ली में आयोजित एआई शिखर सम्मेलन पर अपने विचार साझा किए।

मध्य अफ्रीकी गणराज्य में खदान धंसने से आठ की मौत, पांच घायल

नौरीम, एजेंसी। मध्य अफ्रीकी गणराज्य के उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र में गुरुवार की सुबह एक खदान में हुए हादसे में आठ लोगों की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए। यह घटना ओहम-पेंडे प्रीफेक्चर की राजधानी नौरीम के एक शहर में हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, खदान में काम कर रहे मजदूर गहरी खुदाई कर रहे थे जब अचानक खदान का एक हिस्सा ढह गया। मौके पर मौजूद एक खदान संचालक, अल्बान मौसा याकाता ने बताया कि वे सब हतप्रभ और असहाय थे। मध्य अफ्रीकी गणराज्य में इस तरह की दुर्घटनाएं असामान्य नहीं हैं। देश में हजारों लोग छोटे पैमाने पर खनन का काम करते हैं। यह कार्य अत्यंत जोखिम भरा होता है, क्योंकि श्रमिकों के पास पर्याप्त सुरक्षा उपकरण नहीं होते हैं।

तुर्किये में 5.5 तीव्रता का भूकंप

अंकारा, एजेंसी। शुक्रवार को तुर्किये में मध्यम तीव्रता के भूकंप के झटकों ने लोगों को झकझोर दिया। आपात सेवा एजेंसियों के अनुसार, इस भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 5.5 रही। भूकंप के झटके लगते ही लोग घबराकर सड़कों पर आ गए। हालांकि इन झटकों से किसी तरह के नुकसान की तत्काल कोई खबर नहीं है। भूकंप का केंद्र तोकात प्रांत के निक्सर शहर में करीब 6.4 किलोमीटर की गहराई में था। यह भूकंप तड़के 3:35 बजे आया और कई प्रांतों में महसूस किया गया। एएफएडी ने यह भी पुष्टि की है कि किसी भी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली है। इसके बावजूद, कई निवासियों को ठंड के बावजूद अपनी कारों या सड़कों पर इंतजार करते देखा गया, क्योंकि वे अपने घरों में लौटने से डर रहे थे। तुर्किये प्रमुख भूवैज्ञानिक फॉल्ट लाइनों पर स्थित है, जिसके कारण यहां भूकंप आना एक आम बात है। यह ध्यान देने योग्य है कि 2023 में, 7.8 तीव्रता के विनाशकारी भूकंप ने तुर्किये में 53,000 से अधिक लोगों की जान ले ली थी और 11 दक्षिणी और दक्षिण-पूर्वी प्रांतों में लाखों इमारतों को तबाह या क्षतिग्रस्त कर दिया था। इसके अतिरिक्त, पड़ोसी सीरिया के उत्तरी भागों में भी लगभग 6,000 लोगों की मृत्यु हुई थी।

अफगानिस्तान पर पाकिस्तान ने फिर की एयरस्ट्राइक

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान में पाकिस्तान और तालिबान के बीच तनाव एक बार फिर बढ़ गया है। तालिबान के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि पाकिस्तान वायुसेना ने कंधार हवाईअड्डे के पास निजी एयरलाइन काम एयर के ईंधन डिपो पर हवाई हमला किया है। मुझाहिद ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि यह कंपनी घरेलू एयरलाइनों के साथ-साथ संयुक्त राष्ट्र के विमानों को भी ईंधन उपलब्ध कराती है। उन्होंने पाकिस्तान पर पहले भी एक राष्ट्रीय व्यापारी हाजी खान जादाह के ईंधन भंडारण पर हमला करने का आरोप लगाया। रिपोर्ट्स के मुताबिक पाकिस्तान की सेना ने अफगानिस्तान के खोस्त प्रांत के अलीशेर-तेरेजाई जिले के कई इलाकों को भी निशाना बनाया। यह क्षेत्र तथाकथित डूरंड रेखा के पास स्थित है। अफगान मीडिया टोलो न्यूज के अनुसार, तोपखाने की गोलाबारी में एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य घायल हो गए। दोनों देशों के बीच सीमा पर पिछले महीने से हवाई हमलों और सैन्य झड़पों का सिलसिला तेज हो गया है। 27 फरवरी को पाकिस्तान ने अफगान राजधानी काबुल समेत कई शहरों में हवाई हमले किए थे। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने उस समय इसे खुला युद्ध बताते हुए कहा था कि पाकिस्तान का सब्र का प्याला भर चुका है। उन्होंने तालिबान पर वैश्विक आतंकियों को पनाह देने और उग्रवाद को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। इसके जवाब में अफगानिस्तान के रक्षा मंत्रालय ने दावा किया कि 26 फरवरी को डूरंड रेखा के पास जवाबी कार्रवाई में 55 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए हैं। विश्लेषकों के अनुसार, 2021 में तालिबान के सत्ता में लौटने के बाद से पाकिस्तान-अफगानिस्तान संबंध लगातार तनावपूर्ण बने हुए हैं।

मेलानिया ट्रंप ने महिलाओं से साहसी बनने और जोखिम उठाने का किया आग्रह

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप ने पूरे अमेरिका की महिलाओं से आत्मविश्वास और साहस के साथ अपने लक्ष्यों को हासिल करने की अपील की। उन्होंने व्हाइट हाउस में विमेंस हिस्ट्री मंथ के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि देश के भविष्य को आकार देने में महिलाओं की निर्णायक भूमिका होती है।

कामकाजी माताओं और व्यवसाय, खेल, कानून प्रवर्तन, सरकार व नागरिक समाज से जुड़ी महिला नेताओं से भरे एक सभागार को संबोधित करते हुए अमेरिका की प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप ने कहा कि देश की ताकत परिवारों और समुदायों में महिलाओं के प्रभाव से गहराई से जुड़ी है। उन्होंने कहा, 'अमेरिका की ताकत इस बात से गहराई से जुड़ी है कि महिलाएं अपने बच्चों के चरित्र, शिक्षा और नैतिक मूल्यों को किस तरह आकार देती हैं। हमारे समुदायों में विकसित होने वाले मूल्य अगली पीढ़ी की आवाज और दृष्टि को आकार देते हैं।' 'मेलानिया ने यह बात व्हाइट हाउस में उनके और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में कही, जिसका उद्देश्य पूरे अमेरिका में महिलाओं के योगदान को सम्मानित करना था। इस कार्यक्रम में विभिन्न पेशों और क्षेत्रों की सफल महिलाओं को आमंत्रित किया गया था। अपने संबोधन में उन्होंने महिलाओं को व्यक्तिगत विकास में निवेश करने और अवसरों को पाने के लिए साहस बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा, 'सभी युवा महिलाओं, उद्यमियों और भविष्य की नेताओं से मेरा कहना है कि अपने लिए समय निकालें, हर दिन खुद को शिक्षित करें और अपने जुनून को फैलाएं। साहसी बनें और जोखिम उठाएं।' उन्होंने अमेरिकी कार्यबल में महिलाओं की बढ़ती भूमिका और पेशेवर महत्वाकांक्षाओं के साथ पारिवारिक जिम्मेदारियों को संतुलित करने की उनकी क्षमता पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा, 'आज पूरे देश में महिलाएं करियर की महत्वाकांक्षा और परिवार के बीच संतुलन बनाने के अनोखे तरीके खोज रही हैं। हम सभी इन अद्भुत महिलाओं को जानते हैं। वे आज पहले से कहीं अधिक अमेरिका के कार्यबल पर अपना दबदबा बना रही हैं। अपने पेशेवर सफर को याद करते हुए मेलानिया ट्रंप ने कहा कि जिज्ञासा और निरंतर सीखने की प्रवृत्ति उनकी सफलता की कुंजी रही है। जिज्ञासा ज्ञान को जन्म देती है और ऐसे विचारों और उद्योगों के द्वार खोलती है जिन्हें मैं शायद अन्यथा नजरअंदाज कर देती। उन्होंने बताया कि अपने करियर में उन्होंने कई क्षेत्रों में काम किया है, जिनमें फैशन, प्रकाशन, टेलीविजन और फिल्म निर्माण शामिल हैं। इन अनुभवों ने अनुकूलन क्षमता और नवाचार के महत्व को और मजबूत किया। उन्होंने कहा, 'इस खुले दृष्टिकोण ने मुझे कई अलग-अलग क्षेत्रों में काम करने के लिए प्रेरित किया। इनमें फैशन, डिजिटल एसेट्स, प्रकाशन, एक्ससेसरीज़, स्किनकेयर, कमर्शियल टेलीविजन और फिल्म निर्माण शामिल हैं। ' उन्होंने कहा कि उनके शुरुआती व्यावसायिक अनुभवों से मिली सीख आज भी नेतृत्व के प्रति उनके दृष्टिकोण को आकार देती है। उन्होंने कहा, 'बाजार बदलते हैं, तकनीक बदलती है, लेकिन विचारशील नेतृत्व और निरंतर सीखने के मूल सिद्धांत हमेशा कायम रहते हैं।' उन्होंने नेतृत्व की भूमिकाओं को चुनौतीपूर्ण बताते हुए कहा कि सफलता के लिए अक्सर दृढ़ता, अनुशासन और बारीकियों पर ध्यान देना जरूरी होता है। उन्होंने कहा, 'सफलता की ओर बढ़ते समय बारीकियों पर ध्यान, व्यस्त कार्यक्रम और एक साथ कई काम करना रोजमर्रा की हकीकत होते हैं।' यही सिद्धांत उन्हें एक 'मां, मानवतावादी, परोपकारी और उद्यमी' के रूप में मार्गदर्शन देते हैं। उन्होंने राष्ट्रपति की भी सराहना की और उन्हें सभा को संबोधित करने के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने कहा, 'हमारे कमांडर-इन-चीफ का परिचय देना मेरे लिए सम्मान की बात है, जिन्होंने अपने पूरे करियर में नेतृत्व की भूमिकाओं में महिलाओं को बढ़ावा देने की मजबूत प्रतिबद्धता दिखाई है। कृपया राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का स्वागत करें। '

अमेरिका में हर साल मार्च महीने में विमेंस हिस्ट्री मंथ मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य देश के इतिहास, अर्थव्यवस्था और सार्वजनिक जीवन में महिलाओं के योगदान को सम्मानित करना है। इस दौरान सरकारी एजेंसियां, शैक्षणिक संस्थान और नागरिक समाज संगठन पूरे देश में कार्यक्रम आयोजित करते हैं, जिनमें महिलाओं की उपलब्धियों को उजागर किया जाता है और लैंगिक समानता को बढ़ावा दिया जाता है। व्हाइट हाउस भी परंपरागत रूप से इस महीने के दौरान विशेष कार्यक्रम और सभाएं आयोजित करता है, जिनमें विभिन्न क्षेत्रों की महिला नेताओं को सम्मानित किया जाता है। इन कार्यक्रमों में अक्सर यह दिखाया जाता है कि महिलाएं अमेरिका में नीति-निर्माण, व्यावसायिक नवाचार और सामुदायिक नेतृत्व को किस तरह आकार दे रही हैं।

पेरू में भारी बारिश के चलते 283 जिलों में आपातकाल की घोषणा

लीमा, एजेंसी। पेरू ने 283 जिलों में आपातकाल की घोषणा की है, ताकि सार्वजनिक सुरक्षा पर गंभीर प्रभाव डालने वाली तीव्र वर्षा के उच्च जोखिमों को कम किया जा सके और उसके प्रभावों से निपटा जा सके। सरकारी राजपत्र में गुरुवार को प्रकाशित कई आदेशों के अनुसार यह आपातकालीन उपाय पेरू के 20 क्षेत्रों में 60 कैलेंडर दिनों के लिए लागू रहेगा, जिनमें लीमा, अमेज़ोनस, एंकेश, कुज़को और अरेक्विपा शामिल हैं। आपातकालीन अवधि के दौरान, क्षेत्रीय और स्थानीय सरकारें राष्ट्रीय नागरिक रक्षा संस्थान और विभिन्न मंत्रालयों के समन्वय में, आपदा प्रतिक्रिया और प्रभावित क्षेत्रों की पुनर्वास के लिए तत्काल और आवश्यक असाधारण उपायों और कार्रवाइयों को लागू करेंगी।

देश के मंत्रियों को भी विभिन्न प्रभावित क्षेत्रों में तैनात किया गया है ताकि वे सीधे प्रतिक्रिया और राहत प्रयासों की निगरानी कर सकें। साथ ही स्वास्थ्य ब्रिगेडों को सक्रिय कर सकें जो प्रभावित जनता को प्राथमिक चिकित्सा, मानसिक समर्थन और मानवतावादी सहायता प्रदान करें। जिन्हुआ समाचार एजेंसी ने बताया कि पेरू की सशस्त्र सेनाओं ने भी पुनर्वास और रसद में सहायता के लिए विशेषज्ञ कर्मियों को तैनात किया है, जो राष्ट्रीय पुलिस के साथ समन्वय में काम कर रहे हैं। देश के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि वर्ष की शुरुआत से पेरू में वर्षा के मौसम के कारण कम से कम 41 लोग मारे गए हैं और एक व्यक्ति अब भी लापता है। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, 56 लोग घायल हुए हैं जिनमें से 48 को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई और सात लोग अब भी अस्पताल में हैं। 25 फरवरी को पेरू सरकार ने तीव्र वर्षा के आसन्न खतरे को देखते हुए विभिन्न क्षेत्रों में 60 दिन का आपातकाल घोषित किया था। भारी बारिश ने दक्षिणी पेरू में व्यापक क्षति पहुंचाई है जिससे 5,500 घर प्रभावित हुए हैं और कई निवासियों को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित होना पड़ा है। पेरू में भारी बारिश मुख्य रूप से एल नीनो-सदर्न ऑसिलेशन (ईएनएसओ) घटना के कारण होती है, जो तटीय जल को गर्म करती है, वायुमंडलीय नमी बढ़ाती है और तीव्र मौसमी वर्षा को प्रेरित करती है।

अमेरिका ने एच-1बी वीजा देने की प्रक्रिया में बदलाव किया

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका ने एच-1बी वीजा प्रक्रिया में बड़ा बदलाव किया है। अब लाभार्थियों का चयन रैंडम लॉटरी के बजाय वेतन के आधार पर होगा। इसके लिए अमेरिकी इमिग्रेशन एजेंसी ने फॉर्म आई-129 का नया सिस्टम बनाया है, जिसे 1 अप्रैल 2026 से अनिवार्य कर दिया जाएगा। कंपनियों को विदेशी कर्मचारियों के लिए दाखिल याचिका में नौकरी से जुड़ी जानकारी देनी होगी। इससे पहले की तुलना में ज्यादा अनुभवी और हाई सैलरी पाने वाले प्रोफेशनल्स को वीजा मिलने की संभावनाएं बढ़ जाएंगी। नए सिस्टम में आवेदकों को चार वेतन स्तरों में बांटा जाएगा। जिस पद का वेतन स्तर जितना ऊंचा होगा, चयन प्रक्रिया में उसे उतने अधिक मौके मिलेंगे। मसलन, लेवल-4 के उम्मीदवार को चार मौके मिलेंगे, जबकि लेवल-1 को सिर्फ एक मौका मिलेगा। फॉर्म I-129 का उपयोग अस्थायी कामगारों को अमेरिका बुलाने के लिए किया जाता है। अमेरिका का श्रम विभाग हर पेशे और शहर के लिए एक मानक वेतन तय करता है। उसी के आधार पर नौकरी को लेवल-1 से लेवल-4 में रखा जाता है। 70% एच-1 बी वीजा भारतीयों को मिलता है एच-1 बी वीजा क्या है- हाई स्किल्ड प्रोफेशनल्स जैसे डॉक्टर्स, इंजीनियर, सॉफ्टवेयर प्रोफेशनल्स को एच-1 बी वीजा जारी होता है। 1990 में अमेरिकी कांग्रेस में बिल के जरिए ये वीजा अस्तित्व में आया। ट्रम्प के आदेश का क्या असर- भारतीयों पर सबसे ज्यादा असर पड़ेगा, क्योंकि हर साल कुल जारी किए जाने वाले एच-1बी वीजा में से 70% भारतीय प्रोफेशनल्स को जारी किए जाते हैं। एच-1 बी वीजा की फीस कितनी- पहले फीस लगभग 9 हजार डॉलर थी, लेकिन सितंबर 2025 में ट्रम्प ने इसे बढ़ाकर लगभग 90 लाख रुपए कर दिया। इस वीजा की अवधि कितनी है- 3-3 साल के लिए दो बार जारी होता है।

कुल अवधि 6 साल के बाद आवेदक चाहे तो ग्रीन कार्ड यानी नागरिकता से पहले की स्टेज के लिए आवेदन कर सकता है। ट्रम्प का एच-1 बी वीजा पर 9 साल में कभी हां, कभी ना वाला रवैया रहा है। पहले कार्यकाल में 2016 में ट्रम्प ने इस वीजा को अमेरिकी हितों के खिलाफ कहा था। 2019 में इस वीजा का एक्सटेंशन सस्पेंड किया। पिछले महीने ही यू-टर्न लेते हुए कहा- हमें टैलेंट की जरूरत है। ट्रम्प ने एच-1 बी में बदलाव के अलावा 3 नए तरह के वीजा कार्ड लॉन्च किए थे।

इराक में ड्रोन हमले में फ्रांसीसी सैनिक की मौत, कई घायल; मैक्रों ने दी बड़ी चेतावनी

पेरिस, एजेंसी। पश्चिम एशिया में धधक रहा युद्ध अब खतरनाक रूप से फैलता नजर आ रहा है। लगातार हो रहे हमलों और जवाबी कार्रवाई ने पूरे क्षेत्र को बारूद के ढेर पर बैठा दिया है। इसी बीच इराक के कुर्द इलाके एरबिल में हुए घातक हमले ने हालात की गंभीरता और बढ़ा दी, जहां एक फ्रांसीसी सैनिक की मौत हो गई। इस बात की जानकीरी फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने शुक्रवार सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट के जरिए दी। मैक्रों ने इस हमले की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि यह हमला अस्वीकार्य है। उन्होंने मृतक सैनिक के परिवार और साथियों के प्रति गहरी संवेदना और एकजुटता व्यक्त की।

बता दें कि मृतक सैनिक की पहचान फ्रांस के 7वें अल्पाइन शासर बटालियन के वारंट ऑफिसर आर्नौ फ्रियोन के रूप में हुई है। राष्ट्रपति मैक्रों ने बताया कि इस हमले में कई अन्य फ्रांसीसी सैनिक भी घायल हुए हैं। उन्होंने कहा कि फ्रांस अपने सैनिकों और उनके परिवारों के साथ खड़ा है और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी कदम उठाए जाएंगे।

मैक्रों ने चेतावनी, दिए घातक संकेत : अपने पोस्ट में मैक्रों ने स्पष्ट किया कि फ्रांसीसी सैनिक 2015 से आईएसआईएस के खिलाफ लड़ाई में शामिल हैं और उनकी मौजूदगी केवल आतंकवाद के खिलाफ अभियान तक सीमित है। उन्होंने जोर देकर कहा कि ईरान में युद्ध या किसी अन्य क्षेत्रीय संघर्ष को इस हमले का औचित्य नहीं बनाया जा सकता।

आतंकवाद के खिलाफ फ्रांस की प्रतिबद्धता अडिग : राष्ट्रपति ने चेतावनी दी कि फ्रांस ऐसे हमलों को कभी बर्दाश्त नहीं करेगा और अपने सैनिकों के खिलाफ किसी भी हिंसक कार्रवाई का जवाब देने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि आतंकवाद से लड़ाई में फ्रांस की प्रतिबद्धता अडिग है और उनकी सेनाएँ पूरी जिम्मेदारी और साहस के साथ मिशन को जारी रखेंगी। रिपोर्ट के अनुसार एरबिल में तैनात फ्रांसीसी सैनिकों को निशाना बनाकर ड्रोन से हमला किया गया। इस हमले में पहले छह फ्रांसीसी सैनिक घायल हो गए थे। बाद में इलाज के दौरान उनमें से एक सैनिक की मौत हो गई। एरबिल में फ्रांस के सैनिक एक अंतरराष्ट्रीय सैन्य मिशन के तहत तैनात हैं। इस मिशन का उद्देश्य इराकी सेना की मदद करना और आतंकवादी संगठन इस्लामिक स्टेट के खिलाफ चल रही लड़ाई को मजबूत करना है। गौरतलब है कि फ्रांस समेत कई देशों की सेनाएं इस बहुराष्ट्रीय मिशन में शामिल हैं। ये सैनिक इराकी सुरक्षा बलों को प्रशिक्षण देने, खुफिया जानकारी साझा करने और आतंकवाद विरोधी अभियानों में सहयोग करने का काम करते हैं। इस हमले के बाद क्षेत्र में सुरक्षा को और कड़ा कर दिया गया है। साथ ही घटना की जांच भी शुरू कर दी गई है ताकि हमले के पीछे जिम्मेदार लोगों का पता लगाया जा सके।

सवानी बंधुओं का अमेरिका में महाघोटाला! हो सकती है 400 साल तक की जेल

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राज्य पेन्सिलवेनिया के रहने वाले दो भाइयों, भास्कर सवानी और अरुण सवानी को कई राज्यों में फैले एक बड़े संगठित अपराध (रैकेटियरिंग) और कई तरह की धोखाधड़ी के मामलों में दोषी ठहराया गया है। भास्कर सवानी पेशे से एक डेंटिस्ट (दंत चिकित्सक) हैं। इन दोनों ने मिलकर 'सवानी ग्रुप' की स्थापना की थी, जिसके जरिए इन्होंने धोखाधड़ी की कई योजनाओं को अंजाम दिया और करोड़ों डॉलर की अवैध संपत्ति जुटाई। अब उन पर 400 साल से ज्यादा की जेल की तलवार लटक रही है।

सवानी बंधु: इन संगीन अपराधों के लिए भास्कर सवानी को अधिकतम 420 साल और अरुण सवानी को 415 साल तक की जेल की सजा हो सकती है। इनकी सजा पर फैसला जुलाई 2026 में सुनाया जाएगा।

सह-आरोपी: इन भाइयों की एक सहयोगी, एलेक्जेंड्रा राडोमियाक को भी इस मामले में दोषी ठहराया गया है। उसे 40 साल तक की कैद और भारी जुर्माने की सजा का सामना करना पड़ सकता है।

काश पटेल से जुड़ी दिलचस्प घटना : इस मामले का एक बहुत ही रोचक पहलू यह है कि सवानी बंधु सोशल मीडिया पर एफबीआई डायरेक्टर काश पटेल से अपनी मुलाकातों की शेखी बघारते थे और उनके साथ तस्वीरें भी पोस्ट करते थे। यहां तक कि जब काश पटेल स्नब्बद्ध के डायरेक्टर बने, तो इन भाइयों ने इसका जश्न भी मनाया था। हैरानी की बात यह है कि उस समय वे खुद स्नब्बद्ध की रडार पर थे और उन पर साल 2023 में ही आरोप तय किए जा चुके थे। अमेरिकी न्याय विभाग के अनुसार, सवानी ग्रुप ने कई तरीकों से धोखाधड़ी को अंजाम दिया। ॥एच-1बी वीजा घोटालाः सवानी ग्रुप ने प्रशासन के पास फर्जी एच-1बी वीजा आवेदन और याचिकाएं दायर कीं। इनका मुख्य उद्देश्य उन भारतीयों को नौकरी पर रखना था जो पूरी तरह से सवानी ग्रुप पर निर्भर थे और फिर उनसे अवैध रूप से फीस वसूली जाती थी। जब सवानी ग्रुप के डेंटल क्लीनिकों का मेडिकेड इंश्योरेंस कॉन्ट्रैक्ट रद्द कर दिया गया, तो उन्होंने 'डमी' व्यापार मालिकों का इस्तेमाल करके धोखाधड़ी से नए कॉन्ट्रैक्ट हासिल किए। इस योजना के तहत उन्होंने मेडिकेड को 30 मिलियन डॉलर (करीब 3 करोड़ डॉलर) से अधिक का चूना लगाया। हेल्थकेयर धोखाधड़ीः इन्होंने मेडिकेड को फर्जी बिल सबमिट किए। इसके लिए उन्होंने किसी अन्य डेंटिस्ट के नेशनल प्रोवाइडर आइडेंटिफायर का इस्तेमाल किया, और वह भी उन तारीखों पर जब वह डेंटिस्ट अमेरिका में मौजूद ही नहीं था।

ट्रम्प का दावा: अमेरिकी हमले में घायल हुए मोजतबा खामेनेई, कोमा में चले गए

वाशिंगटन, एजेंसी। ईरान में सत्ता परिवर्तन और जारी युद्ध के बीच वहां के नए सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई के स्वास्थ्य को लेकर दुनिया में चर्चा हो रही है। अमेरिका ने दावा किया है कि खामेनेई पर भी अमेरिकी बलों ने हमला किया है। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संकेत दिया है कि मोजतबा खामेनेई जीवित तो हो सकते हैं, लेकिन वे गंभीर रूप से घायल हैं। यह बयान ऐसे समय में आया है जब मोजतबा ने पद संभालने के बाद से अब तक एक बार भी सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आए हैं। फॉक्स न्यूज रेडियो पर ब्रायन किलमीड शो को दिए एक इंटरव्यू में राष्ट्रपति ट्रंप ने मोजतबा खामेनेई की सेहत पर अपनी पहली प्रतिक्रिया दी। जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्हें लगता है कि नया ईरानी नेता जीवित है तो ट्रंप ने कहा, 'मुझे लगता है कि वह शायद जीवित है।' हालांकि उन्होंने आगे कहा, 'मुझे लगता है कि वह घायल है, लेकिन वह शायद किसी न किसी रूप में जीवित है। '

ब्रिटिश अखबार का भी दावा : ट्रंप की यह टिप्पणी उन खुफिया रिपोर्टों की ओर इशारा करती है जिनमें दावा किया जा रहा है कि 28 फरवरी को जिस हवाई हमले में आयतुल्ला अली खामेनेई मारे गए थे, उसमें मोजतबा भी गंभीर रूप से घायल हुए थे। ब्रिटिश अखबार 'द सन' की रिपोर्टों ने मोजतबा की हालत को लेकर चौंकाने वाले दावे किए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, मोजतबा खामेनेई वर्तमान में कोमा में हैं। हमले में उन्होंने अपना कम से कम एक पैर खो दिया है और उनके पेट या लीवर को भी गंभीर क्षति पहुंची है। बताया जा रहा है कि तेहरान के सीना यूनिवर्सिटी अस्पताल में भारी सुरक्षा के बीच उनका इलाज चल रहा है। मोजतबा खामेनेई की ओर से ईरानी सरकारी टेलीविजन पर एक बयान जारी किया गया, लेकिन इसे स्वयं नेता ने नहीं पढ़ा, बल्कि एक एंकर द्वारा पढ़कर सुनाया गया। इस बयान में अमेरिका को कड़ी चेतावनी दी गई है। मोजतबा ने मांग की है कि क्षेत्र में सभी अमेरिकी सैन्य ठिकाने तुरंत बंद किए जाएं, अन्यथा उन पर हमले किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि ईरान इस 'थोपे गए युद्ध' के लिए दुश्मन से हर्जाना लेगा। यदि दुश्मन इनकार करता है तो ईरान उनकी संपत्तियों को जब्त करेगा या उसी मूल्य की संपत्ति को नष्ट कर देगा। कई मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि ईरान के नए सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई गंभीर रूप से घायल हैं और कोमा में हैं। ब्रिटिश मीडिया द सन की रिपोर्ट के मुताबिक 28 फरवरी को अमेरिका-इजराइल के हमले में घायल होने के बाद उन्हें तेहरान के सिना यूनिवर्सिटी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि उनकी हालत बेहद गंभीर है। रिपोर्ट के मुताबिक हमले में चोट इतनी गहरी थी कि उनका एक पैर काटना पड़ा और लिवर को भी गंभीर नुकसान पहुंचा है। अस्पताल के एक हिस्से को पूरी तरह सील कर दिया गया है।

न्याय से कोसों दूर अफ़ग़ान महिलाएँ, पुरूषों की तुलना में 4 गुना कम पहुँच

©Pexels

काबुल, एजेंसी। अफ़ग़ानिस्तान में न्याय की तलाश कर रही महिलाओं के लिए चुनौतीपूर्ण स्थिति बरक़रार है और औपचारिक न्यायिक तंत्रों तक उनके पहुँच पाने की सम्भावना, पुरुषों की तुलना में चार गुना कम हो गई है. अफ़ग़ानिस्तान में संयुक्त राष्ट्र मिशन के एक नए अध्ययन में स्पष्ट किया गया है कि देश में महिलाओं के पास अब विवादों के समाधान या दुर्व्यवहार करने वालों की जवाबदेही तय करने के लिए सुरक्षित और कारगर रास्ते नहीं बचे हैं. रिपोर्ट के अनुसार, केवल 14 प्रतिशत महिलाओं ने बताया कि विवादों के निपटारे के लिए उनकी ज़रूरी सेवाओं तक पहुँच है, जबकि पुरुषों में यह आँकड़ा 53 प्रतिशत है.

यह एक बड़ा अन्तर है, जोकि देश में लैंगिक असमानता की गम्भीर स्थिति को उजागर करता है. महिला सशक्तिकरण के लिए यूएन संस्था, अफ़ग़ानिस्तान में यूएन मिशन और अन्तरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन द्वारा दिसम्बर 2025 में देश भर में परामर्श सेवाओं के आधार पर ये निष्कर्ष साझा किए गए हैं.परामर्श में शामिल आधे से अधिक संख्या में महिलाओं ने कहा कि पिछले एक वर्ष में औपचारिक न्याय तंत्र तक उनकी पहुँच और अधिक ख़राब हुई है.

महिला अधिकारों का हननयह रिपोर्ट, उन महिलाओं व लड़कियों के लिए संकट की गहरी तस्वीर पेश करती है, जिन्हें अफ़ग़ानिस्तान में तालेबान शासन के दौर में पहले से ही व्यापक प्रतिबन्धों का सामना करना पड़ रहा है.रिपोर्ट के अनुसार, विवादों के निपटारे के लिए जिरगा और शूरा जैसी अनौपचारिक व्यवस्थाओं तक भी महिलाओं की पहुँच काफ़ी कम नज़र आई है. ये स्थानीय बुज़ुर्गों की पारम्परिक परिषदें होती हैं और विवादों में मध्यस्थता करती हैं.इस स्थिति के कारण महिलाओं के लिए विवाद सुलझाने या सुरक्षा पाने के अवसर और सीमित हो गए हैं.यूएन मिशन की कार्यवाहक प्रमुख और महासचिव की विशेष उप-प्रतिनिधि जॉर्जेट गैगनॉन ने कहा, 'जब समाज के बड़े हिस्से को विवाद सुलझाने या सुरक्षा पाने में बाधाओं का सामना करना पड़ता है, तो इससे संस्थानों पर लोगों का भरोसा कमज़ोर होता है... 'कौन है ज़िम्मेदार?रिपोर्ट के अनुसार, महिलाओं ने इस स्थिति के लिए मुख्य रूप से सत्तारूढ़ तालेबान शासन को ज़िम्मेदार ठहराया है, जिसने कथित तौर पर महत्वपूर्ण संस्थागत और क़ानूनी व्यवस्थाओं को निलम्बित कर दिया है.इनमें महिला मामलों के मंत्रालय और अफ़ग़ानिस्तान के स्वतंत्र मानवाधिकार आयोग को बन्द करना भी है.साथ ही, क़ानूनी क्षेत्र से महिला पेशेवर कर्मियों को बाहर किए जाने और महिलाओं के लिए विशेष न्याय सेवाओं के समाप्त होने से स्थिति और कठिन हो गई है. इस दबाव को, तालेबान द्वारा इस वर्ष जारी उस 'आदेश संख्या 12' ने और बढ़ा दिया है, जो अधिकारियों की आलोचना को अपराध मानता है और इसके तहत क़ैद या शारीरिक दंड सहित अन्य सज़ा दी जा सकती है. उ यूनिसेफ/सैयद बिदेल तालेबान ने, विभिन्न उम्र की लड़कियों की शिक्षा पर भी अनेक तरह की पाबन्दियाँ लगाई हैं. क्या है समाधान?न्याय पर परामर्श में भाग लेने वाले प्रतिभागियों ने ज़ोर देकर कहा है कि न्याय तक महिलाओं की पहुँच को सुनिश्चित करने के लिए संस्थागत व्यवस्थाओं की आवश्यकता हैं और महिला-केन्द्रित तथा महिला-नेतृत्व वाली विवाद निपटान प्रणालियों की पुनर्स्थापना की जानी चाहिए. उन्होंने समुदाय स्तर पर केवल महिलाओं की समितियाँ बनाने, साथ ही महिलाओं के लिए गोपनीय परामर्श सेवाएँ और सुलभ सहायता केन्द्र स्थापित करने की भी आवश्यकता बताई, जहाँ उन्हें क़ानूनी, मनोसामाजिक और सुरक्षा से जुड़ी सहायता मिल सके।

हाथों में छिपे हैं बीमारियों के राज

हाथ सिर्फ तकदीर का हाल नहीं बताते, बल्कि बीमारियों का भी पता देते हैं। नए शोधों इस बात का खुलासा हुआ है कि आपके सेहत से जुड़ी बहुत-सी जानकारियां आपके हाथों, उसकी त्वचा और नाखूनों के आकार-प्रकार तथा रंगत में छिपी होती हैं। महिलाओं की हथेली बता सकती है कि उसे गर्भाशय के कैंसर का खतरा कितना है। 74 साल की एक महिला डॉक्टर के पास पहुंची। उसकी हथेलियों पर एक सख्त गांठ जैसी चीज उभरी हुई थी। शुरूआती जांच में महिला में कोई गड़बड़ी नहीं दिखाई दी, लेकिन जब उसकी गहन जांच की गई तो पता चला कि महिला को गर्भाशय का कैंसर है। डॉक्टरों के मुताबिक हथेली पर उभरने वाले सख्त मांस पिंड के बारे में मेडिकल दस्तावेज खंगाले गए तो पता चला कि यह उभार गर्भाशय कैंसर के शुरूआती संकेत हैं।

हाथों को देखकर व्यक्ति के स्वास्थ्य के बारे जानकारियां जुटाने की मुहिम में जुटे डॉ. ग्राहम एस्टन ने बताया, 'जब भी मैं अपने मरीजों से मिलता हूं, सबसे पहले उनसे हाथ मिलाता हूं। उसके हाथ उनकी सेहत संबंधी जानकारियों से भरे-पूरे होते हैं।' यही वजह है कि अब बहुत सारे डॉक्टर हाथों की बनावट और स्किन के टैक्चर के आधार पर रोग के बारे में अपनी राय कायम करते हैं और फिर उसी दिशा में डाइगनोसिस प्रक्रिया को शुरू करते हैं। ब्रिटेन और अमेरिका के डॉक्टर इस विधि को निदान की प्रक्रिया से जोड़ने के लिए विभिन्न मेडिकल काउंसिलों से बात कर रहे है।

लंदन के कुछ डॉक्टरों ने हाथ के रंग, त्वचा की बनावट को आधार बनाकर एक चार्ट तैयार किया है, जो यह बताता है कि अमुक दशा में यह रोग होने की आशंका रहती है।

लालिमा लिए हथेली :

इस तरह की हथेली डॉक्टर को लिवर के बारे में काफी जानकारियां दे सकती है। लाल हथेलियों का यह कतई मतलब नहीं है कि किसी के शरीर में काफी खून है, बल्कि इस बात की आशंका व्यक्त करता है कि उसको लिवर सिरोसिस हो सकती है। सिरोसिस का मतलब होता है लिवर के ऊतकों का क्षरण। बहुत ज्यादा शराब पीने से सिरोसिस का अंदेशा रहता है। यह अन्य कारणों से भी हो सकती है, जैसे हेपेटाइटिस-सी या दूषित जल का लगातार सेवन।

चर्बीयुक्त उंगलियों के जोड़ :

उंगलियों के जोड़ों पर यदि पिंडनुमा मांस जमा हो जाए तो यह शरीर के भीतर उच्च श्रेणी के कोलेस्टेरोल के जमा होने का सूचक है। ब्रिटिश हार्ट फाउंडेशन में कार्डियक नर्स एलेन मैसन के मुताबिक वर्षों तक नसों में वसा जमा होता रहता है और बाद में पिंड के रूप में उभर आता है। उन्होंने बताया कि ऐसे लोगों के रक्त में जन्म से ही उच्च कोलेस्टेरोल रहता है और इनमें से कई कम उम्र में ही अकाल मृत्यु के शिकार हो जाते हैं।

स्पून नेल्स :

हममें से बहुतों के उत्तल या उभरे हुए नाखून होते है, किसी गेंद जैसी गोलाई लिए हुए, लेकिन यदि आपके नाखूनों के बीच में गड्ढा है तो यह इस बात का संकेत है कि आपके शरीर में आयरन की कमी है। ऐसे लोगों में खून की कमी भी हो सकती है। डॉक्टरों का कहना है कि रक्त की कमी से नाखून टेढ़े-मेढ़े और खुरदुरे हो जाते हैं।

घुमावदार उंगलियां :

यदि किसी की उंगलियों के पोर वक्राकार हैं तो भयंकर बीमारियों, कैंसर या टीबी के संकेत हो सकते हैं। आज से कोई 2000 साल पहले अनुमान पर आधारित चिकित्सा करने वाले नीम हकीम घुमावदार पोर देखकर लोगों को जानलेवा बीमारियों के प्रति सचेत करते थे, लेकिन लीड्स विश्वविघालय के वैज्ञानिकों ने अब जाकर इसे सही पाया है। यह पीजीई 2 नाम के एक पदार्थ के फेफड़ों के आसपास जमा होने से होता है, जो बाद में चलकर कई तरह की बीमारियों की वजह बनता है। शरीर के बाहर यही पदार्थ उंगलियों के पोरों में जमा होता है, जिससे सूजन आती है।

नीली उंगलियां :

किसी व्यक्ति के रक्त में आक्धसीजन की मात्रा कितनी है, इसे जानने के लिए डॉक्टर उस व्यक्ति के नाखूनों, पैर के पंजों और होंठ का निरीक्षण करते हैं। शरीर के इन हिस्सों के गुलाबी होने का मतलब है, अच्छा ब्लड सर्कुलेशन, लेकिन इनके नीले होने का मतलब है कि शरीर को पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं मिल रही है।

डॉक्टरों ने कुछ और मेडिकल संकेतों का जिक्र किया है। यदि नाखूनों पर नन्हे उभार हैं तो इसे गठिया होने का संकेत माना जाए। अगर नाखून पोरों की आर से सफेद या पीले हैं और त्वचा के पास आकर भूरे-से हो जाते हैं तो इसे भविष्य में किडनी फेल होने की चेतावनी माना जाए। हथेलियों से पसीने आने का अर्थ है थाइरॉइड का खतरा।

हेल्थ प्लस

सर्दी-जुकाम छूं-छूं...सूं-सूं....

कैसे फैलते हैं

सर्दी-जुकाम वायरस की वजह से होते हैं, किंतु ये कई माध्यमों से फैलते हैं। सर्दी लगना राइनोवायरस के कारण होता है। यह वायरस तीन घंटों तक किसी ठोस सतह पर सक्रिय रह सकता है जैसे दरवाजे की कुंडी या टेलीफोन के रिसीवर पर। इस तरह से यह हाथ द्वारा फैलता है। जुकाम का वायरस हवा द्वारा तब फैलता है, जब रोगी बातचीत करे, जम्हाई ले या खांसे। यह वायरस 10 मिनट तक हवा में सक्रिय रहता है।

रोकथाम

- सर्दी का वायरस हमारे शरीर को म्यूकस मैम्ब्रेन के जरिए प्रभाव डालता है। इस लिए अपनी नाक व आंखों को मसलें नहीं तथा मुंह के भीतर हाथ न डालें। सर्दी से बचने का सबसे बेहतर तरीका यह है कि वायरस को अपने हाथों से दूर रखें।
- सर्दियों के दस्तक देते ही जब आपको सर्दी के सिग्नल मिलने लगें, जैसे गला जाम लगे या नाक भारी होने लगे तो फिर रोजाना विटामिन-सी की खुराक लेना आरंभ कर दें। यह खुराक 250 एमजी से 500 एमजी तक हो सकती है।

शिशुओं को न दें अधिक आयरन, हो सकता है नुकसान

यह आम धारणा है कि आयरन (लौह) हमारे शरीर के लिए आवश्यक है। आमतौर पर बच्चों के कमजोर होने पर अभिभावक उसे आयरन की दवा देने के बारे में सोचने लगते हैं लेकिन नहीं, जरा ठहरिए। न्यूयार्क में किए गए एक नए शोध से यह सामने आया है कि शिशुओं को अधिक मात्रा वाली आयरन की दवा देना नुकसानदेह हो सकता है। मिशीगन विश्वविघालय की प्रोफेसर और प्रमुख शोधकर्ता बीटसे लोजफ ने कहा, हमारे शोध के परिणाम चौंकाने वाले हैं। अमेरिका में आमतौर पर बच्चों को आयरन की कमी से बचाने वाली जो दवाएं आती हैं, वह सभी 12 एमजी की होती हैं जबकि यूरोप में अपेक्षाकृत कम मात्रा वाली दवा का इस्तेमाल किया जाता है। विश्वविघालय ने दस साल तक के 494 बच्चों पर शोध किया और पाया कि जिन बच्चों को 12 एमजी वाली दवाएं दी गईं उनका शारीरिक विकास उन बच्चों की तुलना में कम हुआ जिन्होंने कम मात्रा वाली दवा ली थी। लोजफ ने कहा, मेरे लिए परिणाम चौंकाने वाले थे। मैंने सोचा था कि 12 एमजी दवा लेने वाले बच्चो ज्यादा विकास करेंगे लेकिन हुआ इसका उल्टा। गौरतलब है कि इन निष्कर्षों का बच्चों के लिए विभिन्न खाघ सामग्री बनाने वाले कंपनियों पर बुरा असर पड़ सकता है।

बिच्छू के जहर से होगा कैंसर का इलाज

बिच्छू के जहर से ब्रेन कैंसर के इलाज में मदद मिल सकती है। फिलहाल वैज्ञानिक इसका परीक्षण कर रहे हैं। अभी तक के शोध के मुताबिक न्यूरोटाक्सिन का एक मिश्रण कुछ ट्यूमर कोशिकाओं को बांधे रखते हैं, जबकि स्वस्थ कोशिकाओं पर इनका कोई प्रभाव नहीं पड़ता। पेप्टाइड वे कण होते हैं जो एमीनो एसिड के साथ मिलकर प्रोटीन का मार्ग अवरूद्ध करते हैं। प्रयोग में यह पाया गया है कि इसमें मौजूद कण स्तन के त्वचा, ब्रेन और फेफड़े के ऊतकों के ट्यूमर पर आक्रमण करते हैं लेकिन स्वस्थ कोशिकाओं को नुकसान नहीं पहुंचाते। न्यू साइंटिस्ट मैग्जीन के मुताबिक पिछले साल हुए एक परीक्षण के दौरान वैज्ञानिकों कई लोगों के शरीर में ट्यूमर पर इसकी दवा टीएम 601 को इजेंक्ट किया। हालांकि अधिकतर मरीजों की इस दौरान मौत हो गई थी लेकिन जिन लोगों को इसकी ज्यादा मात्रा दी गई वह औसतन तीन माह ज्यादा जीवित रहा। यह दवा शरीर के किसी भी हिस्से में मौजूद ट्यूमर के खात्मके लिए कारगर हो सकती है।

नुकसानदेह भी है विटामिन-सी

वैज्ञानिकों ने चेताया है कि विटामिन-सी सप्लीमेंट्स का ज्यादा इस्तेमाल कैंसर की दवाओं के असर को कम कर देता है। इस बारे में किए गए शोध से पता चला कि विटामिन-सी देने से कैंसर के सेल्स पर दवा का असर 70 फीसद तक कम हो जाता है। चूहों पर किए गए प्रयोग से इस बात का भी खुलासा हुआ कि विटामिन-सी की वजह से ट्यूमर का विकास तेज हो जाता है। कैंसर रिसर्च जनरल में प्रकाशित लेख के मुताबिक कीमोथैरेपी के दौरान यदि विटामिन-सी के सप्लीमेंट्स दिए जाते हैं तो इससे कैंसर के जानलेवा सेल्स की दवा प्रतिरोधी क्षमता बढ़ जाती है। डॉ. मार्क हीने ने एक चूहे में मानव कैंसर के सेल्स इंजेक्ट किए। इसके बाद कीमोथैरेपी देने से दो घंटे पहले चूहे को विटामिन-सी का सप्लीमेंट दिया गया तो शोध दल ने पाया कि कैंसर सेल्स का विकास तेज हो गया था।

एस्पिरिन घटाती है स्तर कैंसर का खतरा!

आमतौर पर दर्द के लिए ली जाने वाली जाने वाली एस्पिरिन का एक बड़ा फायदा सामने आया है। एस्पिरिन महिलाओं में स्तन कैंसर के खतरे को घटाने की कारगर दवा है। एक महत्वपूर्ण शोध में यह दावा किया गया है। अपने तरह के इस बड़े मेडिकल रिव्यू में कहा गया है कि इस पेनकिलर की नियमित खुराक लेने से महिलाओं में स्तन कैंसर का खतरा 13 फीसद तक कम हो जाता है। इसी तरह की एक अन्य दवा आइबूप्रोफीन भी स्तन कैंसर से निपटने में कारगर है। यह भी स्तन कैंसर के खतरे को 21 फीसद तक कम कर देती है।

परीक्षण में यह बात सामने आई है कि एस्पिरिन और अन्य जलन निरोधक गोलियां केवल दर्द ही कम नहीं करती, स्तन कैंसर के विषाणु से रक्षा भी करती हैं। यह रिपोर्ट नेशनल कैंसर इस्टीट्यूट के जनरल में प्रकाशित हुई है। इसमें 27 लाख महिलाओं के ऊपर किए गए 38 विभिन्न शोधों का हवाला दिया गया है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि जो महिलाएं नॉन-स्टेराइडल एंटी इनफ्लामेट्री (एनएसएआईडी) दर्द निवारक लेती हैं, उनमें आम महिलाओं की अपेक्षा जीवन भर में स्तनकैंसर होने का खतरा 12 फीसद तक कम हो जाता है। एक अलग विश्लेषण में यह कहा गया है कि एस्परिन से यह खतरा 13 फीसद तक कम हो जाता है जबकि आइबूप्रोफीन इसका खतरा 21 फीसद तक घटा देती है। यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रिटिश कोलंबिया, वैंकोवर कोस्टल हेल्थ रिसर्च इंस्टीट्यूट और यूनिवर्सिटी ऑफ सेंटडियागो डि कैंपोसटेला ने संयुक्त रूप से यह निष्कर्ष जारी किए हैं। ब्रिटेन में 12 फीसद महिलाओं को स्तन कैंसर होने का खतरा बना रहता है। इस शोध के बाद इस तरह के मामलों का स्तर दस फीसद के पास लाया जा सकता है। हालांकि इस रिपोर्ट के बाद लाखों महिलाओं में स्तन कैंसर से निजात पाने की आशा जगी है फिर भी अभी इसके परीक्षणों का चरण शेष है। दरअसल, जिन महिलाओं पर यह शोध किया गया, उनमें से अधिकतर दूसरी बीमारियों से भी पीड़ित थीं और अन्य दवाइयां भी ले रहीं थीं। उनकी दिनचर्या और खानपान आम महिलाओं से भिन्न था।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष चू चे चो ला ली लू ले लो आ

अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। आय-व्यय की स्थिति समान्य रहेगी। शुभांक-5-7-8

वृष इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। दूसरों के कार्यों में अनावश्यक हस्तक्षेप न करें। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। एकाकी प्रवृति का त्याग करें। यात्रा न करें। शुभांक-4-6-7

मिथुन का की कू घ ड छ के को हा

शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। शुभांक-4-6-8

कर्क ही हू हे हो डा डी डू डे डो

नये-नये व्यापारिक अनुबंध होंगे। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। हरि करे सो खरी इसीलिए पूरे मनोयोग से कार्य करें। शुभांक-3-6-9

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे

कार्यक्षेत्र में खुशनुमा माहौल बनेगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अतःआलस्य का त्याग करें। शुभांक-4-6-8

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। धार्मिक कार्य शुभ रहेगा। शुभांक-2-4-6

तुला रा री रु रे रो ता ती तू ते

योजना क्रियान्वन के लिए समय अच्छा व सकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। सफलता मिलेगी। सुनियोजित तरीके से कार्यारम्भ करें। शुभांक-3-6-7

वृश्चिक तो ना नी नू ने नो य यी यू

व्यवसाय में प्रतिद्वंद्वी परेशान कर सकते हैं। समय व्ययकारी सिद्ध होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। दिमाग में निर्मूल तर्क-कुतर्क पैदा होंग। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-2-5-7

धनु ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। धार्मिक यात्रा का योग बना है। शुभांक-2-5-7

मकर भे जा जी खी खू खे खो गा गी

मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। पुराने मित्र के कारण कार्य बाधा हटेगी। शुद्ध गोचर का लाभ। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। शुभांक-3-6-8

कुंभ गू गे गो सा सी सू से सो दा

मनोरंजन के साधनों पर धन-व्यय होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंग। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। शुभांक-6-8-9

मीन दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। जान-पहचान का दायरा बढ़ेगा। शुभांक-5-8-9

काकुरो पहेली - 2608

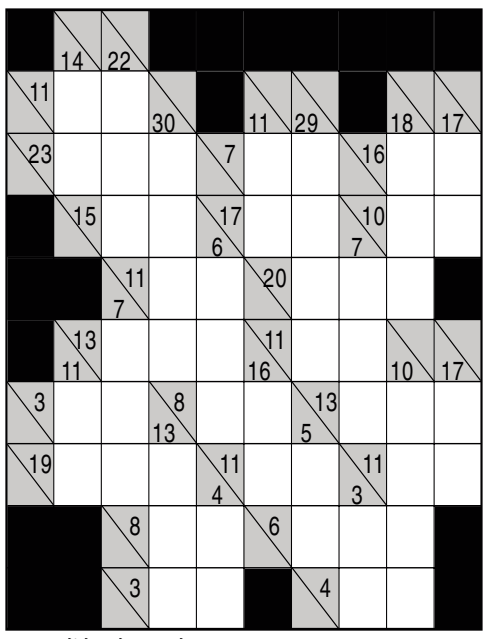

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

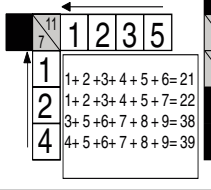

काकुरो - 2607 का हल

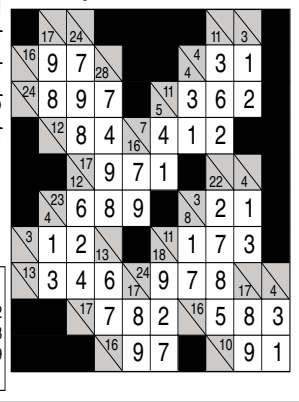

लॉफिंग ज़ोन

प्रेमिका : मेरे होंठ गुलाब की पंखुड़ी जैसे हैं ना।

प्रेमी : हाँ।

प्रेमिका : मेरी आँखें कमल के फूल जैसी हैं ना?

प्रेमी : हाँ।

प्रेमिका : मेरी आवाज कोयल जैसी है ना?

प्रेमी : हाँ।

प्रेमिका : मेरी चाल मोरनी जैसी है ना?

प्रेमी : हाँ।

प्रेमिका : ओह! तुम कितनी अच्छी बातें करते हो।

□ □ □

एक दिलफेंक आशिक ने एक युवती को पकड़ा और सरेआम किस कर दिया।

युवती बोली- तुमने ये क्या किया?

युवक- तो इसे कहते हैं डायरेक्ट मार्केटिंग।

युवती ने युवक का कॉलर जोर से पकड़ा और खींचकर एक जोर का चाँटा रसीद कर दिया।

युवक- अब ये क्या था?

युवती- इसे कहते हैं कस्टमर फीडबैक।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 2608

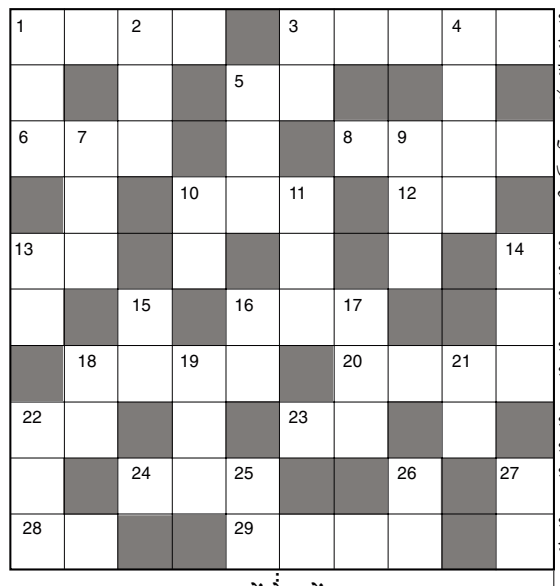

बायें से दायें:-

१. अक्षय खन्ना, करीना की प्रियदर्शन निर्देशित एक कॉमेडी फिल्म-४
३. 'झिलमिल सितारों का आँगन' गीत वाली धर्मेन्द्र, राखी की फिल्म-३,२
५. अजय, नाना, फरदीन, उर्मिला, रेखा की 'ये सर्द आहें' गीत वाली फिल्म-२
६. 'जिस दिल में बसा था प्यार तेरा' गीत वाली प्रदीपकुमार, कल्पना की फिल्म-३
८. सुनीलदत्त, नूतन की 'बड़ी देर भई नंदलाला' गीत वाली फिल्म-४
१०. 'पर्दे में रहने दो' गीत वाली धर्मेन्द्र, संजीवकुमार, आशा पारेख की फिल्म-३
१२. 'सीता और गीता' में संजीव के साथ वाली हेमामालिनी के पात्र का नाम-२
१३. 'शिकदुम शिकदुम' गीत वाली अभिषेक, उदय चोपड़ा, जॉन अब्राहम, ईशा देओल, रिमी सेन की फिल्म-२
१६. विकास भल्ला, काजोल की 'मेरे चेहरे पे लिखा है' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'आने वाला पल जाने' गीत वाली अमोल पालेकर, बिंदिया की फिल्म-४
२०. जैकी, मोहसिन खान, नीलम की 'एक तू ही मेरा' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'तेरा काम है जलना' गीत वाली राज कपूर और नर्गिस की फिल्म-२
२३. शाहरूख, चंद्रचूड़, ऐश्वर्या, प्रिया की 'मेरे खयालों की' गीत वाली फिल्म-२
२४. सुदर्शन नाग निर्देशित सनी देओल, नीलम की १९९१ की एक फिल्म-३
२८. जैकी श्रॉफ, रति की 'जितना कभी किसी ने' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'हम भूलेंगे' गीत वाली अमिताभ, अरशद, करिश्मा की फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१.शॉवरअली, तरूण अरोड़ा, मेघना की फिल्म-३
२. 'भागे रे मन' गीत वाली फिल्म-३
३. सनी, सलमान, करीश्मा, तब्बू की फिल्म-२
४. अमिताभ, दीपक, डिम्पल, करिश्मा की 'कभी खुशियों की' गीत वाली फिल्म-४
५. 'तेरे नाम' में सलमान की नायिका थी-३
७. कमल हासन, शाहरूख, रानी की फिल्म-१,२
९. 'जिंदगी इम्तिहान' गीत वाली अमिताभ, संजीव, ऋषि, हेमा, शर्मिला की फिल्म-३
१०. नागार्जुन, अमला की एक फिल्म-२
११. सुनील शेट्टी, रवीना, करिश्मा, की फिल्म-३
१३. संजय सूरी, रेवती, गुल पनाग की 'बेनाम सा ये दर्द' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'तुम ने दी आवाज' गीत वाली फिल्म-३
१५. सनी, अजय जडेजा, सेलिना की 'तुमको कितना है' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'इस टूटे दिल' गीत वाली फिल्म-२
१७. राजेंद्रकुमार, शर्मिला टैगोर की एक फिल्म-३
१८. 'अकेले ही अकेले चला' गीत वाली दिलीपकुमार, सायरा बानो की फिल्म-२
१९. आयूब खान, आयशा जुल्का की फिल्म-३
२१. 'ऐ मेरी जिंदगी' गीत वाली जॉन अब्राहम, तारा शर्मा की फिल्म-२
२२. राजकुमार, मीना की 'ठाड़े रहियो ओ बांके यार' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'मुझे तेरे जैसी' गीत वाली फिल्म-२
२६. मनोज बाजपेयी, अरशद, तब्बू, शीबा की फिल्म-२
२७. 'कैसे कटे दिन' गीत वाली राजेश खन्ना, गोविंदा, जूही, माधवी की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2607

पि	या	का	घ	र		ए	ल	ओ	सी
ता	रा		र		घा	त		म	
	ना	च		चाँ		रा	खी		फ
रे		मे	हं	दी		ज		खा	की
श	मीं	ली		सो	च		श		रा
नी			ब	ना	र	सी	बा	बू	
	ग	द	र		स		ना	म	
बा	ज		सा	थी		मि			अं
जा	ल		त		दि	ल	का	रा	जा
र		माँ		मि	ल	न			म

सूडोकु -2608

4							1	8
			6	7				2
			8					
	8	5						
	2			1			7	
						3	5	
					5			
1				4	7			
9	6							4

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2607 का हल

1	9	7	4	8	6	2	3	5
4	5	3	9	1	2	7	6	8
2	6	8	7	3	5	9	1	4
5	3	1	2	7	9	4	8	6
9	2	4	8	6	1	5	7	3
7	8	6	5	4	3	1	9	2
3	4	9	6	2	7	8	5	1
6	7	2	1	5	8	3	4	9
8	1	5	3	9	4	6	2	7

शब्द पहेली - 2608

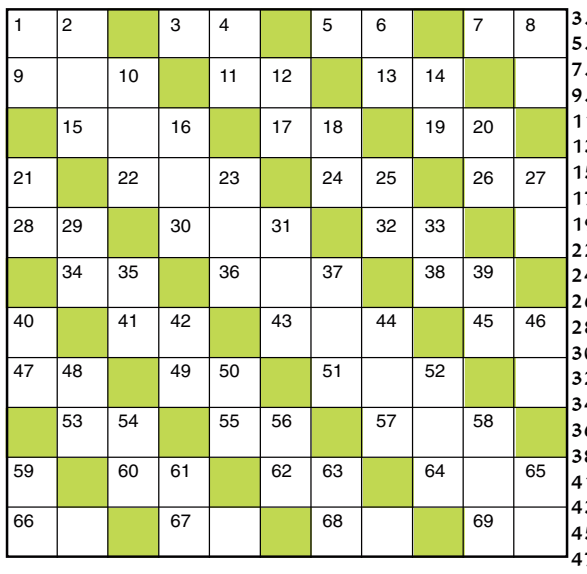

बाएँ से दाएँ

1.बलगम-2
3.जाप,मंत्र पाठ-2
5.काया,बदन-2
7.ठाठ-बाट-2
9.गिरावट,अवनति-3
11.बुरी आदत-2
13.सदं,अच्छा-2
15.बंदर-3
17.अपशिष्ट पदार्थ-2
19.थोड़ा-2
22.दबाना,कुचलना-3
24.शारीरिक ऊंचाई-2
26.आम जनता-2
28.पिता के पिता-2
30.पक्षाघात,फालिज-3
32.मनमौजी,अलमस्त-2
34.नवीन-2
36.लोच-3
38.गाड़ी,घोड़ागाड़ी-2
41.बीता हुआ दिन-2
43.लेखनी,पेन-3
45.अधर-2
47.रांझा की प्रेमिका-2
49.अप्सरा,परी-2
51.गर्भ,कोख-3
53.दंड,शिक्षा -2
55.पाश,फंदा-2
57.परखना-3
60.वोट,अभिप्राय-2
62.हत्या-2
64.तिरस्कृत-3
66.शराब-2
67.उद्देश्य-2
68.टूंटी,नलका-2
69.आनंद-2

ऊपर से नीचे

1.प्याला-2
2.धर्म आदेश-3
4.क्षण,लमहा-2
6.गगन,आकाश-2
8.सरुर,खुमार-2
10.पति की बहन-3
12.अंधकार-2
14.शर्म,लज्जा-2
16.पासों से भविष्य जानने की विद्या-3
18.भाग्य (अंग्रेजी-2)
20.रहस्य-2
21.कुर्बान-2
23.अनुकृति-3
25.जोर,बल-2
27.नाखून-2
29.दक्षिणा-2
31.पढ़ने वाला-3
33.परत-2
35.भैंस जैसा एक प्राणी-2
37.झगड़ा-3
39.भूमि,धरा -2
40.राहगीर-2
42.रक्त-2
44.मां का प्रेम-3
46.दम-2
48.आनंद-2
50.छुट्टी-2
52.झगड़ना-3
54.प्याला-2
56.प्यार-2
58.असफल-3
59.यमराज-2
61.पैंदा-2
63.संपत्ति-2
65.सम्राट-2

शब्द पहेली -2607 का हल

	य	ती	म	खा	ना		म	हा	वी	र
क	क्ष		हा		ना	ह	क		र	म
हा		ना	न	सें	स		र	मा		जा
नी	र	व	ता		सु	र		न	म	न
का		खे		अ	र	क्त			सी	
र	वा	ना	हो	ना		पा	ल	न	हा	र
	ह			चा	ह	त		का		च
का	न	न		र	म		ब	र	सा	ना
म		र	ज		स	का	र	ना		का
धा	र		खि	ला	फ		स		भो	र
म	स	ख	रा		र	म	ता	जो	गी	

इजराइल में हैं यूपी के 6004 श्रमिक, सभी के सुरक्षित होने का दावा

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश सरकार ने कहा है कि इजराइल में कार्यरत राज्य के निर्माण श्रमिकों की कुशलक्षेम पर लगातार नजर रखी जा रही है और वर्तमान में किसी प्रकार की चिंता की स्थिति नहीं है। प्रमुख सचिव, श्रम एवं सेवायोजन डॉ. एमके शनुगा सुन्दरम् ने बताया कि उत्तर प्रदेश के कुल 6004 निर्माण श्रमिक इजराइल में विभिन्न निर्माण कंपनियों में कार्यरत हैं। इन श्रमिकों का चयन राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) और इजराइल की सरकारी संस्था पीबा (पापुलेशन, इमीग्रेशन एंड बार्डर अथारिटी) के माध्यम से किया गया था और वर्ष 2024 के दौरान उन्हें इजराइल भेजा गया था। उन्होंने बताया कि ये सभी श्रमिक इजराइल की अलग-अलग निर्माण परियोजनाओं में नियमित रूप से कार्य कर रहे हैं। राज्य सरकार उनके कुशलक्षेम पर लगातार निगरानी बनाए हुए है और इस संबंध में भारत सरकार तथा भारतीय दूतावास से निरंतर संपर्क रखा जा रहा है। इजराइल में भारत के राजदूत जेपी सिंह ने भी राज्य सरकार को अवगत कराया है कि स्थिति नियंत्रण में है और दूतावास लगातार श्रमिकों के संपर्क में है। फिलहाल किसी श्रमिक ने भारत लौटने को लेकर चिंता व्यक्त नहीं की है। दूतावास ने आपात स्थिति के लिए 24 घंटे की हेल्पलाइन और ईमेल सुविधा भी जारी की है, जिसके माध्यम से भारतीय नागरिक सहायता प्राप्त कर सकते हैं।

ड्रोन से गिराया गया संदिग्ध पैकेट, इलाके में हड़कंप

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू के आर.एस. पुरा सेक्टर में भारत-पाकिस्तान अंतर्राष्ट्रीय सीमा के पास सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को एक संदिग्ध खेप बरामद हुई है। गुरुवार को देर रात लगभग 11:00 बजे, आर.एस. पुरा सेक्टर में भारत-पाकिस्तान अंतर्राष्ट्रीय सीमा के पास बीएसएफ द्वारा एक संदिग्ध पैकेट बरामद की गई है। माना जा रहा है कि खेप को एक पाकिस्तानी ड्रोन द्वारा गिराया गया था। शुरुआती जानकारी के अनुसार, यह खेप सीमावर्ती इलाके में एक लिपटे हुए पैकेट के रूप में मिली, इसका वजन करीब 1500 ग्राम था। सूचना मिलते ही, बीएसएफ और जम्मू-कश्मीर पुलिस की टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं और इलाके को सुरक्षित किया। बरामद किए गए पैकेट को अभी तक खोला नहीं गया है। बताया जा रहा है कि पैकेट को केवल मेटल डिटेक्टर से उचित जांच के बाद ही खोला जाएगा, ताकि इसके अंदर किसी भी विस्फोटक सामग्री की संभावना को पूरी तरह से खत्म हो सके। बरामद की गई खेप की आगे की जांच और तकनीकी परीक्षण जारी है। गौरतलब है कि बदादुरपुर गांव के बाहरी इलाके में खेतों से एक जॉइंट ऑपरेशन में 12 करोड़ कीमत के हाई ग्रेड नारकोटिक्स (संदिग्ध ड्रोन ड्रॉपिंग) की भारी मात्रा बरामद की गई। यह इलाका भारत-पाकिस्तान इंटरनेशनल बॉर्डर से बस कुछ किलोमीटर दूर है।

13 साल से कम उम्र के यूजर्स के लिए नए पेरेंट मैनेज्ड अकाउंट ला रहा व्हाट्सएप

नई दिल्ली (एजेंसी)। व्हाट्सएप ने बड़ा ऐलान किया है कि 13 साल से कम उम्र के यूजर्स के लिए नए पेरेंट मैनेज्ड अकाउंट नाम की शुरुआत कर रहा है। यह सिर्फ कॉलिंग और मैसेजिंग तक सिमट कर रह जाएंगे। पेरेंट मैनेज्ड अकाउंट की मदद से माता-पिता अपने बच्चों की कम्युनिकेशन गतिविधियों को कंट्रोल कर सकते है। कंपनी ने बताया है कि आने वाले दिनों में इस रोलआउट करेगी। हालांकि किसी टाइम लाइन का जिक्र नहीं किया है। नए पेरेंट कंट्रोल के तहत माता-पिता ये तय कर सकते हैं कि उनका बच्चा किन लोगों से बातचीत कर सकता है और किन लोगों से नहीं। व्हाट्सएप के पेरेंट्स मैनेज्ड अकाउंट के तहत छोटे बच्चों को मेटा एआई, जैसे फीचर्स का एक्सेस नहीं मिलेगा। साथ ही कंपनी इन अकाउंट्स से मिलने वाले डेटा का यूज विज्ञापन के लिए नहीं करेगी। पेरेंट मैनेज्ड अकाउंट को सक्रिय करने के लिए माता-पिता को अपने और अपने बच्चे का डिवाइस एक साथ रखना होगा। इसके बाद क्विक रिस्पोंस कोड के जरिए दोनों हैंडसेट को लिंक करना होगा। पेरेंट मैनेज्ड अकाउंट के तहत यूजर्स को सख्त डिफॉल्ट सेटिंग्स, पेरेंट कंट्रोल को और बेहतर किया गया है। कंपनी ने बताया है कि 13 साल से कम उम्र वाले यूजर्स के लिए ये अकाउंट खासतौर से बनाए गए हैं। पैरेंट्स अनजान लोगों से आने वाले मैसेज रिक्वेस्ट का भी रिव्यू कर सकते हैं। व्हाट्सएप ने बताया है कि इन सेटिंग्स को सिर्फ पेरेंट्स ही बदल सकते हैं। जिसके लिए पहले पिन नंबर से वेरिफाई करना होगा।

आगरा में युवती ने वीडियो वायरल कर दी जान, आरोपी पुलिस कांस्टेबल गिरफ्तार

आगरा (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के आगरा से खाकी को शर्मसार करने वाला एक बेहद दुखद और गंभीर मामला सामने आया है। ताजगंज थाना क्षेत्र में एक युवती ने कथित तौर पर मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना से तंग आकर आत्महत्या कर ली। मौत को गले लगाने से पहले युवती ने सोशल मीडिया पर एक भावुक वीडियो साझा किया, जिसमें उसने अपनी आपबीती बताते हुए एक पुलिस कांस्टेबल पर गंभीर आरोप लगाए। इस घटना के बाद स्थानीय पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है और न्याय प्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। जानकारी के अनुसार, पीड़िता आगरा के ताजगंज थाने में ही तैनात कांस्टेबल जेबी गौतम के साथ पिछले काफी समय से लिव-इन रिलेशनशिप में रह रही थी। युवती का आरोप था कि सिपाही ने उसे शादी का झांसा दिया और लंबे समय तक उसका शारीरिक शोषण करता रहा। दोनों के बीच रिश्ते की शुरुआत भरोसे के साथ हुई थी, लेकिन वक्त के साथ यह भरोसा उत्पीड़न और धोखे में बदल गया। युवती ने अपने अंतिम वीडियो में स्पष्ट रूप से कहा कि कांस्टेबल ने उसे चार साल तक पत्नी की तरह साथ रखा, लेकिन जब शादी की बात आई, तो उसने अपने परिवार का बहाना बनाकर हाथ पीछे खींच लिए। सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो में युवती का दर्द साफ छलक रहा था। उसने रोते हुए कहा, जेबी गौतम ने मुझे चार साल बीवी बनाकर रखा और अब छोड़ दिया। जब भी शादी के लिए कहती हूं, तो वह कहता है कि परिवार नहीं मानेगा। युवती ने सिस्टम पर सवाल उठाते हुए यह भी कहा कि क्या वह पुलिसवाला है, इसलिए उस पर कोई कार्रवाई नहीं होगी? उसने वीडियो में आरोपी कांस्टेबल और उसके परिवार को अपनी मौत का जिम्मेदार ठहराते हुए मांग की कि उसे जीते जी न्याय नहीं मिला, लेकिन मरने के बाद जरूर मिलना चाहिए।घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने मामले का संज्ञान लिया। परिजनों की तहरीर और वायरल वीडियो को आधार मानकर आरोपी कांस्टेबल के खिलाफ तत्काल मुकदमा दर्ज किया गया।

दो दशक पुराने वामपंथ को हराकर सीएम बनी ममता... क्या 2026 में दोहरा पाएंगी 2021 की सफलता

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल का राजनीतिक परिदृश्य 2016 के विधानसभा चुनावों से लेकर 2021 और 2026 के चुनावों की तैयारी तक काफी बदल चुका है। ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के प्रभुत्व वाली 294 सीटों वाली विधानसभा में वाम-कांग्रेस गठबंधन, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की बढ़ती लोकप्रियता और टीएमसी के सुदृढ़ीकरण के बीच उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा हैं, जो क्षेत्रीय गतिशीलता, जनसांख्यिकी और मतदाता सूची में बदलाव से प्रभावित हैं।

2016 में टीएमसी ने 2011 की वाम-विरोधी लहर को और मजबूत कर 211 सीटों के साथ भारी बहुमत हासिल किया। वाम मोर्चा-कांग्रेस गठबंधन को केवल 32 सीटें मिलीं (गठबंधन के हिसाब से सीपीएम को 26 और कांग्रेस को 0), जिनमें कोलकाता, मुर्शिदाबाद और घाटाल जैसे औद्योगिक क्षेत्रों की कुछ सीटें शामिल थीं। भारतीय जनता पार्टी को केवल 3 सीटें मिलीं, जो मुख्य रूप से दार्जिलिंग और शहरी बाहरी इलाकों में थीं, जो राज्य में भगवा पार्टी की शुरुआती उपस्थिति का संकेत देती हैं। टीएमसी ने दक्षिण बंगाल (उदाहरण के लिए दक्षिण 24 परगना में 31/31) और शहरी कोलकाता (11 में से अधिकांश सीटें) में शानदार जीत हासिल की, जबकि मुर्शिदाबाद जैसे मुस्लिम बहुल जिलों और ग्रामीण हुगली में वामपंथियों की ताकत बनी रही। 2011 के परिसीमन के बाद 23 जिलों में 294 निर्वाचन क्षेत्रों को स्थिर किया गया, जिससे टीएमसी के ग्रामीण आधार को मजबूती मिली।

इसके बाद 2021 के चुनावों ने एक बड़ा बदलाव ला दिया, इसमें भाजपा ने हिंदुत्व-एनआरसी के मंच पर 77 सीटें जीतकर जबरदस्त बढ़त हासिल की। बीजेपी ने जंगलमहल (पश्चिम मेदिनीपुर, झाड़ग्राम, पुरुलिया, बांकुरा-30 सीटें) और उत्तर बंगाल (दार्जिलिंग, जलपाईगुड़ी) में भी बढ़त बनाई। संदेशखाली जैसे मुद्दों और कोविड प्रबंधन में हुई गड़बड़ियों को लेकर सत्ता विरोधी लहर के बावजूद टीएमसी ने वापसी कर 213 सीटें जीतीं। टीएमसी ने अल्पसंख्यक बहुल क्षेत्रों (मालदा, मुर्शिदाबाद, दो 24 परगना- बड़ी बढ़त) में दबदबा बनाए रखा और दक्षिण 24 परगना (31 सीटें), हावड़ा (16) और हुगली (18) में अपनी सीटें बरकरार रखीं। भाजपा ने सीमावर्ती और आदिवासी क्षेत्रों में जीत हासिल की, लेकिन मुस्लिम बहुल क्षेत्रों में बीजेपी को हार का सामना करना पड़ा, जहां टीएमसी की कल्याणकारी योजनाओं ने 30 प्रतिशत से अधिक वोट शेयर दिलाए।

अब मार्च 2026 तक, अप्रैल-मई में चुनाव होने वाले हैं, और 15वीं विधानसभा का कार्यकाल 7 मई को समाप्त हो रहा है। विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) के बाद मतदाता सूचियों से 63.66 लाख नाम (मतदाताओं के 10 प्रतिशत से अधिक) हटा दिए गए हैं, जिससे सीमावर्ती क्षेत्रों, मतुआ (नमशूद्र) क्षेत्र और अल्पसंख्यक जिलों की 125 से अधिक सीटों पर जनसांख्यिकी में बदलाव आया है। इसके प्रभावों में मतुआ और उत्तरी बंगाल के उन क्षेत्रों में बीजेपी की संभावित बढ़त शामिल है, जहां नाम हटाए गए हैं, और यह टीएमसी के अल्पसंख्यक गढ़ों जैसे मुर्शिदाबाद और मालदा को चुनौती दे सकता है, जहां नाम हटाए जाने से भारी नुकसान हुआ है। उत्तर और दक्षिण 24 परगना (कुल 64 सीटें), पुरबा बर्धमान (16) और पुरबा मेदिनीपुर (16) जैसे जिलों में उथल-पुथल का सामना करना पड़ रहा है, जहां राजकोषीय तनाव (अनुमानित 62,000 करोड़ रुपये का घाटा) विपक्षी चर्चाओं को बल दे रहा है।

भाजपा ने सीमावर्ती और जंगलमहल क्षेत्रों में हिंदुओं के बीच नागरिकता संशोधन अधिनियम, 2019 और राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (सीएए-एनआरसी) के भय का फायदा उठाते हुए अपनी सीटें 3 से बढ़ाकर 77 कर लीं, जबकि टीएमसी ने मुस्लिम वोट बैंक (30-40 प्रतिशत वोट बैंक) को एकजुट करके इसका मुकाबला किया। 2011 के बाद परिसीमन ने सीमाएँ तय कर दीं, लेकिन 2026 के एसआईआर मतदाता सूची ने नरम पुनर्निर्धारण का काम किया, जिससे मतुआ (नागरिकता के बाद) में भाजपा को मजबूती मिली और टीएमसी के कल्याणकारी प्रभुत्व की

परीक्षा हुई। आर्थिक संकट - बढ़ता घाटा (2022-23 में 49,000 करोड़ रुपये से बढ़कर 2026-27 में 1,05,000 करोड़ रुपये का ऋण) - और अंतरिम बजट में किए गए तुष्टीकरण (उत्तरी बंगाल के विकास के बजाय मदरसा निधि का उपयोग) ने विभाजन को और गहरा कर दिया। उत्तर-दक्षिणी बंगाल का विभाजन और गहरा गया है, टीएमसी 200 से अधिक सीटों पर नजर गड़ाए हुए है, जबकि भाजपा गठबंधन के माध्यम से 100 से अधिक सीटों का लक्ष्य बना रही है। यह बदलाव पश्चिम बंगाल में वामपंथ के पतन से लेकर टीएमसी-भाजपा के द्विध्रुवीय चुनावी मुकाबले तक के परिवर्तन को दर्शाता है, जिसमें 2026 के चुनाव सीमित सीटों और सीमावर्ती क्षेत्रों की जनसांख्यिकी पर निर्भर करेगा।

बिहार विधानसभा को बम से उड़ाने की धमकी, विधानसभा अध्यक्ष ने ली अधिकारियों की बैठक

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद राजधानी पटना में प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया। धमकी एक ईमेल के जरिए भेजी गई थी, जिसमें विधानमंडल भवन को विस्फोट से उड़ाने की बात कही गई। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन तुरंत सक्रिय हो गए और पूरे विधानसभा परिसर में सुरक्षा व्यवस्था को हाई अलर्ट पर कर दिया गया। मामले की गंभीरता को देखकर विधानसभा अध्यक्ष प्रेम कुमार ने सचिवालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ आपात बैठक बुलाई। बैठक में सुरक्षा से जुड़े सभी पहलुओं की समीक्षा की गई और विधानसभा परिसर की व्यापक जांच कराने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों को यह भी कहा गया कि किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए और सुरक्षा व्यवस्था को पूरी तरह मजबूत रखा जाए। निर्देश मिलने के बाद सुरक्षा बलों ने विधानमंडल परिसर और आसपास के क्षेत्रों में सघन तलाशी अभियान शुरू कर दिया। प्रवेश द्वारों पर निगरानी बढ़ा दी गई है और आने-जाने वाले लोगों की कड़ी जांच की जा रही है। सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वॉड की भी मदद ली जा रही है, ताकि किसी भी संदिग्ध वस्तु या संभावित खतरे का समय रहते पता लगाया जा सके। फिलहाल जांच एजेंसियां उस ईमेल की पड़ताल कर रही हैं जिसके माध्यम से धमकी दी गई थी। अधिकारी यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि यह मेल किस स्थान से भेजा गया और इसके पीछे कौन लोग शामिल हो सकते हैं। प्रशासन ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है और आश्वासन दिया है कि सुरक्षा के सभी जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं।

सोनिया गांधी से जुड़े मामले में सुनवाई टली... अब मामले की 30 मार्च को सुनवाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस पार्टी की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी के खिलाफ मतदाता सूची में कथित जालसाजी को लेकर शुक्रवार को सुनवाई होनी थी। लेकिन मामले में दायर रिवीजन पिटीशन पर शुक्रवार दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में होने वाली ये सुनवाई टल गई है। अब मामले की अगली सुनवाई 30 मार्च को होगी।

शुक्रवार की सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से कोर्ट से सुनवाई टालने की मांग की गई थी। इसके बाद अदालत ने नई तारीख दी। ये याचिका वकील विकास त्रिपाठी की तरफ से दायर की गई है। सोनिया गांधी के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की मांग वाली याचिका को सितंबर में खारिज किया था। मजिस्ट्रेट कोर्ट के इसी फैसले को त्रिपाठी ने चुनौती दी है।

दरअसल सोनिया गांधी के खिलाफ याचिका में नागरिकता और मतदाता सूची को लेकर गंभीर सवाल उठाए गए हैं। याचिका में दावा किया गया है कि सोनिया गांधी ने 30 अप्रैल 1983 को भारतीय नागरिकता हासिल की थी। आरोप है कि नागरिकता मिलने से 3 साल पहले, यानी 1980 की मतदाता सूची में उनका नाम नई दिल्ली निर्वाचन क्षेत्र में शामिल था।

इस पर याचिकाकर्ता ने सवाल उठाया है कि जब सोनिया गांधी के पास 1983 तक नागरिकता नहीं थी, तब 1980 में किस आधार पर और किन दस्तावेजों के सहारे मतदाता सूची में नाम जोड़ा गया? क्या इसके लिए फर्जी दस्तावेजों का सहारा लिया? याचिका में ये भी पूछा गया है कि 1982 में उनका नाम मतदाता सूची से क्यों हटाया गया था?

पिछली सुनवाई के दौरान सोनिया गांधी की ओर से अदालत में जवाब दाखिल किया गया है। उनके वकीलों ने इन आरोपों को पूरी तरह खारिज किया है। सोनिया गांधी ने याचिका को पूरी तरह से तथ्यहीन और राजनीतिक रूप से प्रेरित बताया है। इसके पहले इसी मामले में सोनिया गांधी के खिलाफ जांच और मुकदमा दर्ज कराने की मांग वाली याचिका को मजिस्ट्रेट कोर्ट ने बीते साल सितंबर में खारिज किया था। कोर्ट ने तब याचिका में पर्याप्त आधार नहीं पाए थे। अब रिवीजन पिटीशन के जरिए ऊपरी अदालत में मामले को फिर से उठाने की कोशिश की जा रही है।

झारखंड विधानसभा में खुद रिक्शा चलाकर पहुंचे मंत्री इरफान... गैस संकट पर केंद्र सरकार को घेरा

रांची (एजेंसी)। झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के दौरान गैस सिलेंडर की कथित किल्लत और बढ़ती महंगाई का मुद्दा जोरदार तरीके से उठा रहा है। इस मुद्दे को लेकर सदन के बाहर और अंदर सत्तापक्ष के विधायकों ने प्रदर्शन किया। झारखंड मुक्ति मोर्चा, कांग्रेस और आरजेडी के नेताओं ने हाथों में गैस सिलेंडर के प्रतिरूप (रिप्लिका) और पोस्टर लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। पोस्टरों पर ÷संसद से नरेंद्र मोदी गायब, देश से सिलेंडर गायब÷ जैसे नारे लिखे हुए थे। प्रदर्शन कर रहे विधायकों ने आरोप लगाया कि केंद्र की नीतियों के कारण जनता को गैस की किल्लत और महंगाई का सामना करना पड़ रहा है। प्रदर्शन के दौरान एक अनोखा दृश्य तब दिखाई दिया, जब राज्य के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी खुद रिक्शा चलाकर विधानसभा पहुंचे। रिक्शे की पिछली सीट पर कृषि मंत्री

शिल्पी नेहा तिर्की बैठी थीं और उनके हाथ में महंगाई के खिलाफ नारे लिखे पोस्टर थे। इस प्रतीकात्मक प्रदर्शन के जरिए उन्होंने बढ़ती कीमतों और गैस संकट के मुद्दे को उठाने की कोशिश की। विधायक तिर्की ने कहा कि अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान पर किए गए हमले और उसके बाद मध्य पूर्व एशिया में पैदा हुई अस्थिरता ने भारतीय अर्थव्यवस्था की कमजोरियों को उजागर किया है। उन्होंने इस बात को लेकर केंद्र सरकार की विदेश नीति की विफलता बताकर कहा कि इसका सीधा असर देश में महंगाई और पेट्रोलियम उत्पादों की उपलब्धता पर पड़ रहा है। स्वास्थ्य मंत्री अंसारी ने भी केंद्र सरकार की नीतियों की आलोचना कर कहा कि जब राज्य के मंत्री ही पेट्रोलियम संकट और गैस की कमी से जूझ रहे हैं, तब आम जनता की स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र की नीतियों ने देश को ऐसी स्थिति में पहुंचा दिया है जहां लोगों को बुनियादी सुविधाओं के लिए भी संघर्ष करना पड़ रहा है। वहीं विपक्ष के नेता बाबूलाल मरांडी ने सत्तापक्ष के आरोपों को खारिज कर कहा कि गैस की किल्लत का मुद्दा केवल राजनीतिक लाभ के लिए उठाया जा रहा है। जेडीयू नेता सरयू राय ने भी दावा किया कि सरकार द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार गैस की कोई कमी नहीं है और उपभोक्ताओं को सिलेंडर मिल रहे हैं। सदन में लगातार हंगामे और नारेबाजी के बाद स्पीकर के हस्तक्षेप से स्थिति शांत हुई, लेकिन गैस सिलेंडर की किल्लत और महंगाई का मुद्दा पूरे दिन विधानसभा में छाया रहा।

अलविदा की नमाज के बाद लखनऊ में प्रदर्शन, अमेरिका-इजराइल के खिलाफ लगे नारे

लखनऊ(एजेंसी)। रमजान के आखिरी जुमे पर अलविदा की नमाज के बाद शुक्रवार को लखनऊ में अमेरिका और इजराइल के खिलाफ प्रदर्शन हुआ और जमकर नारेबाजी हुई। शहर के कई इलाकों में मस्जिदों के बाहर जमीन पर अमेरिका और इजराइल के झंडे लगाए गए, जिन पर नमाजी आते-जाते समय पैर रखकर गुजरते दिखाई दिए। दरअसल, शिया धर्मगुरु मौलाना कल्बे जव्वाद ने आज बड़े प्रदर्शन का ऐलान किया था। जिसको देखते हुए प्रशासन ने पुराने लखनऊ सहित संवेदनशील क्षेत्रों में भारी पुलिस बल तैनात किया गया। कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए कई जगहों पर बैरिकेडिंग की गई है और यातायात को नियंत्रित करने के लिए पुराने शहर में रूट डायवर्जन भी लागू किया गया। उधर, ऐशबाग ईदगाह स्थित जामा मस्जिद में मौलाना खालिद रशीद की इमामत में अलविदा की नमाज अदा की गई। वहीं टीले वाली मस्जिद में भी बड़ी संख्या में नमाजियों ने नमाज पढ़ी। इसके अलावा बड़ा इमामबाड़ा परिसर स्थित आसिफी मस्जिद में शिया समुदाय के लोगों ने अलविदा की नमाज अदा की। नमाज के बाद कुछ स्थानों पर फिलिस्तीन के समर्थन में नारेबाजी और विरोध प्रदर्शन भी हुए।

राहुल गांधी की देश को गुमराह करने और भारत की छवि खराब करने की आदत बन गई

-केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने विपक्ष के नेता पर लगाए गंभीर आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने शुक्रवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर देश को गुमराह करने और वैश्विक मंच पर भारत की छवि खराब करने का आरोप लगाया। संसद के बाहर गिरिराज सिंह ने कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की यह आदत बन गई है कि वे देश में भ्रम फैलाते हैं और विदेश नीति पर सवाल उठाते हैं। मकर द्वार पर चाय पीते हुए और देश का अपमान करते हुए उन्होंने कोविड महामारी के दौरान भी देश में भ्रम फैलाया।

गिरिराज की ये टिप्पणियां केंद्र और विपक्ष के बीच राष्ट्रीय ऊर्जा सुरक्षा को लेकर चल रही तीखी बहस के बीच आई हैं, जिसे पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष और वैश्विक आपूर्ति पर इसके प्रभाव ने और हवा दी है। एक दिन पहले, कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा था कि पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष और होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने से भारत की ऊर्जा सुरक्षा पर गंभीर परिणाम हो सकते हैं, और कहा था कि दर्द तो अभी शुरू हुआ है। राहुल गांधी ने कहा कि अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच चल रहे युद्ध के वैश्विक और घरेलू स्तर पर दूरगामी परिणाम होने की संभावना है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक राहुल गांधी ने चेतावनी दी कि इसका असर देश भर में महसूस होना शुरू हो गया है। उन्होंने कहा कि रेस्तरां और होटल बंद हो रहे हैं और एलपीजी की उपलब्धता को लेकर लोगों में दहशत है। उन्होंने कहा कि मध्य पूर्व में युद्ध छिड़ गया है। अमेरिका, इजराइल और ईरान में जंग जारी है। इस युद्ध के दूरगामी परिणाम होंगे। होर्मुज जलडमरूमध्य, जिससे वैश्विक तेल का 20फीसदी प्रवाह होता है, बंद कर दिया गया है। इसके बहुत गंभीर परिणाम होंगे, खासकर हमारे लिए क्योंकि हमारे तेल और प्राकृतिक गैस का एक बड़ा हिस्सा होर्मुज से ही होकर गुजरता है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि ऊर्जा सुरक्षा किसी भी राष्ट्र की स्थिरता की नींव होती है। उन्होंने भारत की ऊर्जा साझेदारी संबंधी निर्णयों को बाहरी शक्तियों के प्रभाव में लेने के विचार की आलोचना की।

हापुड़ में नेता के घर से 55 एलपीजी सिलेंडर बरामद, गैस संकट के बीच जमाखोरी का भंडाफोड़

हापुड़ (एजेंसी)। जिले में प्रशासन ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध जमाखोरी के एक बड़े मामले का खुलासा किया है। एक तरफ जहां आम जनता वैश्विक तनाव और आपूर्ति में बाधा के कारण रसोई गैस के एक-एक सिलेंडर के लिए तरस रही है, वहीं दूसरी तरफ भारी मात्रा में गैस सिलेंडरों को छिपाकर रखने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। हापुड़ प्रशासन की टीम ने स्थानीय नेता अब्दुल रेहान के आवास पर छापेमारी कर वहां से 55 भरे हुए एलपीजी सिलेंडर बरामद किए हैं। यह कार्रवाई उस समय हुई है जब पूरे क्षेत्र में गैस की भारी किल्लत और कालाबाजारी की शिकायतें लगातार मिल रही थीं।

जानकारी के अनुसार, पिछले कई दिनों से जिला प्रशासन को सूचना मिल रही थी कि कुछ लोग गैस संकट का फायदा उठाकर सिलेंडरों का अवैध भंडारण कर रहे हैं और उन्हें ऊंचे दामों पर बेच रहे हैं। इसी क्रम में जब अधिकारियों को अब्दुल रेहान के घर पर बड़ी संख्या में सिलेंडर जमा होने की सटीक जानकारी मिली, तो संबंधित विभागों की एक संयुक्त टीम ने वहां छापेमारी की। घर के भीतर और स्टोर रूम में सिलेंडरों का बड़ा जखीरा देखकर अधिकारी भी हैरान रह गए। प्रशासन ने तत्काल सभी 55 सिलेंडरों को जब्त कर लिया और उन्हें सुरक्षित रूप से संबंधित विभाग को सौंप दिया।

इस घटना के बाद से स्थानीय निवासियों में गहरा रोष व्याप्त है। लोगों का कहना है कि गैस एजेंसियों के चक्कर काटने और कई दिनों के इंतजार के बावजूद उन्हें खाली हाथ लौटना पड़ता है, जबकि प्रभावशाली लोग अपने घरों में सिलेंडरों का अंबार लगाए बैठे हैं। लोगों ने आरोप लगाया कि इस तरह की जमाखोरी ही बाजार में कृत्रिम कमी पैदा कर रही है, जिससे आम आदमी की रसोई का बजट बिगड़ गया है।

प्रशासन अब इस पूरे नेटवर्क की गहराई से जांच कर रहा है। अधिकारियों का कहना है कि गैस एजेंसियों के रिकॉर्ड खंगाले जा रहे हैं ताकि यह पता लगाया जा सके कि ये सिलेंडर किन नामों पर बुक किए गए थे और बिना वितरण के एक ही स्थान पर कैसे पहुंचे। राज्य सरकार और मुख्यमंत्री के सख्त निर्देशों के बाद, प्रशासन कालाबाजारी करने वालों के खिलाफ कड़ा रुख अपना रहा है। हापुड़ देहात थाना प्रभारी इंस्पेक्टर नीरज ने बताया कि आरोपी अब्दुल रेहान के खिलाफ आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। चूंकि मामले में सजा का प्रावधान सात साल से कम है, इसलिए आरोपी को फिलहाल थाने से जमानत दे दी गई है, लेकिन जांच जारी है और जल्द ही न्यायालय में चार्जशीट दाखिल की जाएगी। प्रशासन ने चेतावनी दी है कि जनता के हितों के साथ खिलवाड़ करने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।

भारत में अलग है इच्छामृत्यु का तरीका, कई देशों में जहरीला इंजेक्शन व आत्महत्या भी है प्रावधान

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में इच्छामृत्यु को लेकर कानूनी और मानवीय बहस के बीच सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को एक अहम फैसला सुनाया। कोर्ट ने गाजियाबाद के 32 साल के हरीश राणा के मामले में निष्क्रिय इच्छामृत्यु की अनुमति देते हुए उनके कृत्रिम जीवन रक्षक उपकरण हटाने की मंजूरी दे दी। हरीश पिछले 13 सालों से कोमा में है। न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की पीठ ने दिल्ली स्थित एम्स में डॉक्टरों की निगरानी में यह प्रक्रिया पूरी करने का निर्देश दिया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कोर्ट ने यह भी कहा कि पूरी प्रक्रिया मानवीय और सम्मानजनक तरीके से की जानी चाहिए और मरीज को पैलिएटिव केयर में रखा जाए ताकि उसे कम से कम कष्ट हो। निष्क्रिय इच्छामृत्यु वह प्रक्रिया है जिसमें मरीज को जीवित रखने वाले कृत्रिम साधनों या इलाज को रोक दिया जाता है। इसमें वेंटिलेटर, कृत्रिम पोषण, फीडिंग ट्यूब या अन्य जीवन रक्षक चिकित्सा उपकरण हटा दिए जाते हैं। इसके बाद मरीज की मृत्यु स्वाभाविक रूप से होती है, क्योंकि इलाज जारी रखने से केवल शरीर को कृत्रिम रूप से जिंदा रखा जा रहा होता है और स्वास्थ्य में सुधार की कोई संभावना नहीं रहती। भारत में इस प्रक्रिया को 'गरिमापूर्ण मृत्यु' के अधिकार से जोड़कर देखा जाता है।

बता दें भारत में 2018 में सुप्रीम कोर्ट ने कड़ी शर्तों के साथ निष्क्रिय इच्छामृत्यु को कानूनी मान्यता दी थी। हालांकि यहां सक्रिय इच्छामृत्यु यानी किसी मरीज को जानबूझकर घातक इंजेक्शन या दवा देकर मृत्यु देने की अनुमति नहीं है। दूसरी ओर दुनिया के कई देशों में इच्छामृत्यु के अलग-अलग रूपों को कानूनी मान्यता मिली है। अमेरिका के कुछ राज्यों में डॉक्टर की सहायता से आत्महत्या की अनुमति है, जबकि नीदरलैंड में डॉक्टर द्वारा इंजेक्शन देकर या चिकित्सा सहायता से इच्छामृत्यु दोनों मान्य हैं। कनाडा में भी चिकित्सकीय सहायता से इच्छामृत्यु को कानूनी स्वीकृति दी गई है।

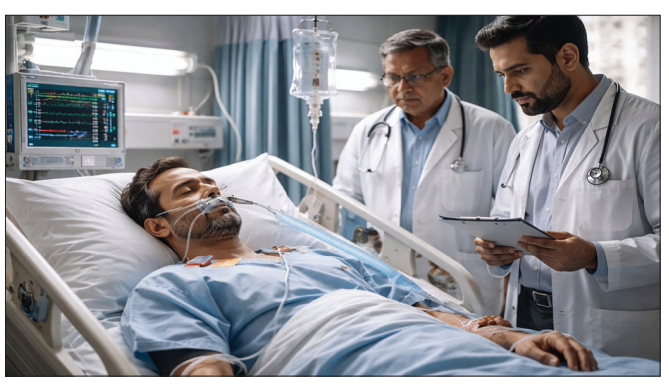

हॉकी वर्ल्ड कप क्वालीफायर : इटली को 1-0 से हराकर भारत ने कटाया फाइनल का टिकट

हैदराबाद (एजेंसी)। भारतीय महिला हॉकी टीम ने 'एफआईएच हॉकी विश्व कप क्वालीफायर- 2026' के फाइनल में अपनी जगह बना ली है। भारतीय टीम ने सेमीफाइनल मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए इटली को रोमांचक मुकाबले में 1-0 से हराया। भारत की फाइनल में भिड़ंत इंग्लैंड से होगी।

भारतीय टीम के लिए मैच में एकमात्र गोल मनीषा चौहान ने 40वें मिनट में किया। सेमीफाइनल मुकाबले का पहला क्वार्टर बेहद कड़ा रहा। दोनों टीमें मिडफील्ड में गेंद पर कब्जे के लिए लगातार संघर्ष करती हुई नजर आईं। भारत ने मैच की शुरुआत जोरदार अंदाज में की और कुछ दमदार 'सर्कल एंट्री' की। हालांकि, इटली ने भी धीरे-धीरे आक्रामक रुख अपनाना शुरू किया और गोल करने के कुछ अच्छे मौके बनाए।

दूसरे क्वार्टर में भारत ने मैच पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली। मेजबान टीम ने गेंद को आगे बढ़ाने के लिए मैदान के किनारों का इस्तेमाल किया। भारतीय टीम ने बड़ी संख्या में हमले बोले और गोल के करीब (सर्कल में) कई अहम एंट्री कीं। 18वें मिनट में भारत को मैच का पहला पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन नवनीत कौर के शॉट को इटली की गोलकीपर लूसिया इनेस कारुसो ने शानदार तरीके से रोक दिया।

27वें मिनट में भारत को एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन इटली की डिफेंडर ने गोल-लाइन पर ही उनके शॉट को रोककर भारत को गोल करने से वंचित कर दिया। 29वें मिनट में भारत को पेनल्टी कॉर्नर के जरिए गोल करने का एक और मौका मिला, पर नवनीत कौर का शॉट लक्ष्य से भटक गया।

दूसरे हाफ के शुरुआती मिनटों में इटली ने गोल पर जोरदार हमला बोला। एमिलिया मुनिटिस गोल के बेहद करीब पहुंच गई थीं, लेकिन भारत की गोलकीपर बिचू देवी खारीबाम ने आगे बढ़कर एक अहम बचाव किया। 40वें मिनट में भारत को एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला और इस बार टीम ने उसे सफलतापूर्वक गोल में बदलकर मैच में 1-0 की बढ़त बना ली।

मनीषा चौहान (40वें मिनट) ने मैदान के बीच से एक जोरदार ड्रैग-फ्लिक लगाया और वह इटली के डिफेंस को भेदने में सफल रहीं। आखिरी क्वार्टर के शुरुआती मिनटों में भारत को दो और पेनल्टी कॉर्नर मिले। टीम ने मैच के अंतिम चरण में अपनी बढ़त को और बढ़ाने की पूरी कोशिश की। हालांकि, इटली के डिफेंस ने जबरदस्त खेल दिखाते हुए भारत को गोल करने का मौका नहीं दिया। इटली ने मैच के आखिरी मिनटों में अपनी पूरी जान लगा दी और 59वें मिनट में एक अहम पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया, पर भारत ने अपने विरोधी को बराबरी का गोल करने से रोक दिया और जीत हासिल की। भारतीय टीम अब फाइनल मुकाबले में 14 मार्च को इटली से भिड़ेगी।

इंडियन वेल्स मास्टर्स- आर्यना सबालेंका फाइनल में पहुंची, लिंडा नोस्कोवा को 6-3, 6-4 से हराया

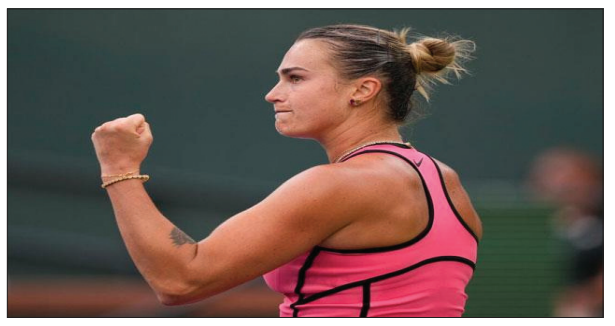

इंडियन वेल्स (एजेंसी)। आर्यना सबालेंका ने इंडियन वेल्स मास्टर्स के फाइनल में जगह बना ली है। सबालेंका ने लिंडा नोस्कोवा को 6-3, 6-4 से हराकर तीसरी बार टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई है।

सबालेंका ने पहली बार इंडियन वेल्स का सेमीफाइनल खेल रही 21 साल की लिंडा नोस्कोवा के खिलाफ मैच की शुरुआत से ही अपनी पकड़ बना ली थी। सबालेंका ने डबल-ब्रेक में 5-1 की बढ़त बना ली और बेहद कम समय में सेट जीत लिया।

चेक खिलाड़ी ने दूसरे सेट के आखिर में मैच में अपनी पकड़ बना ली। उन्होंने अपनी सर्विंग की काबिलियत दिखाई, जब उन्होंने दो ब्रेक पॉइंट बचाकर स्कोर 3-2 कर दिया, और स्कोर सिर्फ एक ब्रेक तक ही सीमित रखा। नोस्कोवा ने दूसरे सेट में सबालेंका की सर्विंग के समय 4-3, 30-40 पर एक ब्रेक पॉइंट भी हासिल किया, लेकिन लगातार तीन बड़ी सर्व ने दुनिया की नंबर 1 खिलाड़ी को 6-3, 5-3 से जीत की कगार पर पहुंचा दिया।

दो गेम बाद सबालेंका ने ओपन कोर्ट में फोरहैंड विनर मारकर मैच एक घंटे 28 मिनट में खत्म कर दिया।

जीत के बाद सबालेंका ने कहा, 'बहुत अच्छा लग रहा है, लेकिन मैं अपने पिछले कुछ फाइनल यहीं हार गई थी। मैं पक्का करूंगी कि रविवार को पूरी तरह तैयार रहूं। मैं अपना श्रेष्ठ टेनिस खेलूंगी ताकि यह साल मेरे लिए अच्छा रहे।'

सबालेंका 2 बार इंडियन वेल्स का फाइनल हार चुकी हैं। रविवार को फाइनल में उनका सामना एलेना रिबाकिना से होगा।

नोस्कोवा पर सबालेंका की सेमीफाइनल जीत इंडियन वेल्स में उनके करियर की 20वीं जीत है। सबालेंका पहली दुनिया की नंबर 1 खिलाड़ी हैं जो 1989 में टूर्नामेंट शुरू होने के बाद से लगातार सालों में फाइनल में पहुंची हैं और विक्टोरिया अजारेंका के साथ इंडियन वेल्स फाइनल में तीन अलग-अलग बार पहुंचने वाली केवल दो सक्रिय खिलाड़ियों में शामिल हो गई हैं।

आईपीएल 2026 से पहले केकेआर ने लॉन्च की नई जर्सी, 'लाइंस ऑफ लेगेसी' थीम में दिखेगी टीम

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने इंडियन प्रीमियर लीग 2026 सीज़न से पहले अपनी नई टीम जर्सी लॉन्च कर दी है। तीन बार की चैंपियन केकेआर ने इस बार जर्सी को 'लाइंस ऑफ लेगेसी' थीम के साथ डिजाइन किया गया है, जिसमें टीम के इतिहास के कई यादगार पलों को खास अंदाज में दर्शाया गया है। जर्सी का डिजाइन टीम के पारंपरिक बैंगनी और सुनहरे रंग में रखा गया है, जो केकेआर की पहचान का अहम हिस्सा रहा है।

नई जर्सी के डिजाइन में टीम के इतिहास के महत्वपूर्ण क्षणों को रेखाओं के रूप में दिखाया गया है। इन रेखाओं में कई ऐतिहासिक पलों की झलक मिलती है। इनमें ब्रेंडन मैकुलम द्वारा 2008 में खेली गई 158 रन की ऐतिहासिक पारी और रिंकू सिंह द्वारा एक मैच के अंतिम ओवर में लगाए गए लगातार पांच छक्के जैसे यादगार क्षण शामिल हैं। इन सभी पलों को रेखाओं के रूप में जोड़कर एक अमूर्त कला शैली में ÷केकेआर÷ अक्षरों का निर्माण किया गया है। इस अनोखे डिजाइन के जरिए प्रशंसक अब अपनी पसंदीदा टीम के गौरवशाली इतिहास को जर्सी के रूप में पहन सकेंगे।

जर्सी लॉन्च के मौके पर नाइट राइडर्स स्पोर्ट्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी वेंकी मैसूर ने कहा कि 'लाइंस ऑफ लेगेसी' केकेआर की शानदार यात्रा और विरासत को दर्शाने का प्रयास है। उन्होंने कहा कि जर्सी में बनी हर रेखा टीम के किसी खास और गौरवपूर्ण पल का प्रतीक है, जिसने मिलकर केकेआर की पहचान बनाई है। उन्होंने उम्मीद जताई कि आगामी सत्र में टीम अपनी इस विरासत को आगे बढ़ाते हुए नए यादगार क्षण जोड़ेगी।

नई जर्सी को पेश करने के लिए सोशल मीडिया पर एक विशेष रचनात्मक अभियान भी चलाया गया। इस अभियान का समापन एक वीडियो फिल्म के साथ किया गया, जिसमें अभिनेता रजत बेदी और कॉमेडियन अनिर्बान दासगुप्ता समेत कोलकाता के कई लोकप्रिय कंटेंट क्रिएटर्स नजर आए। नाइट राइडर्स स्पोर्ट्स के मुख्य विपणन अधिकारी बिंदा डे ने बताया कि 'क्या लाइन है?' अभियान के जरिए टीम की विरासत और उसके यादगार पलों को रोचक और मनोरंजक तरीके से प्रस्तुत किया गया है, ताकि प्रशंसक भी इस कहानी का हिस्सा बन सकें।

सौरव गांगुली की चेतावनी, बोले- 2027 वनडे वर्ल्ड कप में होगी असली परीक्षा

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाल ही में टीम इंडिया ने कप्तान सूर्यकुमार यादव और मुख्य कोच गौतम गंभीर की अगुवाई में आईसीसी टी20 विश्वकप 2026 का खिताब जीतकर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। इस जीत के साथ गौतम गंभीर ऐसे पहले भारतीय कोच बन गए हैं, जिन्होंने अपने कार्यकाल में टीम को आईसीसी चैम्पियन ट्रॉफी और टी20 विश्व कप दोनों का खिताब दिलाया है। हालांकि इस ऐतिहासिक सफलता के बाद पूर्व भारतीय कप्तान सौरभ गांगुली ने टीम को सतर्क रहने की सलाह दी है और कहा है कि असली चुनौती अभी बाकी है। एक इंटरव्यू में गांगुली ने कहा कि सफेद गेंद के क्रिकेट में भारतीय टीम की असली परीक्षा 2027 में होने वाले वनडे विश्व कप में होगी। यह टूर्नामेंट दक्षिण अफ्रीका में खेला जाएगा और वहां की परिस्थितियां टीम और कोच दोनों की क्षमता की कड़ी परीक्षा लेंगी। गांगुली का मानना है कि मौजूदा भारतीय टीम मजबूत है और उसके पास प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की भरमार है, इसलिए अगर टीम सही दिशा में आगे बढ़ती है तो वह इस चुनौती में भी सफल हो सकती है।

गांगुली ने यह भी कहा कि सीमित ओवरों के क्रिकेट में सफलता मिलने के बावजूद भारतीय टीम को टेस्ट क्रिकेट में अपने प्रदर्शन को और बेहतर बनाने की जरूरत है। उनके मुताबिक रेड बॉल क्रिकेट में टीम को विकेटों के बारे में जरूरत से ज्यादा सोचने के बजाय अपनी प्रणाली पर भरोसा करना चाहिए और बेहतर पिचों पर खेलने की मानसिकता विकसित करनी चाहिए। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि घरेलू सीरीज, खासकर इंग्लैंड के खिलाफ मुकाबलों में केवल टर्निंग ट्रैक तैयार करने की रणनीति से बचना चाहिए। गांगुली के अनुसार अच्छे और संतुलित विकेट बेहतर क्रिकेट को जन्म देते हैं और इससे टीम का प्रदर्शन भी मजबूत होता है। उनका मानना है कि टेस्ट क्रिकेट में निरंतर सफलता के लिए यही रास्ता सबसे सही है।

पूर्व कप्तान ने गौतम गंभीर के कामकाज की भी सराहना की और कहा कि वह एक सक्षम कोच हैं। गांगुली ने याद दिलाया कि उन्होंने पहले भी कहा था कि गंभीर को टीम के साथ काम करने के लिए समय दिया जाना चाहिए। उनके मुताबिक सीमित ओवरों के क्रिकेट में गंभीर ने खुद को साबित किया है और उनके पास एक मजबूत टीम भी मौजूद है। गौरतलब है कि भारतीय टीम ने पिछले ढाई वर्षों में सीमित ओवरों के क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन करते हुए दो टी20 विश्व कप और एक चैंपियंस ट्रॉफी अपने नाम की है। हालांकि आईसीसी क्रिकेट वर्ल्डकप 2023 में टीम को हार का सामना करना पड़ा था, जहां खिताब आस्ट्रेलिया के पास गया था। अब 2027 के विश्व कप में भारत के पास ऑस्ट्रेलिया से ट्रॉफी छीनकर विश्व क्रिकेट में अपना दबदबा और मजबूत करने का मौका होगा।

आईपीएल 2026 से पहले आरसीबी को झटका, जोश हेजलवुड का पहला मैच खेलना मुश्किल

नई दिल्ली । इंडियन प्रीमियर लीग के 19वें सीजन के पहले चरण का शेड्यूल जारी हो चुका है और टूर्नामेंट की शुरुआत 28 मार्च से होने जा रही है। उद्घाटन मुकाबले में डिफेंडिंग चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का सामना सनराइजर्स हैदराबाद से होगा। हालांकि सीजन शुरू होने से पहले आरसीबी को बड़ा झटका लगा है, क्योंकि टीम के स्टार तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड अभी भी चोट से पूरी तरह उबर नहीं पाए हैं। ऐसे में उनका पहले मुकाबले में खेलना लगभग नामुमकिन माना जा रहा है। बताया जा रहा है कि हेजलवुड को अभी तक टीम के फिजियो की ओर से मैदान पर उतरने की अनुमति नहीं मिली है। पिछले कुछ महीनों से वह लगातार चोटों से जूझ रहे हैं और फिलहाल रिहैबिलिटेशन की प्रक्रिया में हैं। इसी वजह से उनके शुरुआती कुछ मुकाबलों से भी बाहर रहने की संभावना जताई जा रही है।

एक दशक में पांच ट्रॉफी जीतने का लक्ष्य लेकर चल रहे : अर्शदीप

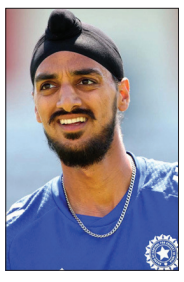

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह का कहना है कि हमें अगले एक दशक में पांच ट्रॉफी जीतनी हैं। अर्शदीप ने कहा, 'जब हमने साल 2024 में टी20 विश्व कप जीता था, तब मैंने हार्दिक पांड्या और टीम से कहा था कि हमें अगले 10 सालों में कम से कम 5 ट्रॉफी जीतनी हैं और उसी के अनुसार टीम खेल रही है।' अर्शदीप ने कहा कि हमने जीत के लिए सही प्रक्रिया का पालन किया है। उन्होंने कहा, 'हम जानते थे कि अगर हम शीर्ष स्तर बनाये रखते हैं तो परिणाम अपने आप ही मिलेंगे। हमने प्रक्रिया का पालन किया जिसका फल अब हमको मिल रहा है।' उन्होंने तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के साथ गेंदबाजी अनुभव को लेकर कहा कि ये मजेदार रहा है। साथ ही कहा कि बुमराह इतनी आसानी से गेंदबाजी करते हैं जिससे लगता है कि वे कंप्यूटर गेम खेल रहे होंगे पर वास्तविकता ये है कि वह काफी मेहनत करते हैं। साथ ही अन्य खिलाड़ियों को भी बेहतर प्रदर्शन को प्रेरित कतरे हैं।'गौरतलब हैकि बुमराह का प्रदर्शन टी20 विश्व कप 2026 में शानदार रहा। वह विश्वकप में संयुक्त रूप से टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे। बुमराह ने 8 मुकाबलों में कुल 14 विकेट लिए। इस दौरान अर्शदीप ने उनका अच्छा साथ दिया। अर्शदीप ने विश्वकप के दौरान समर्थन बनाये रखने के लिए समर्थकों का आभार जताया और कहा कि जब टीम एक मैच हारी थी उस दौरान भी प्रशंसक हमारे साथ मजबूती से खड़े रहे।

रोहित को 'इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर न उतारे मुम्बई इंडियंस : आकाश चोपड़ा

नई दिल्ली । पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने भारतीय टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह अभी फिट हैं और मुम्बई इंडियंस को उन्हें पूरी समय के लिए उतारना चाहिये। साथ ही कहा कि उन्हें 'इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर उतरना किसी भी प्रकार से फायदेमंद नहीं है। चोपड़ा ने कहा कि अगर आप फिट हैं, तो आपको पूरा मैच खेलना चाहिए, न कि सब्स्टिट्यूट होना चाहिए। खासकर तब, जब आप दूसरी पारी में बल्लेबाजी कर रहे हों तो आपको 'इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर मैदान पर नहीं उतरना चाहिए। चोपड़ा ने कहा, एक ओपनर के लिए ये संभव नहीं होता कि वह डगआउट में 20 ओवर का मैच देखते हुए समय बिताये। सलामी बल्लेबाज मैदान पर रहने, उसी हिसाब से तैयारी करने और फिर से खेलने की आदत वाले होते हैं। रोहित इस समय सबसे अधिक फिट, सबसे तेज और शायद सबसे बेहतर खिलाड़ी हैं; इसलिए उन्हें पूरे 40 ओवर मैदान पर ही रहना चाहिए। इसी प्रकार मुंबई इंडियंस रोहित का लाभ उठा सकेगी।। वहीं दिग्गज पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह भी इससे सहमत हैं उनका भी कहना है कि रोहित को इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर रखना ठीक नहीं रहेगा। उन्होंने कहा, रोहित का इस्तेमाल 12वें खिलाड़ी के तौर पर किया गया है, जो सिर्फ बल्लेबाजी करता है। लेकिन मुझे लगता है कि जिस तरह से वह कप्तान रहे हैं, उनके जैसे खिलाड़ी को मैदान पर रहना चाहिए क्योंकि कठिन मैचों में वह अनुभवी होने के कारण कप्तान हार्दिक पंड्या को जरुरी सलाह दे सकते हैं।

भारतीय टीम के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाते आये हैं अक्षर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के स्पिन ऑलराउंडर अक्षर पटेल मुश्किल समय पर अच्छा प्रदर्शन कर टीम की सहायता करते रहे हैं पर इसके बाद उन्हें श्रेय नहीं मिलता। पिछले विश्वकप की तरह ही इस बार भी उन्होंने टीम को कई अवसरों पर अपने प्रदर्शन से संभाला है हालांकि उनके योगदान की अधिक चर्चाएं नहीं हुईं। अक्षर ने जिस प्रकार बल्लेबाजी, गेंदबाजी के अलावा फील्डिंग में भूमिका निभाई है उसे कौन भूल सकता है। उनके रहने से टीम संतुलना भी बना रहता है। भारतीय टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव का कहना है कि पिछले विश्वकप के एक मैच में बाहर रखे जाने से वह नाराज हो गये थे। तब उस मुकाबले में भारतीय टीम को 70 से ज्यादा रन से हार का सामना करना पड़ा। उस मैच में भारतीय गेंदबाजी लय में नहीं दिखी। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए टीम केवल 111 रन ही बना पायी। मैच के बाद सूर्यकुमार ने स्वीकार किया कि अक्षर बाहर रखे जाने के फैसले से काफी नाराज थे और मुझे भी ये बात समझ में आ गयी। उन्होंने कहा,वह बहुत गुस्से में थे और होना भी चाहिए था। वह अनुभवी खिलाड़ी हैं और एक फ्रेंचाइजी की कप्तानी भी करते हैं। तब मैंने उनसे माफी मांगी।मैंने कहा कि मुझसे गलती हो गई और मुझे खेद है, लेकिन यह फैसला टीम के हित में लिया गया था।'

आंकड़े से भी पता चलता है कि अक्षर टीम के लिए कितने महत्वपूर्ण हैं। 94 मैचों में उन्होंने 7.40 की शानदार इकॉनमी से 97 विकेट लिए हैं, जबकि बल्लेबाजी में 133 के स्ट्राइक रेट से 702 रन भी बनाए हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ सुपर-8 के तीसरे मैच मे अक्षर ने काफी कसी हुई गेंदबाजी करते हुए केवल 35 रन दिये थे। वहीं इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में भी अक्षर ने जैकब बीथल और टॉम बैनटॉन के बीच की साझेदारी को तोड़कर भारतीय टीम का दबाव बनाये रखा। वहीं फील्डिंग में भी उन्होंने हैरी ब्रूक और सॉल्ट असंभव से कैच लेकर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई।पूरे टूर्नामेंट में टीम ने 15 कैच छोड़े पर अक्षर ने अपने सभी कैच पकड़े। फाइनल में भी अक्षर ने केवल 27 रन देकर फिन एलन, ग्लेन फिलिप्स और डैरल मिचेल को पवेलियन भेजकर भारतीय टीम को मैच में बनाये रखा। वहीं इससे पहले टी20 विश्व कप 2024 में भी अक्षर ने आठ मैचों में नौ विकेट लिए थे। वहीं फाइनल में तब 31 गेंदों पर 37 रन बनाकर भारतीय टीम की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

कुलदीप यादव की हल्दी में चहल की मस्ती ने लूटी महफिल

नई दिल्ली। अपनी फिरकी से दुनिया के बड़े-बड़े बल्लेबाजों को चकमा देने वाले भारतीय स्पिनर कुलदीप यादव अब अपनी जिंदगी की नई और खूबसूरत पारी की शुरुआत करने जा रहे हैं। शादी से पहले शुरू हुई रस्मों में जश्न का माहौल देखने को मिला, खासकर तब जब उनके करीबी दोस्त और साथी स्पिनर युजवेन्द्र चहल देहरादून पहुंचकर हल्दी समारोह में शामिल हुए। दोनों की जोड़ी, जिसे फैंस प्यार से 'कुल्चा' कहते हैं, ने डांस और मस्ती से समारोह को यादगार बना दिया। देहरादून पहुंचने के बाद युजवेंद्र चहल ने मीडिया से बातचीत में अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा कि वह अपने दोस्त की शादी को लेकर बेहद उत्साहित हैं और इस मौके पर खूब डांस और मस्ती करेंगे। चहल ने अपने इस वादे को निभाया भी। हल्दी समारोह से सामने आई तस्वीरों और वीडियो में कुलदीप और चहल को एक साथ जमकर डांस करते देखा गया। मैदान पर विकेट का जश्न मनाने वाली यह जोड़ी निजी जीवन के इस खास मौके पर भी पूरे उत्साह के साथ नजर आई, जिसे देखकर फैंस भी काफी खुश हैं। कुलदीप यादव और वंशिका की शादी उत्तराखंड के खूबसूरत हिल स्टेशन मसूरी में होगी। समारोह का आयोजन ऐतिहासिक होटल वेलकम होटल सेवॉय में रखा गया है, जो अपनी शाही विरासत और शानदार माहौल के लिए जाना जाता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, दोनों ने पिछले साल जून में लखनऊ में एक निजी समारोह में सगाई की थी। सगाई की तरह ही शादी को भी बेहद निजी रखा गया है, जिसमें केवल करीबी दोस्त और परिवार के सदस्य ही शामिल होंगे। हालांकि इस खास मौके पर भारतीय क्रिकेट जगत की कई बड़ी हस्तियां भी नजर आ सकती हैं। विश्व कप की ऐतिहासिक जीत और अब शादी का यह शुभ अवसर कुलदीप यादव के जीवन के सबसे यादगार पलों में शामिल हो गया है। क्रिकेट फैंस और पूरा देश उन्हें इस नई पारी के लिए शुभकामनाएं दे रहा है।

बुमराह की यॉर्कर का दुनिया में नहीं कोई मुकाबला, माइकल क्लार्क ने बताया सबसे खतरनाक गेंदबाज

नई दिल्ली। भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की घातक गेंदबाजी ने एक बार फिर विश्व क्रिकेट में उनकी खास पहचान को मजबूत कर दिया है। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क ने बुमराह की जमकर तारीफ करते हुए उन्हें मौजूदा समय का सबसे खतरनाक तेज गेंदबाज बताया है। क्लार्क का मानना है कि 145 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार, नई गेंद से स्विंग कराने की क्षमता और बेहद सटीक यॉर्कर बुमराह को बाकी तेज गेंदबाजों से अलग बनाते हैं। उन्होंने कहा कि बुमराह जैसी यॉर्कर पूरी दुनिया में शायद ही कोई गेंदबाज डाल पाता हो। हाल ही में भारत की आईसीसी टी20 विश्वकप 2026 जीत के बाद क्लार्क ने बुमराह के प्रदर्शन को खास तौर पर सराहा। उन्होंने कहा कि बड़े मुकाबलों में दबाव झेलकर मैच जिताने की क्षमता ही बुमराह को खास बनाती है। फाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ उनके शानदार प्रदर्शन को याद करते हुए क्लार्क ने कहा कि 15 रन देकर चार विकेट लेना किसी भी बड़े मैच में असाधारण उपलब्धि है। उनके अनुसार बुमराह ऐसे गेंदबाज हैं जो मुश्किल परिस्थितियों में भी मैच का रुख पलटने की क्षमता रखते हैं। क्लार्क ने बुमराह की गेंदबाजी के तकनीकी पहलुओं पर भी विस्तार से बात की। उनका कहना है कि बुमराह की सबसे कम आंकी जाने वाली खासियत उनकी विविधता और सटीक एग्जीक्यूशन है। उन्होंने कहा कि बुमराह के पास गेंदबाजी के इतने विकल्प हैं, जो बहुत कम तेज गेंदबाजों के पास होते हैं। क्लार्क के मुताबिक बुमराह 100 में से 99 बार अपनी योजना को बिल्कुल सटीक तरीके से लागू करते हैं। वह पिच और परिस्थितियों को तेजी से समझ लेते हैं और उसी हिसाब से अपनी गेंदबाजी रणनीति बदल देते हैं। ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज तेज गेंदबाज पैट कमिंस, मिचेल स्टार्क और जोश हेजलवुड से तुलना करते हुए क्लार्क ने कहा कि ये तीनों गेंदबाज अपने आप में महान हैं, लेकिन बुमराह जैसी विविधता शायद ही किसी के पास हो। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि क्या इन गेंदबाजों ने कभी केवल धीमी गेंदों के दम पर किसी भी प्रारूप में तीन या चार विकेट हासिल किए हैं। क्लार्क ने बुमराह की धीमी गेंद को बेसबॉल की कर्वबॉल जैसा बताया, जो हवा में ही अपना रास्ता बदलती नजर आती है।

स्कोरिंग सिस्टम बदलने की जरूरत नहीं, 21 अंक की प्रणाली बेहतर : साइना नेहवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओलंपिक पदक विजेता भारतीय बैडमिंटन स्टार साइना नेहवाल ने बैडमिंटन की वैश्विक संस्था Badminton World Federation (BWF) से स्कोरिंग सिस्टम में प्रस्तावित बदलाव को लेकर सावधानी बरतने की अपील की है। साइना का मानना है कि मौजूदा तीन गेम की 21 अंक वाली प्रणाली खेल की गति, प्रतिस्पर्धा और खिलाड़ियों की सहनशक्ति को बेहतर तरीके से परखती है।

21 अंक की मौजूदा प्रणाली को बदलने का प्रस्ताव

दरअसल BWF ने वर्तमान तीन गेम की 21 अंक वाली प्रणाली को बदलकर तीन गेम की 15 अंक वाली प्रणाली लागू करने का प्रस्ताव रखा है। इस प्रस्ताव पर 25 अप्रैल को डेनमार्क के Horsens में होने वाली BWF की वार्षिक आम बैठक में मतदान किया जाएगा।

बदलाव से पहले गहराई से विचार जरूरी

साइना ने कहा कि बैडमिंटन की परंपरा काफी समृद्ध है और All England Open Badminton Championships तथा BWF World Championships जैसे टूर्नामेंट खिलाड़ियों की गति और सहनशक्ति की असली परीक्षा लेते हैं। उन्होंने कहा कि स्कोरिंग सिस्टम या प्रारूप में किसी भी बदलाव पर बहुत सोच-समझकर निर्णय लेना चाहिए क्योंकि खिलाड़ी मौजूदा 21 अंक की प्रणाली के साथ अच्छी तरह तालमेल बैठा चुके हैं।

नए प्रारूप में ग्रुप स्टेज का प्रस्ताव

BWF वर्ल्ड टूर के लिए प्रस्तावित नए प्रारूप के अनुसार एशिया और यूरोप में होने वाले पांच सुपर 1000 टूर्नामेंट में एकल वर्ग में 48 खिलाड़ी पहले ग्रुप चरण में खेलेंगे, जिसके बाद नॉकआउट मुकाबले होंगे। वहीं युगल स्पर्धा में 32 जोड़ियों का नॉकआउट ड्रॉ होगा और प्रत्येक सुपर 1000 टूर्नामेंट 11 दिन तक चलेगा।

खिलाड़ियों के कल्याण पर भी ध्यान जरूरी

साइना ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन कैलेंडर काफी व्यस्त है और खिलाड़ियों को आराम के लिए बहुत कम समय मिलता है। उनके अनुसार बैडमिंटन शारीरिक और मानसिक रूप से बेहद चुनौतीपूर्ण खेल है, जिसमें लंबी रैलियां होती हैं और खिलाड़ी लगभग हर सप्ताह टूर्नामेंट खेलते हैं। ऐसे में पर्याप्त रिकवरी का समय बेहद जरूरी है।

लक्ष्य सेन की निरंतरता की सराहना

साइना ने भारतीय शटलर Lakshya Sen की भी तारीफ की, जो हाल ही में All England Open Badminton Championships में पुरुष एकल के फाइनल में पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि ऑल इंग्लैंड जैसे प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के फाइनल में दो बार पहुंचना बड़ी उपलब्धि है और यह लक्ष्य के खेल में निरंतरता को दर्शाता है।

युवा खिलाड़ियों को फिटनेस और रणनीति पर देना होगा ध्यान

35 वर्षीय साइना का मानना है कि शीर्ष स्तर पर लगातार अच्छा प्रदर्शन करने के लिए खिलाड़ियों को फिटनेस, अनुशासन और मानसिक मजबूती बनाए रखनी होगी। उन्होंने कहा कि युवा खिलाड़ियों को शारीरिक ताकत, मैच के दौरान धैर्य और बेहतर रणनीति विकसित करने पर ध्यान देना चाहिए।

नमन अवॉर्ड्स 2026 की घोषणा, राहुल द्रविड़ और मिताली राज को लाइफटाइम अचीवमेंट सम्मान

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने प्रतिष्ठित नमन अवार्ड 2026 के लिए सालाना पुरस्कारों की घोषणा कर दी है। इस बार के समारोह में भारतीय क्रिकेट के दिग्गज खिलाड़ियों और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले क्रिकेटरों को सम्मानित किया जाएगा। यह भव्य कार्यक्रम 15 मार्च 2026 को नई दिल्ली में आयोजित होगा, जिसमें अंतरराष्ट्रीय, घरेलू और आयु-वर्ग क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों और भारतीय क्रिकेट में लंबे समय तक योगदान देने वाली हस्तियों को सम्मान मिलेगा। इस वर्ष के अवॉर्ड समारोह में पूर्व भारतीय कोच राहुल द्रविड और बीसीसीआई अध्यक्ष रोजर बिन्नी को भारतीय क्रिकेट में उनके असाधारण योगदान के लिए 'कर्नल सी. के. नायडू लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड' से सम्मानित किया जाएगा। यह बीसीसीआई का सर्वोच्च सम्मान माना जाता है, जो उन लोगों को दिया जाता है जिन्होंने भारतीय क्रिकेट के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वहीं भारतीय महिला क्रिकेट की दिग्गज खिलाड़ी और पूर्व कप्तान मिताली राज को 'बीसीसीआई लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड फॉर विमेन' से सम्मानित किया जाएगा। 2024-25 सीजन के प्रदर्शन के आधार पर कई खिलाड़ियों को भी प्रतिष्ठित पुरस्कार दिए जाएंगे। भारतीय टेस्ट और वनडे टीम के कप्तान शुभमन गिल को 'सर्वश्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर (पुरुष)' के लिए पॉली उमरीगर अवॉर्ड दिया जाएगा। गिल को यह सम्मान दूसरी बार मिलेगा। वहीं भारतीय महिला टीम की उपकप्तान स्मृति मांदना को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए पांचवीं बार 'सर्वश्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर (महिला)' के पुरस्कार से नवाजा जाएगा।

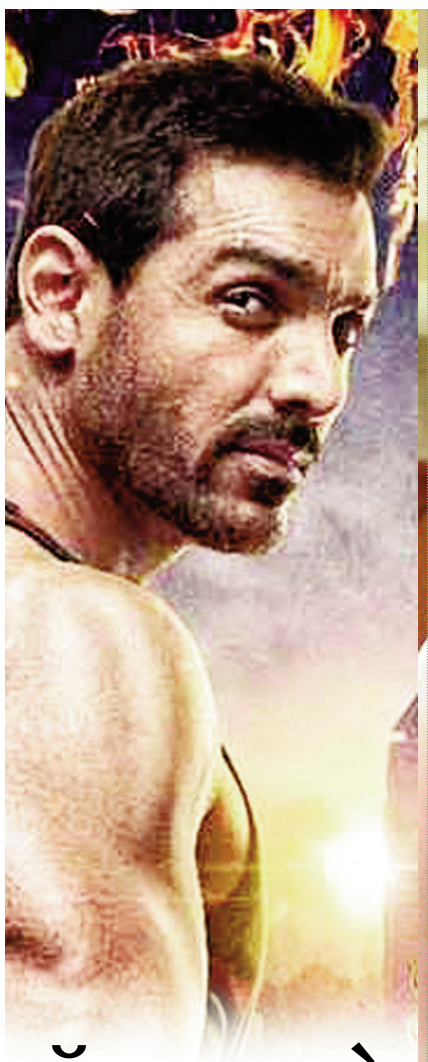

सुपरहीरो फिल्म में सलमान संग दिख सकती हैं सामंथा

सलमान खान आने वाले दो सालों के लिए बड़े प्रोजेक्ट्स की तैयारी में जुटे हैं। खबर है कि वे जल्द ही सामंथा रुथ प्रभु और नयनतारा के साथ अलग-अलग फिल्मों में नजर आ सकते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक 2026 और 2027 के लिए उन्होंने ऐसा लाइनअप तैयार किया है, जिसने ट्रेड सर्कल और फैंस के बीच उत्सुकता बढ़ा दी है। इन प्रोजेक्ट्स में नई कहानियों के साथ फ्रेश ऑन-स्क्रीन जोड़ियां भी देखने को मिल सकती हैं। ट्रेड एनालिस्ट्स का मानना है कि सलमान अब अपनी फिल्मों के चुनाव में काफी सावधानी बरत रहे हैं। 'टाइगर 3' के बाद फैंस उन्हें कुछ अलग और बड़े अवतार में देखना चाहते थे। इसलिए उनके अगले पैन-इंडिया प्रोजेक्ट्स उन्हें एक नए कलेवर में पेश करेंगे। फिल्म के एक्शन सीक्वेंस पर काम शुरू खबर है कि फिल्ममेकर जोड़ी राज निदिमोरु और कृष्णा डीके की सुपरहीरो फिल्म में सलमान एक रिटायर सुपरहीरो के किरदार में दिख सकते हैं, जिसका खुलासा हाल ही में हुआ था। सूत्रों का कहना है कि फिल्म के वीएफएक्स और एक्शन सीक्वेंस पर अभी से काम शुरू हो चुका है ताकि 2027 तक दर्शकों को एक वर्ल्ड-क्लास सिनेमाई अनुभव दिया जा सके।

फिल्मों के चुनाव में नए प्रयोग कर रहे सलमान

ट्रेड विश्लेषकों का मानना है कि सलमान अब अपनी फिल्मों के चुनाव में नए प्रयोग कर रहे हैं। साउथ की टॉप एक्ट्रेस के साथ उनकी नई जोड़ियां न केवल हिंदी बेल्ट बल्कि साउथ इंडिया के मार्केट में भी फिल्मों की पकड़ मजबूत कर सकती हैं। अगर ये फिल्में तय समय पर आगे बढ़ती हैं तो 2027 सलमान के फैंस के लिए बड़े सरप्राइज लेकर आ सकता है। वहीं सामंथा, राज निदिमोरु की पत्नी हैं, और उनकी सीरीज 'सिटाडेल: हनी-बनी' का हिस्सा रही हैं। बता दें कि पहली बार सिल्वर स्क्रीन पर सलमान-सामंथा की जोड़ी दिखाई देगी।

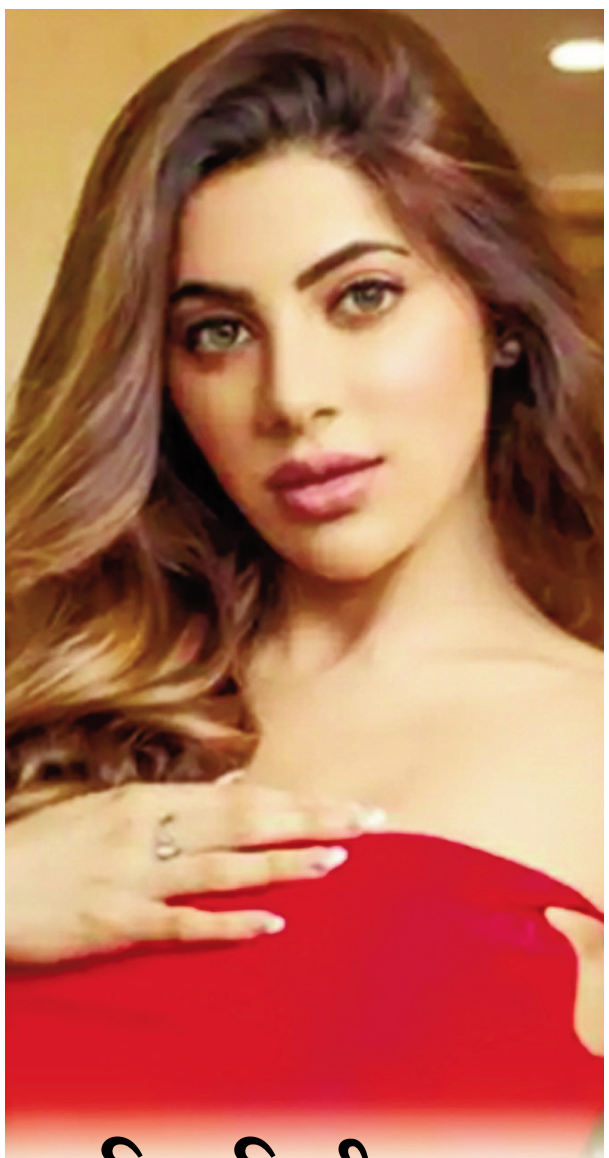

बिना किसी का नाम लिए निक्की तंबोली ने 'द 50' के प्रतियोगियों पर निशाना साधा

निक्की तंबोली कुछ दिन पहले ही रियलिटी 'द 50' से बाहर हुईं। हाल ही में उनके बॉयफ्रेंड अरबाज पटेल भी शो से बाहर हो गए। अब शो में कुछ इंफ्लुएंसर, टीवी आर्टिस्ट बाकी रह गए हैं। अपनी हालिया पोस्ट में बिना किसी का नाम लिए निक्की तंबोली ने 'द 50' के कुछ प्रतियोगियों पर निशाना साधा है।

निकी तंबोली ने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी पोस्ट की है। इसमें वह लिखती हैं, 'मेरी पोस्ट पर फेक कमेंट्स करवाने से ज्यादा मेहनत अगर अपनी लाइफ पर करते तो शायद कोलेबोरेशंस से जिंदगी नहीं चलती। मेरी पोस्ट पर फेक कमेंट्स खरीदने से अच्छा है, अपनी रिस्पेक्ट खरीद लो। शायद ज्यादा काम आ जाए।' वह आगे लिखती हैं, 'गुस्सा जायज है। घाव गहरे थे।' निक्की तंबोली ने अपनी पोस्ट में किसी का नाम नहीं लिया लेकिन सोशल मीडिया यूजर्स का मानना है कि वह टीवी एक्टर प्रिंस नरुला और टीवी पर्सनालिटी शिव ठाकरे पर निशाना साध रही हैं। यह दोनों इस वक्त 'द 50' शो का हिस्सा हैं। जब निक्की और उनका बॉयफ्रेंड शो में थे तो शिव ठाकरे और प्रिंस नरुला से कई बार झगड़ा हुआ।

कौन बनेगा शो का विनर?

'द 50' शो में विनर बनने की दौड़ में शिव ठाकरे आगे दिख रहे हैं। इनके अलावा प्रिसं नरुला का नाम भी विनर के तौर पर सामने आ रहा है। दर्शक इन दोनों को काफी पसंद कर रहे हैं। 'द 50' शो की बात करें तो इसमें लगभग 50 प्रतियोगी शामिल हुए थे। जिसमें कुछ एक्टर, इंफ्लुएंसर, स्पोर्ट्स पर्सन थे। अब तक कई लोग शो से बाहर हो चुके हैं। यह रियलिटी शो जीयो हॉटस्टार पर और कलर्स चैनल पर टेलीकास्ट होता है।

जॉन अब्राहम ने निभाया अपना वादा, 'फोर्स 3' में नजर आएंगे हर्षवर्धन राणे

2011 और 2016 में रिलीज हुई फिल्म 'फोर्स' और 'फोर्स 2' के बाद अब इसका तीसरी सीक्वल आने वाला है। इस फिल्म में इस बार हर्षवर्धन राणे भी अहम रोल निभाएंगे। हर्षवर्धन ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर 'फोर्स 3' के मुहूर्त पूजा का एक खास वीडियो शेयर कर फिल्म की जानकारी दी है। हर्षवर्धन राणे ने इंस्टाग्राम पर मुहूर्त पूजा का एक वीडियो शेयर किया है। यह वीडियो 'फोर्स 3' के सेट का है, जिसमें हर्षवर्धन राणे पूजा करते नजर आ रहे हैं।

'फोर्स 3' के बारे में

'फोर्स 3' के निर्माता जॉन अब्राहम हैं। इस फिल्म के निर्देशक भाव धूलिया हैं, जिन्होंने 'द फ्रीलांसर' का निर्देशन किया है। इस फिल्म के लेखक सीमाब हाशमी हैं। फिल्म के सेट पर पूजा के बाद इसकी शूटिंग शुरू हो जाएगी।

पहली 'फोर्स' 2011 में रिलीज हुई थी। विपुल अमृतलाल शाह द्वारा निर्मित यह एक एक्शन-थ्रिलर फिल्म है। इसमें जॉन अब्राहम ने मुख्य भूमिका निभाई थी। इसके बाद अभिनय देव द्वारा निर्देशित दूसरी फिल्म 'फोर्स 2' 18 नवंबर 2016 को रिलीज हुई थी। कथित तौर पर 'फोर्स 3' 2027 में रिलीज हो सकती है।

कास्टिंग का फैसला अक्सर हीरो की पसंद-नापसंद पर निर्भर करता है...

तापसी पन्नू एक बार फिर अपने बेबाक बयान को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में दिए मीडिया इंटरव्यू में उन्होंने कहा... 'मेरे करियर में कई बार ऐसा हुआ जब मुझे किसी फिल्म से बाहर कर दिया गया, सिर्फ इसलिए क्योंकि फिल्म का हीरो मेरे साथ काम नहीं करना चाहता था। कास्टिंग का फैसला अक्सर कहानी या किरदार की जरूरत से ज्यादा हीरो की पसंद-नापसंद पर निर्भर करता है। मुझे ज्यादातर मामलों में सीधे तौर पर यह नहीं बताया गया कि फिल्म से क्यों हटाया गया। ये बातें आप तक सीधे नहीं पहुंचतीं और आपको रिप्लेस कर दिया जाता है।' तापसी ने इशारों-इशारों में कहा कि बाद में मुझे इंडस्ट्री के लोगों से पता चलता है कि मेन एक्टर की असहमति के कारण मैं फिल्म से नहीं जुड़ सकी। हीरो-हीरोइन वाली फिल्मों में कई अहम फैसले अभिनेता ही लेते हैं।'

कल्कि 2898 एडी के लिए कमल हासन को मिले 150 करोड़

फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' (2024) के सीक्वल में कमल हासन की भूमिका और भी बड़ी होने वाली है। इसी बीच फिल्ममेकर-एक्टर युगी सेतु ने हाल ही में एक इंटरव्यू में उनकी फीस को लेकर बड़ा दावा किया है। युगी सेतु के मुताबिक, फिल्म के पहले पार्ट के लिए कमल हासन को एक दिन के शूट के लिए 1 मिलियन डॉलर दिए गए थे। उन्होंने यह भी कहा कि इतनी बड़ी रकम की वजह से कमल हासन भारत के सबसे ज्यादा फीस लेने वाले अभिनेता बन गए हैं। हालांकि, बाद में युगी ने बताया कि जब उनकी मुलाकात फिल्म के प्रोड्यूसर अश्विनी दत्त से हुई, तो उन्हें असली फीस का पता चला। युगी सेतु ने इंडियाग्लिट्स से बातचीत में कहा, 'कमल सर का स्टेटस ही ऐसा है। उन्हें 'कल्कि 2898 एडी' के लिए 20 दिनों की कॉल शीट के बदले 150 करोड़ रुपये मिल रहे हैं। उनके जन्मदिन पर मैंने उनसे कहा था कि वह भारत के सबसे ज्यादा फीस लेने वाले एक्टर हैं और उन्हें एक दिन के लिए 1 मिलियन डॉलर मिल रहे हैं, क्योंकि 20 दिनों के लिए उन्हें 150 करोड़ रुपये दिए गए।'

एक दिन के लिए करीब 2 मिलियन डॉलर

उन्होंने आगे बताया कि कमल हासन ने उन्हें फिल्म के प्रोड्यूसर अश्विनी दत्त से मिलवाया। युगी ने कहा, 'मैंने उनसे कहा कि हमारे दोस्त को भारत का सबसे ज्यादा फीस लेने वाला एक्टर बनाने के लिए धन्यवाद। जब मैंने कहा कि 20 दिनों के लिए 150 करोड़ रुपये, तो उन्होंने जवाब दिया- 'नहीं सर, उन्होंने सिर्फ 10 दिन शूट किया है।' तब मुझे अपनी बात सुधारनी पड़ी, यानि एक दिन के लिए करीब 2 मिलियन डॉलर।' युगी के इस दावे से पहले कई रिपोर्ट्स में कहा गया था कि कमल हासन को 'कल्कि 2898 एडी' में उनके रोल के लिए 100 करोड़ रुपये या उससे ज्यादा फीस मिली थी।

'कल्कि 2' के बारे में

फिल्म में कमल हासन ने 'सुप्रीम यास्किन' नाम के एक गॉड-किंग का किरदार निभाया है, जो कॉम्प्लेक्स पर राज करता है। फिल्म के आखिरी में यह हिंट भी दिया गया था कि सीक्वल में कमल हासन का स्क्रीन टाइम और ज्यादा होगा।

पूरी जगन्नाथ की फिल्म में तब्बू और विजय सेतुपति के साथ स्क्रीन शेयर करती नज़र आएंगी संयुक्ता

संयुक्ता, जिन्होंने वाथी, भीमला नायक, कडुवा और विरुपाक्ष जैसी फिल्मों में दमदार परफॉर्मेंस देकर इंडस्ट्री में अपनी अलग पहचान बनाई है, आज के समय में सबसे होनहार सितारों में शुमार की जाती हैं। अब वह तैयार हैं एक और बड़े सिनेमाई धमाके के लिए।

निर्देशक पूरी जगन्नाथ की अपकमिंग पैन इंडिया फिल्म में वह आइकॉनिक तब्बू और पावरहाउस एक्टर विजय सेतुपति के साथ स्क्रीन शेयर करती नज़र आएंगी। जैसे जैसे इस मेगा प्रोजेक्ट को लेकर उत्सुकता बढ़ रही है, संयुक्ता ने हाल ही में तब्बू के साथ काम करने का अनुभव साझा किया और ऑन स्क्रीन केमिस्ट्री की एक झलक भी दी। बड़े पैमाने पर बनी इस फिल्म में विजय सेतुपति लीड रोल में हैं, संयुक्ता फीमेल लीड के रूप में दिखेंगी और तब्बू एक बेहद अहम और इंटेंस किरदार में नज़र आएंगी, जिसकी इंडस्ट्री में खूब चर्चा है। फिल्म का निर्माण चार्ममे कौर और पूरी जगन्नाध ने अपने बैनर पुरी कनेक्ट्स के तहत किया है। शूटिंग पूरी हो चुकी है और फिल्म तेलुगु, तमिल, हिंदी, कन्नड़ और मलयालम में रिलीज़ की तैयारी में है। खुद तब्बू ने इसे साउथ का धमाका बताया है और माहौल भी यही इशारा कर रहा है। हाल ही की बातचीत में संयुक्ता तब्बू की तारीफ करते नहीं थमीं। उन्होंने कहा, वह कुछ अलग ही हैं। जिस अंदाज़ और एनर्जी के साथ वह सेट पर आती हैं, वह बेहद खूबसूरत है। उन्होंने कंदुकोंडेन कंदुकोंडेन जैसी शानदार फिल्म की है, जो मेरी पसंदीदा फिल्मों में से एक है। उसमें वह कमाल लगी थीं और आज भी उतनी ही ग्रेसफुल हैं। जब मैंने उन्हें सेट पर आते देखा तो मैं बस उन्हें देखती रह गई। मुझे पता ही नहीं था कि वह हैदराबाद से हैं। जब उन्होंने शहर के लोगों से बात की तो उनकी हैदराबादी हिंदी सुनकर मुझे बड़ी प्यारी लगी। हमारे बहुत ज्यादा सीन साथ में नहीं थे, लेकिन उनके साथ काम करना एक यादगार अनुभव रहा। संयुक्ता के लिए, जो आज बॉक्स ऑफिस पर लगातार सफलताओं के साथ गोल्डन फेज़ में हैं, यह फिल्म सिर्फ एक और प्रोजेक्ट नहीं बल्कि एक खास पड़ाव है। विजय सेतुपति की रॉ इंटेंसिटी, तब्बू की दमदार मौजूदगी और संयुक्ता की तेजी से बढ़ती स्टार पावर मिलकर एक ऐसा सिनेमाई तूफान खड़ा करने वाले हैं जो साउथ के धमाके वाली पहचान को पूरी तरह जस्टिफाई करेगा। आगे का सफर भी उतना ही रोमांचक है। संयुक्ता जल्द ही एक्शन से भरपूर फिल्म बेंज में नजर आएंगी, जो चर्चित लोकेश सिनेमैटिक यूनिवर्स में उनकी दमदार एंट्री मानी जा रही है। इसके अलावा तेलुगु प्रोजेक्ट स्वयंभू में भी उनसे एक और यादगार परफॉर्मेंस की उम्मीद की जा रही है। कुल मिलाकर, चैप्टर का यह नया अध्याय सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि एक बड़े सिनेमाई उत्सव की शुरुआत लगता है।

रोग, दोष व क्लेश से मुक्ति के लिए तुलसी लगाएं

ज्योतिष के मतानुसार जिस घर में तुलसी के पौधे का आरोपण होता है वहां स्वंय श्री हरि का निवास होता है। वहां की वायु शुद्ध होगी और ऊपरी बाधाएं भी प्रभावहीन हो जाती है। इस प्रकार देखा जाए तो तुलसी की सत्ता मानव जीवन की पवित्रता और गरिमा को बढाने में सराहनीय सहयोगी की भूमिका निभाती है। धर्मग्रंथों के अनुसार जिस घर में तुलसी का पौधा होता है वहां रोग, दोष या क्लेश नहीं होता वहां हमेशा सुख-समृद्धि का वास होता है। सुबह स्नान के बाद घर के आंगन या देवालय में लगे तुलसी के पौधे की गंध, फूल, लाल वस्त्र अर्पित कर पूजा करें। फल अथवा मिष्ठान का भोग लगाएं। धूप व दीप जलाकर उसके नजदीक बैठकर तुलसी की ही माला से तुलसी गायत्री मंत्र का श्रद्धा से सुख की कामना से कम से कम 108 बार स्मरण कर अंत में तुलसी की पूजा करें -

ऊँ श्री तुलस्यै विद्महे।
विष्णु प्रियायै धीमहि।
तन्नो वृन्दा प्रचोदयात।।

पूजा व मंत्र जप में हुई त्रुटि की प्रार्थना आरती के बाद कर प्रसाद ग्रहण करें।

आप वास्तव में धार्मिक व्यक्ति हैं खुद अपनी पहचान कीजिए

मनुष्य जिसे अपने आचरण में लाता है। वह धर्म कहा जाता है। धर्म के नियमों का पालन करते हुए व्यक्ति मानव जीवन की पूर्ण गरिमा को देवत्व को पा लेता है। विश्व के सर्वप्राचीन ग्रंथ ऋग्वेद में धर्म शब्द का प्रयोग संसार को चलाने वाले नियम के अर्थ में किया जाता है।

धर्म का एक प्रमुख एवं महत्वपूर्ण अर्थ आचार है। आचार अर्थात सदाचार। श्रेष्ठ गुण जैसे सत्य, अहिंसा, बह्मचर्य, दान, दया, धैर्य, क्षमा, इंद्रियों और मन का संयम, क्रोध न करना, चोरी न करना आदि अनेक गुण हैं, जिनका पालन करना धर्म कहा गया है। इससे जीवन में सुव्यवस्था, अनुशासन, पूर्णता और पवित्रता आती है। इसलिए यह अनिवार्य मानव धर्म कहे गए हैं। हमारे धर्मग्रंथों में सदाचार को प्रथम धर्म माना गया है। मोक्षोन्मुख एकांतिक दोनों के लिए ऋषियों ने सदाचार अनिवार्य बताया।

ऋग्वेद के अनुसार सत्कर्म करना इस परमात्मा की पूंजी है। एतरेय उपनिषद में एक सुंदर वर्णन मिलता है जिसमें बताया गया है, कि मानव देह की विविध इंद्रियों में देवताओं ने अपना निवास बनाया। अतएव मनुष्य को सदा सत्कर्म ही करने चाहिए। आचारहीन का समस्त ज्ञान और धार्मिक कर्मकांड बिलकुल व्यर्थ है। वरिष्ठ धर्मसूत्रम के अनुसार आचारहीन व्यक्ति को वेद भी पवित्र नहीं कर सकते। आचारहीन व्यक्ति का वेदों का समस्त ज्ञान, सभी यज्ञादि का अनुष्ठान वैसे ही व्यर्थ है, जैसे किसी अंधे व्यक्ति के लिए उसकी रूपसी पत्नी का अनुपम सौंदर्य।

धार्मिक कर्मकांड- पूजा पाठ मंत्र जप आदि कर लेने भर से कोई सच्चा धार्मिक नहीं बन जाता। कोई भले ही हजारों बार गायत्री मंत्र जप ले, लेकिन वह मन से पवित्र नहीं है, तो सब आडंबर है। पूजा उपासना की विविध विधियां तो धर्म का एक छोटा सा साधन भर है। ये धार्मिक आचार का एक अंगमात्र है। कालांतर में अधिकांश मनुष्य धार्मिक आचार की विधि मात्र को ही धर्म समझने लगे। वे धर्म के वास्तविक अर्थ को ही भूल गए। धर्म की इसी उपयोगिता के कारण स्वामी विवेकानंद ने कहा था, मानव समाज से धर्म पृथक कर लो तो क्या रह जाएगा। कुछ नहीं केवल पशुओं का समूह।

हमारे शरीर के अंगो पर तिल और उनका राज

ठोड़ी पर तिल - ठोड़ी पर तिल हो तो ऐसा जातक बहुत मिलनसार नहीं होता। उसके गिने-चुने ही घनिष्ठ होते हैं। वह आत्मिक संबंध हर किसी से नहीं रखता। ऐसे जातक अक्सर अंतर्मुखी ही होते हैं।

पेट पर तिल - पेट पर तिल हो तो व्यक्ति खाने का शौकीन होता है। ऐसे जातक को स्वादिष्ट खाद्य पदार्थों की बिक्री के स्थान पता होते हैं। यह अधिकतर मिष्ठान-प्रेमी होता है। ऐसे लोग अपने मित्रों को भी खूब खिलाने-पिलाने के शौकीन होते हैं। ये लोग छोटी-छोटी उपलब्धि पर भी पार्टी देते हैं।

भुजा पर तिल - दाहिनी भुजा का तिल जातक को प्रतिष्ठित व बुद्धिमान बनाता है। लोग उसका आदर करते हैं। वहीं बाईं भुजा पर तिल हो तो व्यक्ति झगड़ालु होता है। उसका निरादर हो सकता है। उसकी संगत बिगड़ सकती है।

कंधे पर तिल - दाएं कंधे पर तिल व्यक्ति को जिम्मेदार बनाता है। ऐसा व्यक्ति जो भी निर्णय ले लेता है उसे पूर्ण करके ही दम लेता है। वहीं बाएं कंधे पर तिल वाला जातक छोटी-छोटी बातों का क्रोध करने लगता है। वह प्रसन्नता के साथ अपने जिम्मेदारी नहीं निभाता है।

पैर का तिल - पैरों पर तिल हो तो जीवन में भटकाव रहता है। किन्तु यात्राओं का शौकीन होता है। दाएं पैर पर तिल हो तो यात्राएं सोद्देश्य और बाएं पैर पर हो तो निरुद्देश्य होती है। दाएं घुटने पर तिल होने से गृहस्थ जीवन सुखमय और बाएं पैर पर होने से दाम्पत्य जीवन दुखमय होता है।

गले का तिल - गले में तिल वाला जातक आरामतलब होता है। गले पर सामने की ओर तिल हो तो जातक के घर मित्रों का जमावड़ा लगा रहता है। मित्र सच्चे होते हैं। गले के पृष्ठ भाग पर होने पर जातक कर्मठ होता है।

गोकुल में क्यों रहते हैं श्री कृष्ण

गोकुल के दो अर्थ हैं- पहला तो वो जहां गैय्याओं का समूह हों, जहां गायें समूह में रहती हों। दूसरा इसका अगर आध्यात्मिक अर्थ देखें तो गौ यानि इन्द्रियां और कुल यानि समूह इन्द्रियों का समूह। मनुष्य भी इन्द्रियों का समूह ही है। गोकुल गोपियों का भी समूह है।

एक बार गोपियों ने श्री कृष्ण से पूछा कि आपका जन्म तो मथुरा में हुआ है फिर आप गोकुल में क्यों रहते हो?

कृष्ण ने सीधा सा जवाब दिया, मुझे मौज में रहने का शौक हैं। मैं मेरे भक्तों को सहजता से उपलब्ध होना चाहता हूं। मथुरा में तो मुझे महलों में रहना पड़ता। महलों की अपनी मर्यादाएं होती है न मैं किसी से आसानी से मिल सकता और न कोई मुझसे आसानी से मिल सकता। विष्णु धर्मोतर में कहा गया है भूख प्यास तथा गिरते पड़ते में जो श्री कृष्ण का नाम संकीर्तन करता है उस पर भगवान श्री कृष्ण प्रसन्न होते हैं। भगवदनाम में श्री कृष्ण को वशीभूत करने की कैसी अद्भुत शक्ति है। ऐसे भक्तों को श्री कृष्ण स्वंय कहते हैं - दूर देश में रहकर द्रोपदी ने चीरहरण के समय जो मुझे हे गोविन्द ! ऐसा कहकर जोर से पुकारा था, उसका वह ऋण बढ़ गया है और मेरे ह्रदय से अब तक उतर नहीं रहा है।

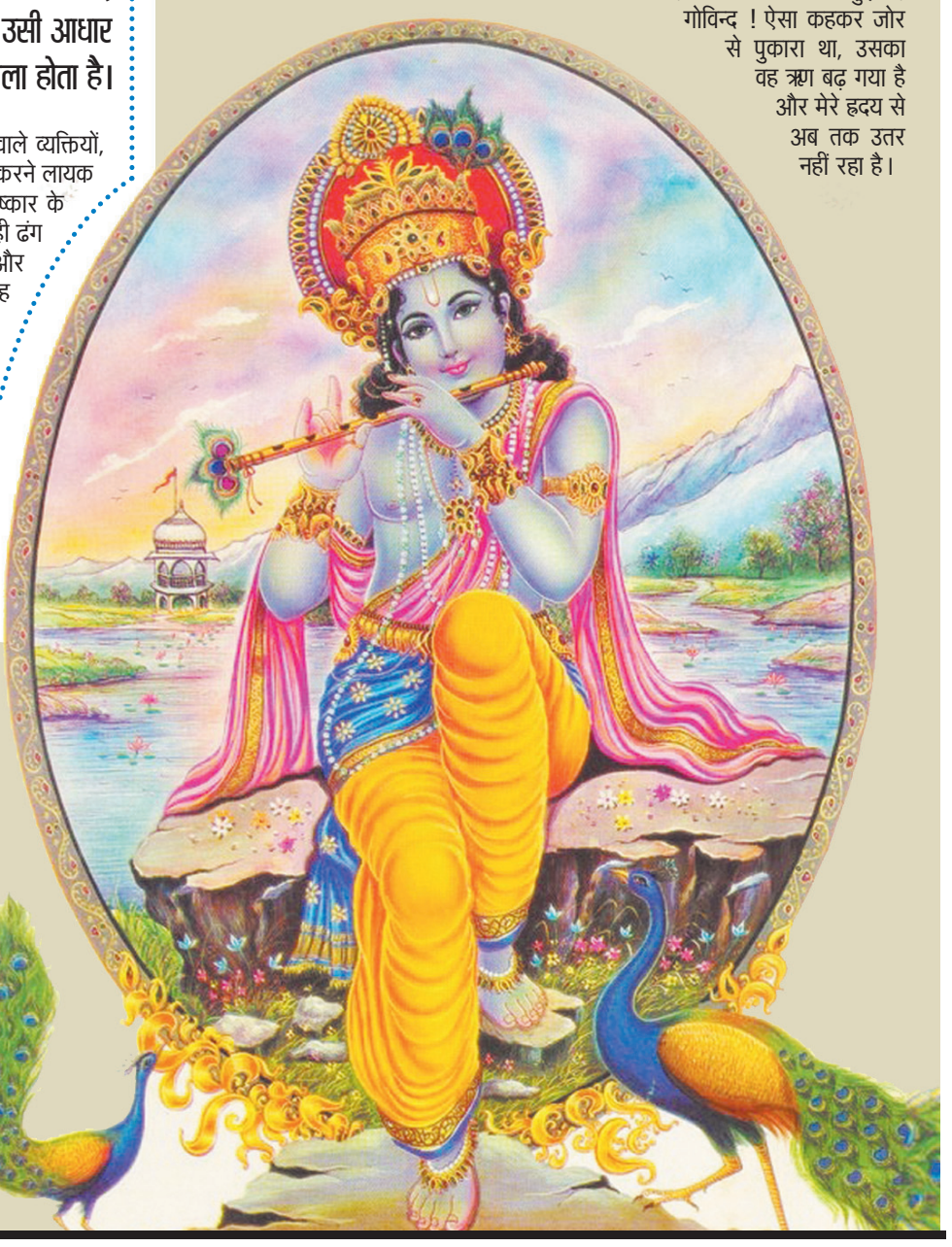

इसलिए आशीर्वाद का लाभ आपको नहीं मिलता है

आप जब भी कभी किसी के प्रति शुभकामना व्यक्त करते हैं, तो आपके भीतर जितनी प्राणऊर्जा है और जिसे आशीर्वाद दे रहे हैं, उसमें कितनी ग्रहणशीलता है उसी आधार पर दूसरे का भला होता है।

लोग आशीर्वाद देते समय कहते हैं तुम्हारा भला हो और भला हो ही जाएगा, यह जरूरी नहीं है। अगर ऐसा होता तब तो दुनिया में कोई दुखी दरिद्र नहीं रहता। दरअसल आप जब भी कभी किसी के प्रति शुभकामना व्यक्त करते हैं, तो आपके भीतर जितनी प्राणऊर्जा है और जिसे आशीर्वाद दे रहे हैं, उसमें कितनी ग्रहणशीलता है उसी आधार पर दूसरे का भला होता है। आशीर्वाद दे कर भक्तों का कष्ट दूर करने के दावों की असलियत जानने के लिए रामकृष्ण मिशन के संन्यासी स्वामी तेजोवलयानंद ने कुछ प्रकरणों का अध्ययन किया और पाया कि समस्याओं का हल कह देने भर से नहीं होता। उसके लिए आशीर्वाद देने वाले का तप तेज और लाभ उठाने वाले की इच्छाशक्ति भी जरूरी है। स्वामीजी के अनुसार इच्छाशक्ति जगाने में जप, भजन और योगासन से मदद मिलती है। भजन आसन आदि से मदद मिलती है पर आशीर्वाद के प्रभाव को असरदार बनाता है मंत्रजप। जप के दौरान उपयोग किए गए मंत्र की ध्वनि पूरे शरीर में प्रभाव उत्पन्न करती है।

इसका पहला प्रभाव मस्तिष्क में शीतलता और स्थिरता लाता। इससे न केवल शारीरिक लाभ मिलता है, बल्कि अध्यात्मिक लाभ भी मिलता है। जप और उससे उत्पन्न हुई स्थिरता अपने से उच्च आध्यात्मिक स्थिति वाले व्यक्तियों, संतों और गुरुजनों की शुभाकांक्षा को ग्रहण करने लायक मनोभूमि बनाते हैं। शरीर और चित्त के परिष्कार के लिए अपनाए गए योगासनों का लाभ उन्हें सही ढंग से करने पर ही मिलता है। आसन, भजन और ध्यान आदि से चित्त निर्मल हो जाता है तो यह स्थिति बनती है कि किसी का आशीर्वाद ग्रहण किया जा सके। याद रहे 'चिरायु भव' कहने मात्र से आशीर्वाद पूरा नहीं हो जाता। आशीर्वाद से सुखपूर्वक जीने का संकल्प भी जाग रहा होता है। व्यक्ति के संकल्प को ऋषि या गुरु के आशीष पुष्ट करने से उसमें कार्य सिद्धि के प्रति आत्मविश्वास जागता है। कार्य को करने की प्रेरणा भी जगती है।

कैसे पाई जा सकती है कोई सिद्धि?

- धन की इच्छा है तो कमलगट्टे, वैजन्ती, स्फटिक व मूंगे की माला से लक्ष्मी देवी का जाप करना चाहिए।
- विद्या प्राप्त करने के लिए स्फटिक की माला अथवा रुद्राक्ष की माला से सरस्वती मंत्रों का जाप करें। - उत्तम व मन भावन वर प्राप्त करने के लिए रुद्राक्ष की माला से शिव मंत्रों का जाप करें।
- सुसंस्कारित व मन भावन पत्नी पाने के लिए स्फटिक की माला से शिव मंत्रों का जाप करें। - घर में सुख शांति का वातावरण बना रहे और उत्तम स्वास्थ्य के लिए महामृत्युंजय मंत्र का जाप रूद्राक्ष की माला से करें।
- शत्रुओं का नाश करने के लिए बगला मुखी मंत्र का जाप हल्दी माला से करें।
- रुद्राक्ष की माला गले में धारण करने से हृदय रोग और ब्लड पराशर नियंत्रित रहता है। - गुस्सैल जातक को वैजन्ती माला धारण करनी चाहिए।
- पुत्र प्राप्ति के लिए मोती की माला धारण करनी चाहिए।
- मानसिक और नवग्रह शांति के लिए नवरत्न की माला धारण करें।
- निसंतान महिलाएं संतान प्राप्ति के लिए पुत्र जीवा की माला से मंत्र जाप करें।
- शरीर में ताजगी व स्फूर्ति का संचार करने के लिए सफ़ेद चन्दन की माला को धारण करें।
- मंगल ग्रह की शांति के लिए लाल चन्दन की माला धारण करें।
- शरीर और आत्मा की शुद्धि के लिए तुलसी की माला धारण करें।
- हनुमान जी की साधना के लिए मुंगे की माला से मंत्रों का जाप करें।
- देवी की आराधना लिए स्फटिक की माला से मंत्र जाप करने पर मंत्र शीघ्र सिद्ध हो जाते हैं।
- हकिक माला को धारण करने से भाग्य वृद्धि, सौभाग्य प्राप्ति, भुत प्रेत, बाधा, दुर्भाग्य और कई बुराइयों को नाश करने की विशेष शक्ति होती है।